वार्षिक रिपोर्ट
Annual Report
2013-14

भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण

ए–13, सैक्टर-1, नौएडा - 201 301, जिला- गौतमबुद्धनगर (उ० प्र०)

INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA

A-13, Sector-1, NOIDA-201 301, Distt. Gautam Budh Nagar (U.P.)

वार्षिक रिपोर्ट
2013 - 14

भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण
पोत परिवहन मंत्रालय
मुख्यालय : ए–13, सैक्टर–1, नौएडा–201 301 जिला– गौतमबुद्धनगर (उ0 प्र0)
दूरभाष सं0 : 0120–2544036, 2543972 ; फैक्स सं0 0120–2543973, 2521764
ई–मेल : iwainoi@nic.in,वेबसाइट :www.iwai.nic.in

प्राधिकरण के सदस्य (2013–14 के दौरान)

		दूरभाष सं.	फैक्स सं.
अध्यक्ष	**डॉ. विश्वपति त्रिवेदी, भा. प्र. से.** (30.06.2013 तक)	0120–2543972	0120–2543973
	श्री अमिताभ वर्मा, भा. प्र. से. (04.09.2013 से अब तक)		
सदस्य	**डा. श्रीमती टी. कुमार, भा. प्र. से.** अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, पोत परिवहन मंत्रालय	011–23710140	011–23715195
सदस्य	**सुश्री जयश्री मुखर्जी, भा. प्र. से.** उपाध्यक्ष	0120–25440090	120–2544009
सदस्य	**श्री आर. पी. एस. कहलन, भा. प्र. से.** अध्यक्ष, कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट कोलकाता	033–22205370	033–22208226
सदस्य	**श्री सी. बी. सिंह** सलाहकार पोत परिवहन मंत्रालय	011–2376619	011–23350648
सदस्य	**श्री दीपक दास, आई.सी.ए.एस.** सदस्य (वित्त), भा. अ. ज. प्रा.	0120–2544004	0120–2543976
	श्री प्रवीर पाण्डेय, भा.ले.प. एवं ले.से. सदस्य (वित्त), भा. अ. ज. प्रा. (11.03.2014 से अब तक)	0120–2544004	0120–2543976
सदस्य	**श्री आर. पी. खरे,** सदस्य (तकनीकी), भा. अ. ज. प्रा. (18.09.2013 से अब तक)	0120–2521664	0120–2544041

अन्य विवरण

		दूरभाष सं.
सचिव	**श्रीमती त. साई अमूथा देवी, भा.डा.एवं तार, वि. एवं ले.से.**	0120–2544036
अंकेक्षक	भारत के लेखा नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक	011–23235793
बैंकर्स	सिंडीकेट बैंक परिवहन भवन, संसद मार्ग, नई दिल्ली–110001	011–23717573
	सिंडीकेट बैंक सैक्टर–18, नौएडा–201301	0120–2514381
	केनरा बैंक सैक्टर–1, नौएडा–201301	0120–2529163
	यूनियन बैंक ऑफ इंडिया सैक्टर–2, नौएडा–201 301	0120–2511426

क्षेत्रीय कार्यालय

	दूरभाष सं.	फैक्स सं.
भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण गायघाट टर्मिनल –सह कार्यालय, गुलजारबाग, पटना–800007 (बिहार)	0612–2630112 0612–2630005 0612–2630114	0612–2630100
भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण पी–78, गार्डन रीच रोड, कोलकाता– 700043(पश्चिम बंगाल)	033–24390393 033–24395577 033–24396055	033–24395570 033–24391710
भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण पांडु पोर्ट काम्प्लैक्स, पांडु, गुवाहाटी– 781012 (असम)	0361–2570109 0361–2676925 0361–2676927 0361–2676929	0361–2570099 0361–2570055
भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण राश्ट्रीय जलमार्ग रोड, एन0 एच0 47 बाइपास, कन्नाडिकाडू मरदू, एर्नाकुलम – 682304 (केरल)	0484–2295064 0484–2389804	0484–2389445

उप–कार्यालय / ईकाईयाँ

	दूरभाष सं.	फैक्स सं.
भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण 360 / एफ / 44, नवाब यूसुफ रोड, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद– 211 006 (उ0 प्र0)	0532–2561151 0532–2560537	0532–2561152
भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण 52, द्वितीय तल, पटेल नगर, नदेसर, वाराणसी – 221 002 (उ0 प्र0)	0542–2505329	0542–2505329
भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण नवीन गांगुली रोड, दुर्गा स्थान (मंदिर घाट), भागलपुर –821 001 (बिहार)	0641–2400651	0641–2400651
भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण ऑफिस बिल्डिंग संख्या–1, एफबीपी ऑफिस काम्प्लैक्स, पी0 ओ0– फरक्का बैरेज, जिला–मुर्शिदाबाद–742 212 (पश्चिम बंगाल)	03485–255809	03485–255809
भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण फकीरतला, पी0 ओ0–महेशगंज, स्वरूपगंज, नौएडा–741 315 (पश्चिम बंगाल)	09830508079	
भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण दुर्गाबाड़ी रोड टिनियाली, ए. टी. रोड, नालियापूल, डिब्रूगढ़ – 786 001	0373–2302540	
भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण धुब्री टर्मिनल, फ्री इंडिया घाट, धुब्री–786 005	03662–298111	
भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण आई.डब्लू.टी. टर्मिनल सह ऑफिस कॉम्प्लेक्स आश्रमम, नियर ईएसआई हॉस्पीटल, कोल्लम–691 002	0474–2766460	
भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण एफ–14, आईएमयू कैम्पस, ईस्ट कोस्ट रोड, उथंडी चेन्नई–600119 (तमिलनाडु)	08056079757	

1. अन्तर्देशीय जल परिवहन क्षेत्र (अ0 ज0 प0)–सामान्यसूचना

नदियाँ हमेशा सभ्यता के विकास, संस्कृति के आत्मसात्करण, व्यापार के विकास, कृषि के विस्तार और जीवनशैली के सुधार में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। मानव के इतिहास में नौचालन हेतु नदियों को अनुकूल बनाने से आमूलचूल परिवर्तन हुआ है। भारत में सभी प्रमुख नदियों होकर परिवहन के साक्ष्य आद्य रूप में प्राप्त हुए हैं। उन्नत सामुद्रिक उद्योग के साक्ष्य भी भारत की नदियों के किनारे प्राप्त हुए हैं।

अनेक अन्य देशों के समान भारत में भी नदी परिवहन परिवहन का एक पारंपरिक साधन रहा है। इस साधन का उपयोग अंग्रेजों द्वारा, मुगलों द्वारा और प्राचीन काल में भी हुआ है। किंतु, आधुनिकीकरण के लिए हमारे उत्साह और आधुनिक काल के प्रगतिपरक दृष्टिकोण के कारण लोगों ने यह देखना प्रारंभ कर दिया कि रेलवे और हवाईअड्डा तथा सड़कों की प्रणाली इससे कितना अच्छा है, क्योंकि इन साधनों में जलमार्ग की तुलना में गति को ज्यादा प्रमुखता दी गई, जिसके कारण इन क्षेत्रों पर ज्यादा ध्यान देकर उनका विकास तीव्र कर दिया गया। किंतु उससे भी अन्तर्देशीय जलपरिवहन क्षेत्र उपेक्षित हो गया। जहां आजादी के समय से रेलवे का लगातार विकास हुआ वहीं जलमार्गों के लिए भा.अ.ज.प्रा. की स्थापना काफी समय बाद हुआ। वर्ष 1986 और 1986 से 2010 के बीच अन्तर्देशीय जलपरिवहन के विकास करने के लिए 1100 करोड़ रुपए की छोटी रकम का कुल निवेश हुआ। 11वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान ही केवल इस पर काफी ध्यान दिया गया था।

पानी के मुहाने पर स्थित विभिन्न स्थानों के बीच वृहत आकार के कार्गो की लम्बी दूरी तक ढुलाई करने के लिए सबसे सस्ता परिवहन साधन होने के अन्तर्निहित गुण के कारण अ0 ज0 प0 को पूरे विश्व में पहचान मिली। शक्ति दक्षता, कम प्रदूषण और रोजगार सृजन की सम्भाव्यता को सार्वभौमिक रूप से अन्तर्देशीय जल परिवहन के मुख्य फायदे के रूप में स्वीकार किए जाते हैं। भारत के पास नदियों, अप्रवाही जल, संकरी खाड़ी और कैनाल की संख्या काफी है जिन्हें लागत प्रभावी और पर्यानुकूल परिवहन साधन के रूप में उपयोग में लाने की काफी सम्भाव्यता है।

रेल और सड़क नेटवर्क में वृद्धि के साथ अन्तर्देशीय जल परिवहन (अ0 ज0 प0) के उपयोग में कमी आई और आज यह गंगा और ब्रह्मपुत्र नदियों के अलावा केवल कुछ स्थानों जैसे– गोवा, असम, केरल, पश्चिम बंगाल और मुम्बई में ही केवल संगठित तरीके से प्रचलन में है।

वर्तमान में कुल अन्तर्देशीय जल परिवहन का 0.40 प्रतिशत ही अ0 ज0 प0 साधन से होता है। हालांकि, वर्ष 2020 तक इसका शेयर 5 प्रतिशत (25 बीटीकेएम) तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है। तद्नुसार विभिन्न परियोजनाओं/योजनाओं का कार्यान्वयन/नियोजन भा.अ.ज.प्रा. द्वारा किया जा रहा है।

2. भा.अ.ज.प्रा. की भूमिका

नौवहन और नौचालन के उद्देश्य से अन्तर्देशीय जलमार्गों के विनियमन और विकास के लिए, देखें भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण अधिनियम, 1985, भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (भा0 अ0 ज0 प्रा0) का गठन 27 अक्तूबर, 1986 को हुआ था। भा0 अ0 ज0 प्रा0 मुख्य रूप से राश्ट्रीय जलमार्गों के विकास, अनुरक्षण और विनियमन के लिए उत्तरदायी है। यह अ0 ज0 प0 से संबंधित सभी मामलों पर पोत परिवहन मंत्रालय को परामर्श भी देता है।

भा.अ.ज.प्रा. अधिनियम, 1985 की धारा 14 के तहत भा.अ.ज.प्रा. ऐसे जलमार्गों के विकास और विनियमन के लिए अधिदिष्ट है जो राष्ट्रीय जलमार्ग के रूप में घोषित है। निम्नलिखित जलमार्गों को अब तक राष्ट्रीय जलमार्ग (रा.ज.) घोषित किया गया है :–

(i) रा.ज.–1–उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखण्ड और पश्चिम बंगाल राज्यों में गंगा–भागीरथी–हुगली नदी प्रणाली (हल्दिया से इलाहाबाद तक–1620 कि0 मी0) 1986 में घोषित।
(ii) रा.ज.–2–असम राज्य में ब्रह्मपुत्र नदी (धुब्री से सदिया तक – 891 कि0 मी0) 1988 में घोषित।
(iii) रा.ज.–3–केरल राज्य में उद्योगमण्डल और चम्पाकारा कैनाल सहित पश्चिम तट कैनाल(कोट्टापुरम से कोल्लम तक) (205 कि0 मी0) 1993 में घोषित।

(iv) रा.ज.–4–आंध्रप्रदेश, तमिल नाडु और संघशासित प्रदेश पुडुचेरी राज्यों में गोदावरी और कृष्णा नदियों सहित काकीनाडा सेपुडुचेरी कैनाल तक (1078 कि0 मी0) 2008 में घोषित।

(v) रा.ज.–5–पश्चिम बंगाल और उड़िसा राज्यों में ब्राह्मणी नदी और महानदी डेल्टा सहित पूर्व तट कैनाल (588 कि0 मी0) 2008 में घोषित।

असम राज्य में बराक नदी के लखीपुर–भंगा खण्ड (121 कि0 मी0) की घोषणा रा.ज.–6 के रूप में केन्द्र सरकार के विचाराधीन है। इसके अलावा, भा.अ.ज.प्रा. सुन्दरवन जलमार्ग के भारतीय भाग का विकास और अनुरक्षण व्यापार और पारगमन हेतु भारत–बांग्लादेश प्रोटोकॉल के अधीन कर रहा है, जिसके तहत एक देश का अन्तर्देशीय जलयान दूसरे देश के विनिर्दिष्ट मार्गों होकर चल सकता है।

रा.ज.–1, 2 और 3 को पूरी तरह कार्यकारी बनाने के लिए भा.अ.ज.प्रा. विभिन्न परियोजनाओं का कार्यान्वयन निम्नलिखित अवसंरचना मुहैया करके कर रहा है –

(क) लक्षित गहराई और चौड़ाई के साथ फेयरवे
(ख) रेल / सड़क से सम्पर्क के साथ स्थायी और फ्लोटिंग टर्मिनल
(ग) दिवस और रात्रि नौचालन की सुविधाएं तथा
(घ) चैनल विकास कार्यों के लिए ड्रेजर / जलयान

3. राष्ट्रीय जलमार्गों का विकास

नौवहन और नौचालन के लिए किसी जलमार्ग को व्यवहार्य बनाने हेतु तीन आधारभूत अवसंरचनात्मक आवश्यकताएं होती हैं। ये हैं –(प) निश्चित आकार के अन्तर्देशीय जलयानों के प्रचालन हेतु पर्याप्त गहराई और चौड़ाई के साथ नौचालन चैनल, (पप) दिवस और रात्रि नौचालन के लिए नौचालन संबंधी सहायताएं और (पपप) सड़क /रेल सम्बद्धता के साथ माल / यात्री को चढ़ाने और उतारने सहित जलयानों की बर्थिंग मुहैया करने के लिए टर्मिनलें।

राष्ट्रीय जलमार्ग सं0–1 और 2 विशिष्ट रूप से जलोढ़ नदियां हैं जिनमें मानसून और गैर मानसून महीनों के बीच गुम्फन, टेढ़े–मेढ़े चलने और पानी के स्तर में काफी उतार–चढ़ाव के गुण देखे जाते हैं। इन नदियों में कम पानी वाले मौसम में अनेक उथले क्षेत्र (शोल) बन जाते हैं जिनके कारण खासकर ऊपर वाले स्थानों में 2 मीटर की न्यूनतम उपलब्ध गहराई (एलएडी) का अनुरक्षण करना काफी कठिन हो जाता है। इन नदियों सेउथले क्षेत्रों को हटाने के लिए हरेक मानसून के बाद ड्रेजिंग और बंडालिंग जैसे अनुरक्षण सम्बंधी कार्य नौचालन सम्बंधी चैनल मुहैया करने के लिए किए जाते हैं ताकि निर्विघ्न नौचालन किया जा सके। दूसरी तरफ रा.ज.–3 ज्वारीय नदियों और कैनालों से बना है जिसके पानी के स्तर में समरूप ज्वारीय परिवर्तन होता है।

इसलिए, एक बार भारी निकर्षण करके अपेक्षित गहराई मुहैया कर देने पर इसे आवश्यकतानुसार मामूली अनुरक्षण निकर्षण द्वारा कई वर्षों तक अनुरक्षित किया जा सकता है। रा.ज.–4 और 5 नहर और नदी दोनों खण्डों से बना है। जहां कैनाल वाले भागों के लिए काफी निकर्षण और रा.ज.–4 में आवश्यक गहराई बनाए रखने के लिए लॉक की मदद से विनियमन करने की भी आवश्यकता होती है, वहीं गोदावरी और कृष्णा नदियों में वार्षिक निकर्षण करना आवश्यक होता है। इसी तरह रा.ज.–5 के नदी वाले खण्डों के निचले भागों में वार्षिक रूप से निकर्षण कराने की आवश्यकता होती है, जबकि नौचालन हेतु आवश्यक गहराई बनाए रखने के लिए ब्राह्मणी नदी के ऊपरी खण्डों में नौचालन संबंधी लॉक सहित 5 बैरेजों के उपयोग से पानी का भंडारण करना प्रस्तावित है।

4. राष्ट्रीय जलमार्ग – 1(रा.ज.–1)

रा.ज.–1 पर फेयरवे, टर्मिनल और नौचालन संबंधी सहायताओं के विकास और अनुरक्षण के लिए वर्ष 2013–14 के दौरान कराए गए महत्वपूर्ण कार्य संक्षेप में निम्न हैं :–

4.1 फेयरवे विकास :–

जलयानों के सुगम और सुरक्षित प्रचालन हेतु राष्ट्रीय जलमार्गों में लक्षित गहराई और चौड़ाई के साथ एक नौचालन संबंधी चैनल का अनुरक्षण किया जाता है। रा.ज.–1 के त्रिवेणी–चुनार खण्ड (1226 कि.मी.) में बंडालिंग और ड्रेजिंग इत्यादि जैसे नदी संरक्षण कार्यों द्वारा यह प्राप्त कर लिया गया। हल्दिया और त्रिवेणी के बीच का खण्ड (196 कि.मी.) ज्वारीय है, जिसमें 3 मीटर से अधिक न्यूनतम उपलब्ध गहराई प्राकृतिक रूप से बनी रहती है। इसलिए भा.अ.ज.प्रा. इस खण्ड में फेयरवे विकास संबंधी कोई कार्य नहीं करता है।

वित्तीय वर्ष 2013–14 के दौरान फेयरवे के अनुरक्षण हेतु त्रिवेणी–राजमहल खण्ड (399 कि.मी.) में 3900 मीटर बंडालिंग और राजमहल–चुनार खण्ड (827 कि.मी.) में 14,500 मीटर बंडालिंग किए गए।

इसके अतिरिक्त, त्रिवेणी–राजमहल खण्ड में 2.60 लाख घन मीटर और राजमहल–चुनार खण्ड में 9.40 लाख घन मीटर ड्रेजिंग भा.अ.ज.प्रा. के स्वामित्व वाले एक एम्फिबियन ड्रेजर (एडी फल्गु) और एक हाइड्रोलिक सर्फेस ड्रेजर (एचएसडी सोन) सहित श्वेता, तापी, शिप्रा, जलांगी, महानंदा, अलकनंदा, यमुना और आईडी–आईवी नामक आठ कटर सक्शन ड्रेजरों को लगाकर कराए गए।

राष्ट्रीय जलमार्ग–1 पर कराए गए निकर्षण का चित्र

इन कार्यों के कारण वर्ष 2013–14 के दौरान रा.ज.–1 के विभिन्न खण्डों में न्यूनतम उपलब्ध गहराई (एलएडी) का अनुरक्षण निम्न प्रकार है :–

(क)	हल्दिया–फरक्काखण्ड (560 कि0 मी0)	–	2.8 मी0 से 3.0 मी0
(ख)	फरक्का–बाढ़ खण्ड (400 कि0 मी0)	–	2.1 मी0 से 2.5 मी0
(ग)	बाढ़–गाजीपुर खण्ड (290 कि0 मी0)	–	1.6 मी0 से 2.0 मी0
(घ)	गाजीपुर–चुनार / इलाहाबाद (370' कि0 मी0)	–	1.2 मी0 से 2.0 मी0

*चुनार–इलाहाबाद खण्ड (198 कि. मी.) में किसी प्रकार का नदी संरक्षण संबंधी कार्य नहीं किया गया।

मेसर्स जिंदल आईटीएफ लि0 द्वारा राष्ट्रीय जलमार्ग–1 पर हल्दिया / सैंडहेड्स से फरक्का तक 3 एमएमटीपीए आयातित कोयले की ढुलाई करने के लिए बनाई गई परियोजना के तहत 2000 टी क्षमता वाले 20 बार्जों से ढुलाई नवंबर, 2013 से प्रारंभ हो गई और पहली बार 2 लाख टन (लगभग) कोयला इस परियोजना के तहत मार्च, 2014 तक एनटीपीसी फरक्का पहुंचा।

वर्ष 2013–14 के दौरान रा.ज.–1 पर मेसर्स टाटा केमिकल्स और मेसर्स इफको द्वारा क्रमशः हल्दिया से फतुहा (पटना) तक और फतुहा (पटना) से कोलकाता तक उर्वरक की ढुलाई जांच के तौर पर की गई।

राष्ट्रीय जलमार्ग–1 पर टाटा केमिकल्स फर्टिलाइजर कीढुलाई

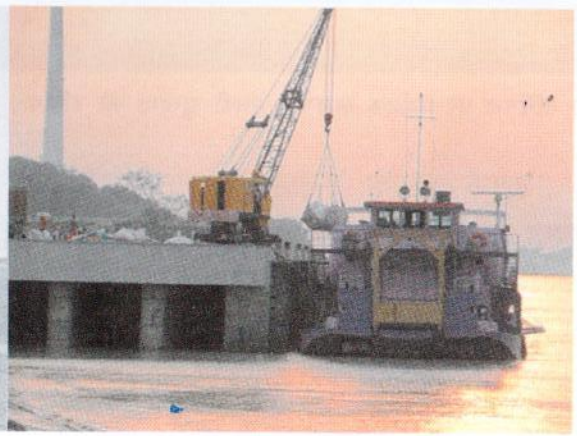

राष्ट्रीय जलमार्ग–1 के जीआर जेट्टी पर इफको उर्वरक उतरते हुए

इसके अलावा राष्ट्रीय जलमार्ग–1 पर वृहत आकार के कार्गो की ढुलाई कई बार की गई। अक्तूबर, 2013 के दौरान एनटीपीसी (343 एमटी) और जेपी ग्रुप्स (601 एमटी) के ओडीसी माल की ढुलाई मेसर्स ईस्टर्न नेविगेशन प्रा. लि. द्वारा इलाहाबाद तक हुई।

राष्ट्रीय जलमार्ग–1 गंगा पर ओडीसी ढुलाई

आगे, मेसर्स हेरिटेज रिवर क्रूज प्रा. लि. का आरवी बंगाल गंगा नामक अन्तर्देशीय पर्यटक जलयान और मेसर्स असम बंगाल नेविगेशन कं. प्रा. लि. का एबीएन सुखपा ने राष्ट्रीय जलमार्ग–1 पर वर्ष 2013–14 के दौरान कोलकाता–सिमरिया–कोलकाता और कोलकाता–पटना–कोलकाता के बीच सफलतापूर्वक यात्रा संपन्न किए।

पटना टर्मिनल पर पर्यटक जलयान एमवी सुखपा की बर्थिंग

रा.ज.–1 गंगा पर पर्यटक आरवी बंगाल का चित्र

इसके अलावा, इलाहाबाद–गाजीपुर खण्ड में 3.0 मीटर एलएडी मुहैया करने के लिए तकनीकी सम्भाव्यता अध्ययन मेसर्स डीएचआई (इंडिया) वाटर एण्ड इन्वायरमेंट प्रा. लि. द्वारा पूरा किया गया और इससे आगे का विस्तार गाजीपुर से बक्सर तक करने के लिए प्रक्रिया चल रही है। इस अध्ययन से भा.अ.ज.प्रा. ने विश्व बैंक से करीब 700 मिलियन यूएस डॉलर (करीब 4200 करोड़ रुपए) की सहायता प्राप्त करने के लिए एक परियोजना पोत परिवहन मंत्रालय और आर्थिक–कार्य विभाग को पेश की गई है। इस दिशा में कई कदम उठाए गए।

इससे देश के इस सर्वाधिक महत्वपूर्ण जलमार्ग पर अ0 ज0 प0 के पुनर्जीवित होने के लिए दूसरी परियोजना का विकास हो सकता है।

4.2 टर्मिनलें–

पटना (बिहार) में निम्न तल और उच्च तल जेट्टियों का प्रचालन क्रमशः 2008 और 2012 से हो रहा है। ये जेट्टी कार्गो के यांत्रिक हैंडलिंग करने में सक्षम है।

आगे, जीआर जेट्टी, कोलकाता में स्थायी टर्मिनल का निर्माण कार्य पूरा हो गया है जो नवंबर, 2013 से प्रचालन में है। माननीय पोत परिवहन मंत्री ने इस परियोजना का उद्घाटन औपचारिक रूप से कोलकाता में दिनांक 25.11.2013 को किया था।

इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय जलमार्ग–1 पर फरक्का और पाकुड़ में स्थायी जेट्टियां पहले से ही विद्यमान हैं जिनका उपयोग ट्रांसपोर्टर द्वारा किया जा रहा है।

इसके अतिरिक्त, हल्दिया और इलाहाबाद के बीच 20 फ्लोटिंग टर्मिनल भी विद्यमान हैं, जिनका अनुरक्षण किया जा रहा है। ये हैं –

(क) पश्चिम बंगाल में हल्दिया–1 और 2, बीआईएसएन (कोलकाता), बोटेनिकल गार्डेन (कोलकाता), शांतिपुर, स्वरूपगंज, कटवा, हजारद्वारी, डी/एस फरक्का और यू/एस फरक्का,

(ख) बिहार/झारखण्ड में राजमहल, साहिबगंज, बटेश्वरस्थान, भागलपुर, मुंगेर, सिमरिया और बक्सर,

(ग) उत्तरप्रदेश में गाजीपुर, वाराणसी और इलाहाबाद

इन टर्मिनलों का उपयोग लॉजिस्टिक सहायता और जलयान पर मालों को चढ़ाने/उतारने की सुविधा उपयोगकर्ताओं को देने के लिए किया जा रहा है।

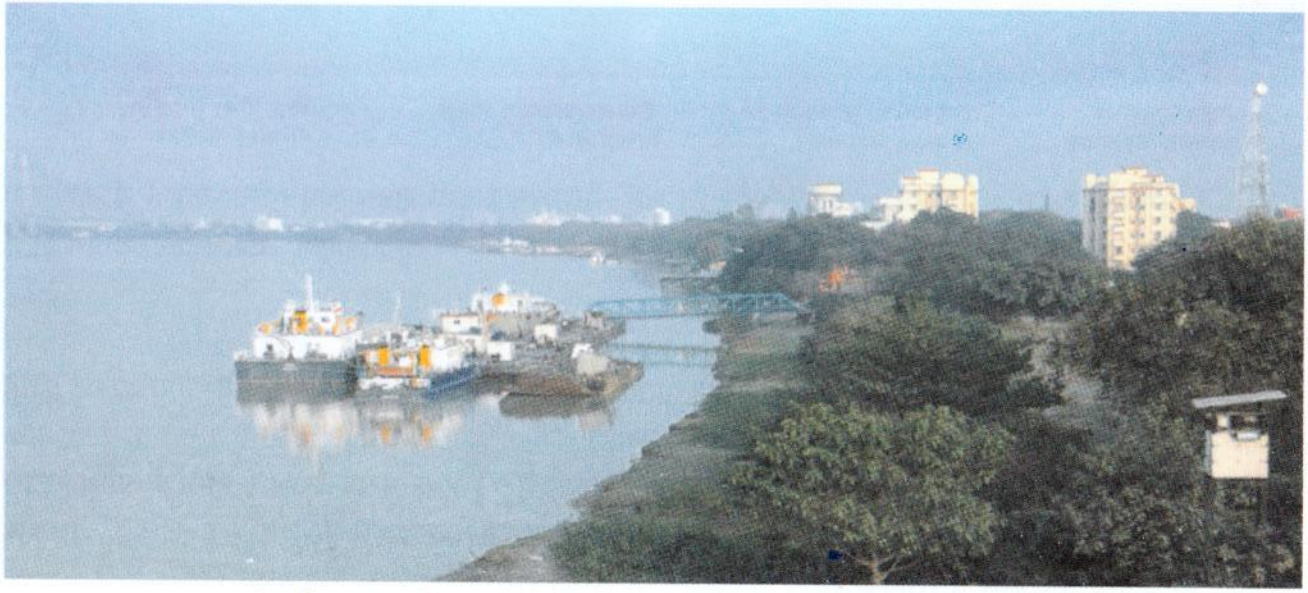

बीआईएसएन, कोलकाता फ्लोटिंग टर्मिनल पर विभिन्न जलयानों की बर्थिंग

इन फ्लोटिंग टर्मिनलों को ट्रांसपोर्टरों / शिपर की मांग पर एक स्थान से दूसरे स्थान पर शिफ्ट किया जा सकता है।

4.3 नौचालन संबंधी सहायताएं–

त्रिवेणी और इलाहाबाद के बीच वर्ष भर दिवस नौचालन हेतु चैनल चिन्ह लगाए और अनुरक्षित किए गए। इसके अतिरिक्त, त्रिवेणी और बलिया / वाराणसी के बीच (944 / 1187 कि.मी.) प्रकाशमान देशी नौका / बांस के उपकरण, एम.एस. पोल और बीकन टावर की मदद से रात्रि नौचालन सुविधाएं भी मुहैया और अनुरक्षित की जाती हैं। कम पानी के मौसम के दौरान पाक्षिक रूप से और बाढ़ के समय में मासिक आधार पर तलस्पर्शी सर्वेक्षण करवा कर नदी संबंधी सूचनाएं नियमित रूप से प्रकाशित की जाती हैं। इसके अलावा उपयोगकर्ताओं को आवश्यकतानुसार पायलटेज की सुविधा भी दी जाती है।

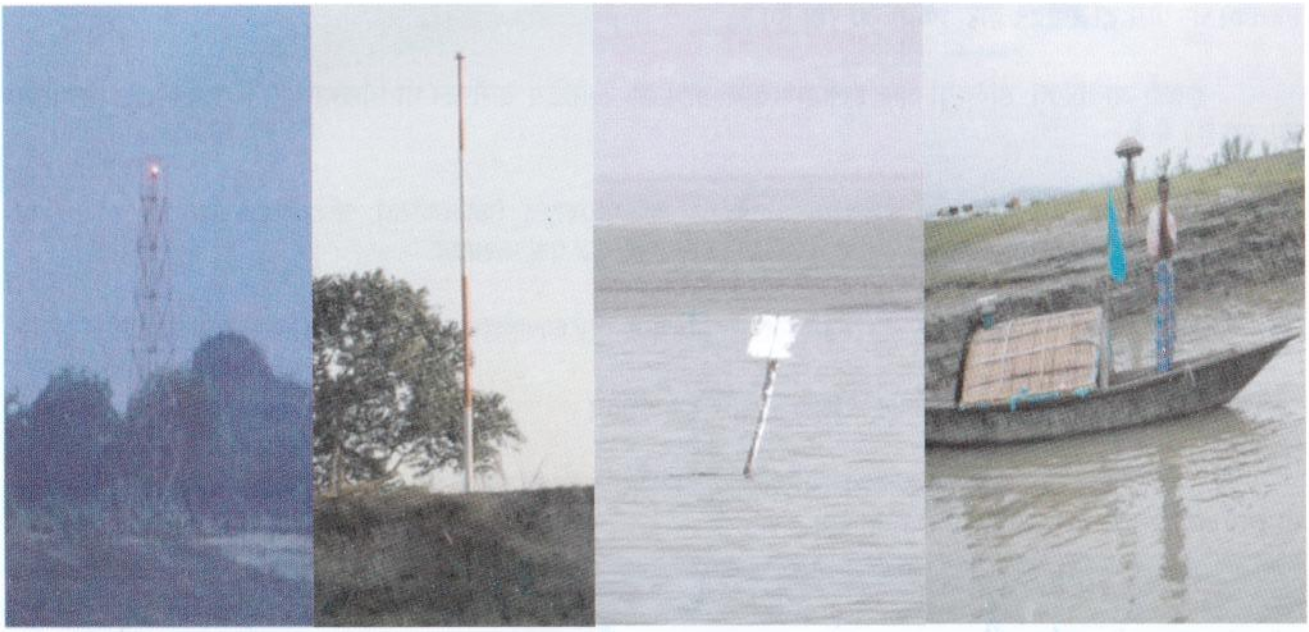

बीकन टावर पर नौचालन सहायताएं | एमएसपोल पर प्रकाशमान नौचालन सहायता | नौचालन सहायता दिवस आरएच मार्क | देशी नौका पर प्रकाशमान नौचालन सहायता

जलमार्ग पर इन सुविधाओं को देकर और 24 घंटे नौचालन संबंधी सहायताएं मुहैया करके डीजीपीएस स्टेशन भागलपुर, पटना और स्वरूपगंज में चालू किए गए हैं। वाराणसी में डीजीपीएस स्टेशन का स्थापन शीघ्र होने वाला है।

राष्ट्रीय जलमार्ग–1 (जिस पर मेसर्स जिंदल आईटीएफ लि0 के कोयला बार्ज की नियमित ढुलाई होती है) के हल्दिया–फरक्का खण्ड में विश्व स्तरीय नदी सूचना प्रणाली (आरआईएस) मुहैया करने के लिए एक महत्वपूर्ण परियोजना का कार्यान्वयन प्रक्रियाधीन है। इस प्रणाली में सात मुख्य स्टेशन होने के साथ–साथ जलयान को तट तक पहुंचाने की सुविधा, जलयान से जलयान और जलयान से तट तक संचार व्यवस्था, आंकड़ा का स्थानांतरण और वास्तविक समय के आधार पर चैनल सूचना संबंधी सुविधाएं होंगी।

5. राष्ट्रीय जलमार्ग–2

सदिया से धुब्री के निकट बांग्लादेश बॉर्डर तक ब्रह्मपुत्र नदी–रा.ज.–2 (891 कि.मी.), उत्तर–पूर्व क्षेत्र (एनईआर) में सर्वाधिक महत्वपूर्ण अन्तर्देशीय जलमार्ग है। इस ताकतवर नदी में अनेक नदियां मिलकर इसे मछली के हड्डी की संरचना दी है। फीडर मार्ग के रूप में विकसित होने की संभावना रखने वाले उत्तर–पूर्व क्षेत्र में ब्रह्मपुत्र और बराक नदी के करीब 1687 कि.मी. खण्ड को अभिज्ञात किया गया है। रा.ज.–2 भारत–बांग्लादेश प्रोटोकॉल मार्ग (1700 कि.मी.) के माध्यम से उत्तर–पूर्व क्षेत्र में वैकल्पिक सम्बद्धता मुहैया करता है। भा.अ.ज.प्रा. के चार्टर के अनुसार रा.ज.–2 पर फेयरवे, टर्मिनल और नौचालन संबंधी सहायताओं का विकास और अनुरक्षण वर्ष के दौरान किया गया था, जिसका विवरण संक्षेप में नीचे है :–

5.1 फेयरवे विकास

पांडु–धुब्री खण्ड में वर्ष भर 2.5 मीटर न्यूनतम उपलब्ध गहराई (एलएडी) के साथ 45 मीटर की न्यूनतम चौड़ाई का नाव्य फेयरवे अनुरक्षित किया गया।

क्र.सं.	खण्ड	अनुरक्षित एलएडी	अवधि (वि.व. 2013–14)
1.	पांडु–नीमाति	2.5 मीटर	लगभग 260 दिनों और
		2.2 मीटर	शेष अवधि के लिए (105 दिन)
2.	नीमाति–डिब्रूगढ़	2.0 मीटर	300 दिनों के लिए और
		1.3 मीटर से 1.8 मीटर तक परिवर्तनीय	शेष अवधि के लिए
3.	डिब्रूगढ़–सदिया (ओरियमघाट)	1.5 मीटर	245 दिनों के लिए और
		1.0 मीटर से 1.4 मीटर तक परिवर्तनीय	शेष अवधि के लिए

इस न्यूनतम उपलब्ध गहराई को अनुरक्षित करने के लिए 36 स्थानों पर 18,600 मीटर बंडल खड़े और अनुरक्षित किए गए। इसके अतिरिक्त, सीएसडी तिजु, सीएसडी मंडोवी और सीएसडी ब्राह्मणी नामक तीन सीएसडी का उपयोग करके बीस स्थानों पर 2.5 लाख घन मी. निकर्षण कार्य किया गया। सीएसडी ब्राह्मणी को नवंबर, 2013 के दौरान चालू किया गया था। फेयरवे में गहराई बढ़ाने के लिए ड्रेजिंग संबंधी कार्य हेतु एचएसडी धनश्री और एचएसडी जिआ भोराली नामक दो एचएसडी भी तैनात किए गए थे।

5.2 टर्मिनलें

पांडु में चरणबद्ध ढंग से टर्मिनल के विकास के लिए एक मास्टर प्लान तैयार किया गया था। पांडु में वर्ष 2009 से एक निम्न तल जेट्टी पहले से ही प्रचालन में है। वर्ष भर टर्मिनल को चालू रखने के लिए 43.85 करोड़ रुपए की लागत पर एक उच्च तल जेट्टी का निर्माण भी किया गया है। जेट्टी के निर्माण के दौरान उठाए गए अनेक जटिल तकनीकी मामलों के निवारण के पश्चात इसे मार्च, 2014 में चालू किया गया था।

यांत्रिक हैंडलिंग उपकरणयुक्त पांडु पत्तन पर आरसीसी निम्न तल जेट्टी

पांडु पत्तन से कामख्या रेलवे स्टेशन (गुवाहाटी) को जोड़ने वाली बड़ी लाईन के रेलवे साइडिंग का निर्माण 12.97 करोड़ रुपए की लागत पर एन.एफ. रेलवे के माध्यम से किया गया है। जांच के तौर पर इंजन को चलाने का काम पूरा हो गया है। एन.एफ. रेलवे द्वारा गजट अधिसूचना प्रकाशित किया गया है और बीजी साइडिंग प्रचालन के लिए तैयार है।

पांडु टर्मिनल पर अन्य विकासात्मक कार्य भी सीपीडब्ल्यूडी के माध्यम से कार्यान्वित की गई। इनमें 4.64 करोड़ रुपए की कुल लागत पर तट रक्षण, आंतरिक सड़क प्रणाली के निर्माण/मरम्मत, ड्रेनेज कार्य, हार्ड स्टैंड इत्यादि शामिल हैं। पांडु में भा.अ.ज.प्रा. के क्षेत्रीय कार्यालय, गुवाहाटी के कार्यालय सह नदी सूचना प्रणाली भवन का निर्माण कार्य भी 4.61 करोड़ रुपए की लागत पर लगभग पूरे होने वाले हैं। कार्यालय के जुलाई, 2014 में नए भवन में स्थानांतरित होने की संभावना है। भारी यातायात की आवाजाही हेतु 12.32 करोड़ रुपए की लागत पर एन.एच.–31 को जोड़ने वाली, पांडु टर्मिनल होकर एन.एफ. रेलवे भूमि पर एक वैकल्पिक मार्ग के निर्माण के प्रस्ताव को मार्च, 2012 के दौरान मंजूर किया गया था और काम असम पीडब्ल्यूडी (एन.एच. खण्ड) को दिया गया था। हालांकि, कार्य शुरू नहीं किया जा सका, क्योकि भूमि पर किये गए अनधिकृत अतिकमण को भा.आ.ज.प्रा. द्वारा उच्च स्तर पर उठाने के बावजूद एनएफ रेलवे और राज्य सरकार द्वारा हटाया नहीं गया। इसे ध्यान में रखते हुए 22.10.2013 कोआयोजित भा.अ.ज.प्रा. बोर्ड की 148वीं बैठक में इस परियोजना को बंद करने का निर्णय लिया गया। भा.अ.ज.प्रा. द्वारा एन.एफ. रेलवे और असम सरकार के पास जमा किए गए क्रमशः 3.45 करोंड़ रुपए और 6.11 करोड़ रुपए की रकम को वापस करने का अनुरोध किया गया है।

दो आरओ–आरओ टर्मिनलों की स्थापना एक धुब्री में और दूसरा हथसिंगीमारी (धुब्री में ब्रह्मपुत्र नदी के दूसरे तट पर) में क्रमशः 28.98 करोड़ रुपए और 33.31 करोड़ रुपए की लागत पर करने सम्बंधी परियोजनाओं को अगस्त, 2012 और नवंबर, 2012 के दौरान संस्वीकृति दी गई थी। धुब्री में टर्मिनल के निर्माण के लिए कार्य जनवरी, 2013 के दौरान सीपीडब्ल्यूडी को दिया गया है। यह जोगीघोपा होकर परिपथ मार्ग (220 कि.मी.) से हटकर धुब्री से मेघालय तक (29 कि.मी.) अ.ज.प. को सीधा सम्पर्क मुहैया करता है।

एल–1 बीडर द्वारा दी गई लागत के आधार पर सीपीडब्ल्यूडी ने धुब्री टर्मिनल के अनुमानित लागत को संशोधित करके 46.69 करोड़ रुपए कर दिया है। संशोधित लागत को संस्वीकृति भा.अ.ज.प्रा. द्वारा 12.03. 2014 को दी गई थी। सीपीडब्ल्यूडी ने काम एल–1 बीडर (मेसर्स त्रिवेणी कंस्ट्रक्शन) को दिया है और फर्म ने काम चालू करने के लिए लोगों को निर्माण सामग्री के साथ लगा दिया है। यह परियोजना अप्रैल, 2016 तक पूरी होगी। हालांकि, हथसिंगीमारी में टर्मिनल के निर्माण के लिए विनिर्दिष्ट लगभग संपूर्ण भूमि ब्रह्मपुत्र नदी में बह गई है और वर्तमान परिस्थिति में स्थायी संरचना का निर्माण करना संभव नहीं है। उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए भा.अ.ज.प्रा. ने नदी तट के स्थिर होने तक हथसिंगीमारी में अस्थायी आरओ–आरओ सुविधाएं विकसित करने का निर्णय लिया है। साथ–ही–साथ अ.ज.प. निदेशालय, असम सरकार से भी अपने जलयानों को आरओ–आरओ प्रचालन के अनुकूल बनाकर आरओ–आरओ सेवा प्रारंभ करने के लिए सम्पर्क किया जाएगा। इस संबंध में कार्रवाई की गई है।

धुब्री, जोगीघोपा, तेजपुर, सिलघाट, विश्वनाथघाट, नीमाति, बोगीबील, डिब्रूगढ़, सेंगाजन/पनबाड़ी और ओरियमघाट में कार्गो की ढुलाई की सुविधा देने के लिए फ्लोटिंग टर्मिनलें मुहैया और अनुरक्षित किए गए हैं। हथसिंगीमारी, धुब्री, सिलघाट, विश्वनाथघाट, नीमाति, डिब्रूगढ़ और ओरियमघाट में टर्मिनलों के निर्माण हेतु भूमि का अधिग्रहण किया गया है।

5.3 नौचालन संबंधी सहायताएं

संपूर्ण जलमार्ग में दिवस नौचालन हेतु चैनल चिन्ह लगाए और अनुरक्षित किए गए। धुब्री और सिलघाट के बीच रात्रि नौचालन सुविधाएं भी मुहैया करके अनुरक्षित की जा रही है। संपूर्ण जलमार्ग में पाक्षिक/मासिक तलस्पर्शी सर्वेक्षण करवाकर अ.ज.प. प्रचालकों को फेयरवे संबंधी सूचना देने के लिए नदी संबंधी सूचनाएं दी गई हैं। इसके अलावा संपूर्ण रा.ज.–2 में डीजीपीएस सम्बद्धता की सुविधा देने के लिए धुब्री, जोगीघोपा, सिलघाट और डिब्रूगढ़ में अत्याधुनिक डीजीपीएस स्टेशन चालू किए गए हैं।

5.4 नदी पर्यटन

काजीरंगा और ओरंग में वन्य जीव अभ्यारण्य की उपस्थिति और अन्य पर्यटन स्थानों जैसे–सुआलकुची, शिवसागर और ब्रह्मपुत्र नदी के तट पर कमालबाड़ी से रा.ज.–2 पर नदी पर्यटन हेतु काफी संख्या में लोग आकर्षित हुए हैं। रा.ज.–2 के पांडु–नीमाति खण्ड में 2.5 मीटर न्यूनतम उपलब्ध गहराई के प्रावधान से इस शक्तिशाली नदी पर नदी पर्यटन को अंतर्राष्ट्रीय ख्याति मिली है। प्रत्येक वर्ष पांडु और नीमाति के बीच विदेशी पर्यटकों को 3 पर्यटक जलयानों द्वारा लगातार यात्रा कराई जा रही है।

6. राष्ट्रीय जलमार्ग सं0– 3

कोट्टापुरम–कोल्लम (168 कि.मी.), कोची–एलूर के बीच उद्योगमंडल कैनाल (23 कि.मी.) और कोची–अंबलमुगल के बीच चंपाकारा कैनाल (14 कि.मी.) से बने पश्चिम तट कैनाल प्रणाली (205 कि.मी.) की घोषणा राष्ट्रीय जलमार्ग–3 के रूप में फरवरी, 1993 के दौरान की गई थी। रा.ज.–3 पर फेयरवे, टर्मिनल और नौचालन सम्बंधी सहायता के विकास और अनुरक्षण हेतु वर्ष 2013–14 के दौरान किए गए महत्वपूर्ण कार्य के विवरण नीचे हैं :–

6.1 फेयरवे विकास

रा.ज.–3 एक ज्वारीय जलमार्ग है, जिसके समुद्र पर चार मुहाने मुनम्बम, कोची, कायमकुलम और नीलदाकारा में हैं। रा.ज.–3 में नौचालन हेतु चौड़े खण्डों में 38 मीटर चौड़ाई के और संकीर्ण खण्डों में 32 मीटर चौड़ाई के नौचालन चैनल विकसित करने के बारे में विचार किया गया है।

चैनल को चौड़ा करने के लिए अलापुझा–कायमकुलम खण्ड में भारी निकर्षण संबंधी कार्य ठेके पर ड्रेजिंग कराकर किए जा रहे हैं। कायमकुलम–इडापल्लीकोट्टा खण्ड में 1.75 कि.मी. क्षेत्र को चौड़ा करने के लिए, जहां मत्स्य जाल की उपस्थिति के कारण एकल लेन चैनल उपलब्ध है, भा.अ.ज.प्रा. ने 32 मीटर की चौड़ाई करने के लिए चैनल में कटर सक्शन ड्रेजर लगा दिया है।

इडापल्लीकोट्टा–कोल्लम खण्ड (चावड़ा से कोल्लम तक) में निकर्षण सम्बंधी कार्य चार विभागीय ड्रेजरों (दो कटर सक्शन ड्रेजर और दो एम्फिबियन ड्रेजर) द्वारा किए जा रहे हैं। इडापल्लीकोट्टा–कोल्लम खण्ड में हार्ड स्ट्रैटा (लगभग मात्रा 18000 घन मीटर) है। हार्ड स्ट्रैटा को विशेष रूप से अधिप्राप्त किए गए दो एम्फिबियन ड्रेजरों, जिसमें हाइड्रोलिक हैमर पानी के भीतर हार्ड स्ट्रैटा को तोड़ने के लिए लगे हुए हैं, से हटाया जा रहा है। इस खण्ड में फरवरी, 2012 से काम प्रगति पर है। अलापुझा–कोल्लम खण्ड में कैनालों को चौड़ा और निकर्षण संबंधी कार्य के दिसंबर, 2014 तक पूरा होने की संभावना है, बशर्ते निकर्षण कार्य के निर्विघ्न कार्यान्वयन हेतु स्थानीय लोगों का भी लगातार सहयोग मिलता रहे।

अपरदन के विरूद्ध कैनाल के तटों की सुरक्षा सुरक्षित नौचालन की अन्य महत्वपूर्ण गतिविधि है। मार्च, 2014 तक चम्पाकरा–उद्योगमंडल कैनालों में 14.67 कि.मी. तट रक्षण किया गया है।

अलापूझा ओर कोल्हम के बीच के कैनाल खण्ड में भी, जहां विद्यमान चैनल को चौड़ा करने की आवश्यकता है, इसी तरह भारी निकर्षण द्वारा तट रक्षण मुहैया किया जाता है। मार्च, 2014 तक 4.58 कि.मी. लम्बा तट रक्षण का कार्य पूरा हो गया है।

रा.ज.–3 पर भारी निकर्षण और संकरे कैनालों को चौड़ा करने के कार्यकी प्रगति मेंअवरोध विभिन्न स्थानीय कारणों जैसे–निकर्षित सामग्री के निस्तारण, अतिरिक्त तट रक्षण की मांग, कार्यों में बारंबार रूकावट और स्थानीय लोगों द्वारा मुकदमेबाजी करने और मछुआरों के विरोध से हुए। इन मामलों के निबटान हेतु उच्च स्तर पर राज्य सरकार से लगातार विचार–विमर्श किया जा रहा है।

6.2 टर्मिनलें

टर्मिनलों की स्थापना के लिए विचार किए गए कुल 11 स्थानों में से 8 स्थानों यथा–कोट्टापुरम, अलुवा, मरदु (कोची), वैकुम, चरतला (तनेरमुखम), त्रिकुणापुझा, कायमकुलम (अरियमथेंगु) और कोल्लम पर टर्मिनलें मपहले ही निर्मित हो गए हैं। अलापुझा में 9.04 करोड़ रुपए की लागत पर एक टर्मिनल का निर्माण कार्य प्रगति पर है, जिसका 80 प्रतिशत कार्य पूरा हो गया है।

शेष बचे दो स्थानों जैसे काकानाडु और चावड़ा में टर्मिनलों का निर्माण कार्गो उपलब्ध होने के उपरांत अगले चरण में प्रस्तावित है। प्रभावी उपयोग करने के लिए और निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए अलुवा और वैकोम में अ.ज.प. टर्मिनलों के प्रचालन और अनुरक्षण सम्बंधी कार्य केएसआईएनसी (केरल सरकार का एक उपक्रम) को दिया गया है।

आई.सी.टी.टी. वल्लारपदम से सम्बद्धता मुहैया करने के लिए दो अ.ज.प. कंटेनर टर्मिनलों में से एक का निर्माण वोलगट्टी में और आरओ–आरओ सुविधायुक्त दूसरे का निर्माण विलिंगडन आईलैण्ड में कराने के लिए कार्य भा.अ.ज.प्रा. ने कोचीन पत्तन न्यास को दिया है। इसके कारण वल्लारपदम के लिए जाने वाले ट्रक/ट्रेलर को कोची शहर के भीड़भाड़ वाले सड़कों होकर जाने की जरूरत नहीं होती है। ये टर्मिनल 23.02.2011 से प्रचालन में हैं। मार्च, 2014 में आरओ–आरओ सुविधा का उपयोग करते हुए इन टर्मिनलों के बीच 20 फीट के 64,173 और 40 फीट के 33,615 कंटेनरों से ढुलाई की गई।

7. राष्ट्रीय जलमार्ग सं0–4 और 5

नवंबर, 2008 में घोषित दो नए राष्ट्रीय जलमार्गों (रा.ज.–4 और 5) के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार हो गई है। हालांकि, उसके विकास के लिए कोई निधि आवंटित नहीं हुई है। योजना आयोग ने वायविलिटी गैप फण्डिंग के साथ पीपीपी माध्यम से जलमार्ग के वाणिज्यिक रूप से ज्यादा व्यवहार्य खण्डों को विकसित करने की संभावना की तलाश करने का सुझाव दिया है। तद्नुसार इन दोनों जलमार्गों के शेयरधारकों से विचार–विमर्श किया गया और ज्यादा वाणिज्यिक रूप से व्यवहार्य खण्डों को अभिज्ञात किया गया। आर्थिक कार्य विभाग और एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने भारत अवसंरचना विकास निधि (आई.आई.डी.एफ.) और पीपीपी पायलट प्रोजेक्ट के तहत इन परियोजनाओं के विकास के लिए एक ट्रांजेक्शन सलाहकार नियुक्त करने पर सहमत हो गया है और तद्नुसार मार्च, 2012 में मेसर्स ग्रांड थार्टन नियुक्त किए गए। हालांकि, इस अध्ययन का परिणाम उत्साहवर्द्धक नहीं रहा। अतः भा.अ.ज.प्रा./पोत परिवहन मंत्रालय द्वारा बजटीय सहायता/बाह्य स्रोतों से विकास करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

प्राथमिकता वाले खण्डों के नवीनतम् हाइड्रो–मोरफोलॉजिकल स्थिति का मूल्यांकन करने के लिए भा.अ.ज.प्रा. ने रा.ज.–4 में गोदावरी नदी, काकीनाडा कैनाल, गोदावरी एलुरू कैनाल, नार्थ बर्किंघम कैनाल और साउथ बर्किंघम कैनाल और रा.ज.–5 के थलचर–धमरा, मंगलगढ़ी–पारादीप खण्डों में विस्तृत जलीय सर्वेक्षण कराया है।

रा.ज.–4 में साउथ बर्किंघम कैनाल के शोलिंगनालूर–कलपक्कम खण्ड (37 कि.मी.) के विकास के लिए 123.4 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत पर एक परियोजना संस्वीकृत की गई है। प्रस्तावित विकासात्मक कार्यों की देखरेख और समन्वय करने हेतु भा.अ.ज.प्रा. ने आईएमयू (भारतीय सामुद्रिक विश्वविद्यालय) कैम्पस, उथांडी, चेन्नई में एक उपकार्यालय स्थापित किया है।

रा.ज.–5 के व्यवहार्य खण्डों के विकास करने के लिए शेयरधारकों के साथ एक बैठक भुवनेश्वर में की गई थी। ओडिशा की सरकार, भा.अ.ज.प्रा., पारादीप पत्तन न्यास, धमरा पोर्ट कं0 लि0, के बीच वाणिज्यिक रूप से व्यवहार्य खण्ड जैसे–तलचर से पारादीप और धमरा तक के 333 कि.मी. लम्बाई के खण्ड को दो चरणों में विकसित करने के लिए एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए गए हैं। प्रथम चरण के तहत पंकपाल/जकोडिया से पारादीप और धमरा तक के खण्ड की डीपीआर संशोधित करने के लिए एक परामर्शदाता नियुक्त किया गया है।

8. प्रस्तावित राष्ट्रीय जलमार्ग सं0–6

बराक नदी को राष्ट्रीय जलमार्ग के रूप में घोषणा करने के प्रस्ताव को कैबिनेट में मार्च, 2007 में अनुमोदन दिया गया था, किन्तु इसे 14वीं लोकसभा भंग होने से पहले इस पर विचार–विमर्श नहीं किया जा सका। तदुपरांत यह विधेयक संसद के कार्य विनियमन के अनुरूप समाप्त हो गया। कैबिनेट से दोबारा अनुमोदन मिलने के उपरांत इस विधेयक को 15वीं लोकसभा में फिर से लाया गया। बराक नदी को राष्ट्रीय जलमार्ग के रूप में घोषणा करने के नये विधयेक को राज्यसभा ने 30 अगस्त, 2013 को पारित कर दिया था। हालांकि, यह विधेयक इस बार भी 15वीं लोकसभा के समय समाप्त होने से पहले विचार–विमर्श हेतु प्रस्तुत नहीं किया जा सका। विधेयक में लागत अनुमान को अद्यतन करने की आवश्यकता है। संशोधित प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है।

9. पारगमन और व्यापार पर भारत–बांग्लादेश प्रोटोकॉल

भारत और बांग्लादेश के बीच एक अन्तर्देशीय जल पारगमन और व्यापार प्रोटोकॉल है जिसके तहत दोनों देशों की सरकार वाणिज्य हेतु अपने जलमार्गों का प्रयोग पारस्परिक लाभ के लिए करने पर सहमत हो गई है। इसमें एक देश में दो स्थानों के बीच मालों की आवाजाही दूसरे देश के भू–भाग होकर उस देश के कानूनों के अनुसार दोनों देशों के बीच होगी। विद्यमानप्रोटोकॉल मार्ग हैं :–
(i)कोलकाता–पांडु–कोलकाता, (ii)कोलकाता–करीमगंज–कोलकाता, (iii)राजशाही–धुलिया–राजशाही, (iv)पांडु–करीमगंज–पांडु। अंतर देशीय व्यापार हेतु विनिर्दिष्ट पांच पोर्ट ऑफ कॉल भारत में हल्दिया, कोलकाता, पांडु, सिलघाट और करीमगंज में हैं और बांग्लादेश में नारायणगंज, खुलना, मोंगला, सिराजगंज और आशुगंज हैं। यह प्रोटोकॉल मार्च, 2015 तक वैध हैं। वर्ष 2013–14 के दौरान इस प्रोटोकॉल के तहत कोलकाता/हल्दिया और बांग्लादेश के बीच 18 लाख टन फ्लाईऐश की ढुलाई हुई।

10. एनटीपीसी के विद्युत संयंत्रों हेतु कोयले की ढुलाई

खुले प्रतिस्पर्द्धात्मक बिडिंग के बाद मेसर्स जिंदल आईटीएफ लि0 को बंगाल की खाड़ी में स्थित सैंडहेड से एनटीपीसी के फरक्का स्थित विद्युत संयंत्र तक अ.ज.प. साधन द्वारा 3 एमएमटीपीए आयातित कोयले की ढुलाई करने हेतु प्रचालक नियुक्त किया गया था। उन्होंने फरक्का में यानांतरण, बार्ज और जेट्टी तथा माल उतारने संबंधी अवसंरचना पर लगभग 600 करोड़ रुपए का निवेश किया है। सैंडहेड में यानांतरण के लिए जलयान लगा हुआ है। 19 बार्ज का निर्माण करके प्रचालन में दिया गया है। इस परिवहन परियोजना के लिए संपूर्ण अवसंरचना अक्तूबर, 2013 तक स्थापित कर दिया गया है। कोयले की ढुलाई नवंबर, 2013 के प्रथम सप्ताह से प्रारंभ कर दी गई है और मार्च, 2014 तक 2 लाख टन कोयला रा.ज.–1 होकर फरक्का स्थित विद्युत संयंत्र भेजा गया, जो कि अ.ज.प. के इतिहास में पहली बार हुआ है। फरक्का परियोजना की प्रगति से उत्साहित होकर भा.अ.ज.प्रा. और एनटीपीसी ने बाढ़ (पटना के निकट) स्थित एनटीपीसी के 3300 मेगावाट सुपर थर्मल पावर प्लांटहेतु 10 वर्षों के लिए 3 एमएमटीपीए कोयले की ढुलाई करने के लिए इसी तरह की एक परियोजना भी विकसित की गई है। भा.अ.ज.प्रा. द्वारा एनटीपीसी के पक्ष में इस परियोजना हेतु बिड आमंत्रित किए गए हैं। अ.ज.प. साधन द्वारा एनटीपीसी के कहलगांव संयंत्र हेतु 3 एमएमटीपीए और आयातित कोयले लाने की योजना है।

11. तकनीकी–आर्थिक अध्ययन

निम्नलिखित अध्ययन प्रगति पर हैं :–

क. रा.ज.–1 के इलाहाबाद–गाजीपुर खण्ड में 3 मीटर न्यूनतम उपलब्ध गहराई मुहैया करने के लिए तकनीकी सम्भाव्यता पर अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी गई है। इस अध्ययन का विस्तार आगे बक्सर तक किया गया है। मेसर्स डीएचआई ने मसौदा रिपोर्ट प्रस्तुत किया है और अंतिम रिपोर्ट 31 जुलाई, 2014 तक प्रस्तुत करने की संभावना है।

ख. मेसर्स एनएटीपीएसी ने उत्तर और दक्षिण भागों में रा.ज.–3 के विस्तार की संभाव्यता पर अंतिम मसौदा रिपोर्ट प्रस्तुत किया है। इस अध्ययन की अंतिम रिपोर्ट 31 जुलाई, 2014 तक प्रस्तुत होने की संभावना है।

ग. मेसर्स राइट्स ने विस्तृत रूप से एकीकृत राष्ट्रीय जलमार्ग परिवहन ग्रिड पर प्रथम चरण की रिपोर्ट बनाने का कार्य पूरा किया है। द्वितीय चरण के अध्ययन के प्रथम स्तर के सूक्ष्म स्तरीय रिपोर्ट जून, 2014 तक पूरा होने की संभावना है।

घ. मेसर्स वापकोस को राष्ट्रीय जलमार्ग 4 और 5 के ईआईए/ईएमपी अध्ययन का काम सौंपा गया है जो कि प्रगति पर है।

12. वर्ष 2013–14 के दौरान सर्वेक्षण संबंधी कार्यकलाप

जलीय सर्वेक्षण माप और रूपरेखा के वर्णन का विज्ञान है जिससे नौचालन, सामुद्रिक निर्माण, निकर्षण, सैंडचार सबमर्ज रेक और अन्य संबंधित क्रियाकलाप का संचालन प्रभावित होता है। सबसे ज्यादा जोर आवाज, शोर लाइन, ज्वार, लहर, समुद्र तल और डूबे हुए अवरोध पर दिया जाता है जो पूर्व में उल्लिखित क्रियाकलापों से संबंधित है। जलीय प्रक्रिया के अंतिम चरण में विश्लेषण और सुरक्षित नौचालन हेतु अंतिम उपयोगकर्ता के उपयोग हेतु सूचना देने के लिए जलीय सर्वेक्षण के माध्यम से एकत्र आंकड़े का उपयोग किया जाता है। जलीय पक्ष नौचालन मानचित्र और पायलट का प्रकाशन करता है जिससे मेरिनर को अतिरिक्त जानकारी मिलती है।

12.1 राष्ट्रीय जलमार्ग सं0–1

तलस्पर्शी सर्वेक्षण

तलस्पर्शी सर्वेक्षण पाक्षिक रूप से विभागीय आधार पर कराकर नदी संबंधी सूचनाएं अ.ज.प. उपयोगकर्ताओं को (अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में) जारी किए गए थे। वर्ष के दौरान कुल 27,657 लाइन कि.मी. तलस्पर्शी सर्वेक्षण कराए गए। खण्डवार कराए गए सर्वेक्षण के ब्यौरे नीचे दर्शाए गए हैं :–

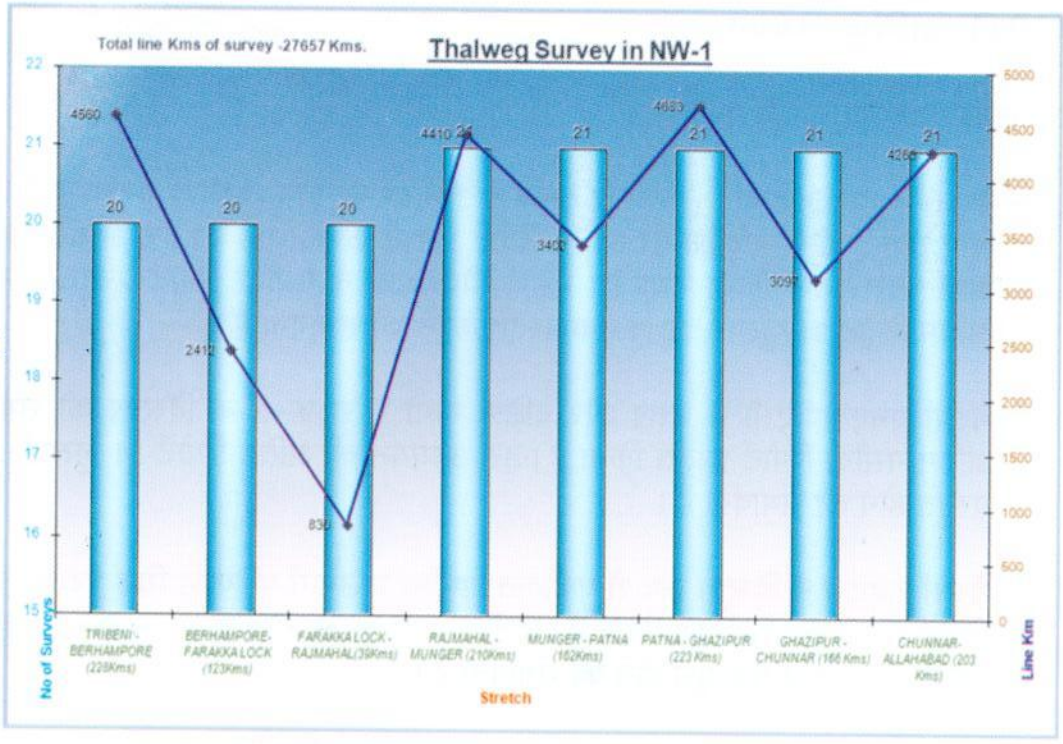

विस्तृत सर्वेक्षण

विभागीय पूर्व/उत्तर बंडालिंग और निकर्षण सर्वेक्षण 217 उथले स्थानों पर कराए गए थे, जिसका विवरण नीचे है :–

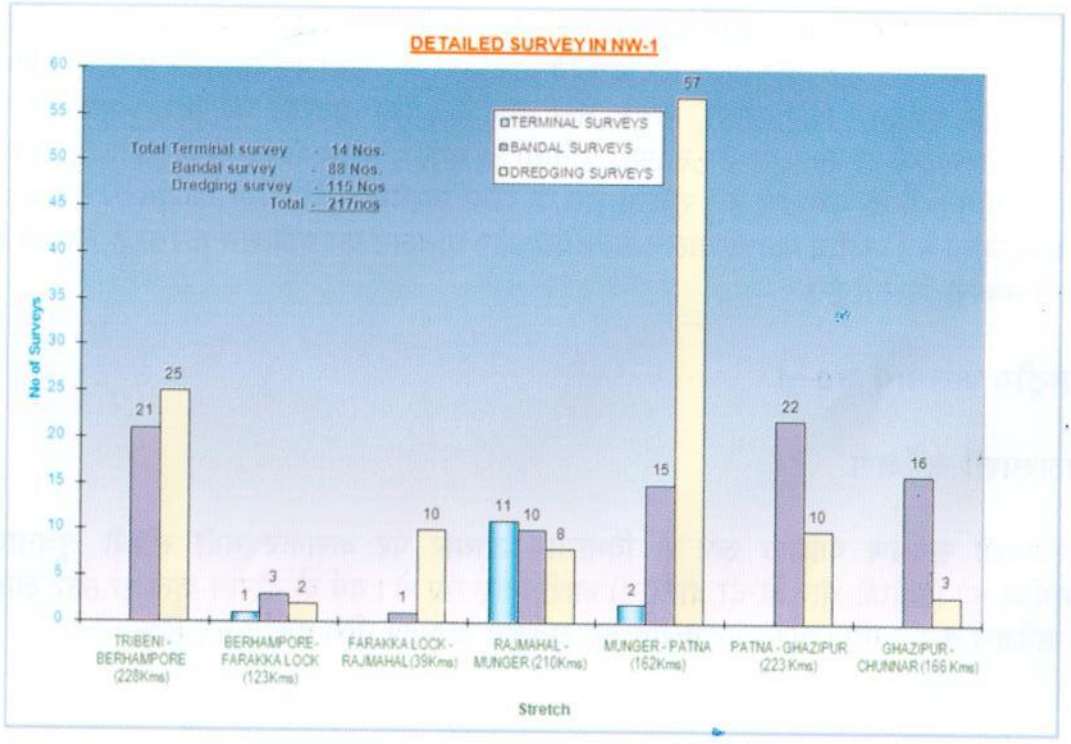

टर्मिनल सर्वेक्षण

टर्मिनल सर्वेक्षण त्रिवेणी–फरक्का खण्ड में एनटीपीसी कोल जेट्टी में (540.0 कि.मी.), समदाघाट (618.0), बटेश्वर (683.0), मोंगलाघाट (589.0), भागलपुर (715.0), मुंगेर (793.0), राजमहल–मुंगेर खण्ड में सिमरिया में (851.0) और मुंगेर–पटना खण्ड में गायघाट (955.0) में कराए गए।

अन्य सर्वेक्षण

त्रिवेणी–फरक्का खण्ड में तट से तट सर्वेक्षण बाघमारी साइफोन (529.0 कि.मी.), नीचली प्रवाह (445.5 कि.मी.) और उधुआ (552 कि.मी.) में कराए गए। बिहार सरकार के लिए 9 कि.मी. से अधिक केलाबाड़ी और राघोपुर में क्रॉस सक्शन सर्वेक्षण कराए गए।

इसके अतिरिक्त, कम वर्षा के मौसम के दौरान कहलगांव से सुल्तानगंज तक तट से तट सर्वेक्षण कराए गए और नदी नौचालन चार्ट और इलेक्ट्रॉनिक चार्ट की तैयारी हेतु आंकड़े को अद्यतन बनाने के लिए बाढ़ के मौसम के दौरान भी बाढ़ से गाजीपुर तक सर्वेक्षण कराए गए।

सर्वेक्षण दल द्वारा अन्य क्रियाकलाप

स्वचालित जलीय सर्वेक्षण प्रणाली से लैस भा.अ.ज.प्रा. सर्वेक्षण जलयान ने त्रिवेणी–फरक्का खण्ड में क्रमशः 4 और 7 बार्जों वाले मेसर्स जेआईटीएफ जलयान के पहले और दूसरे कोयला बार्ज बेड़े के साथ सफलतापूर्वक फेरे लगाया था।

भारत–बांग्लादेश प्रोटोकॉल मार्ग (सुंदरवन)

भारत–बांग्लादेश प्रोटोकॉल मार्ग में सिल्वर ट्री प्वाईंट से बेहारीखल (बांग्लादेश बॉर्डर) तक मासिक तलस्पर्शी सर्वेक्षण कराए गए। कुल 1872 लाइन कि.मी. तलस्पर्शी सर्वेक्षण कराकर नदी संबंधी सूचनाएं भा.अ.ज.प्रा. की वेबसाइट पर प्रकाशित की गई।

राष्ट्रीय जलमार्ग सं0–2

तलस्पर्शी सर्वेक्षण

कम वर्षा के मौसम के दौरान विभागीय तलस्पर्शी सर्वेक्षण पाक्षिक रूप से बाढ़ के मौसम के दौरान मासिक रूप से कराकर नदी संबंधी सूचनाएं (अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में) जारी किए गए। वर्ष के दौरान कुल 15,480 लाइन कि.मी. तलस्पर्शी सर्वेक्षण कराए गए। जिसका खण्डवार ब्यौरा नीचे हैं :–

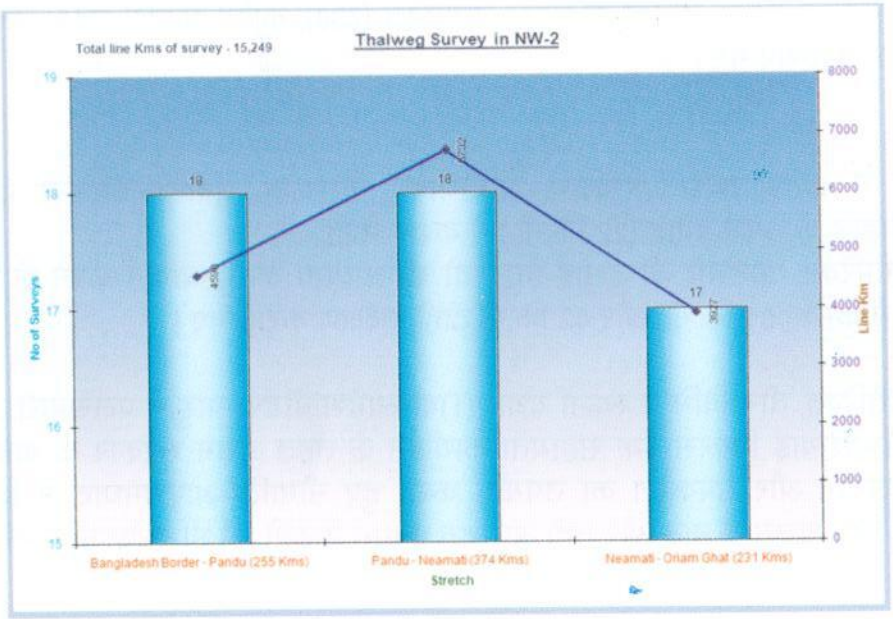

विस्तृत सर्वेक्षण

विभागीय पूर्व और उत्तर बंडालिंग, ड्रेजिंग सर्वेक्षण, टर्मिनल और क्रॉस सक्शन सर्वेक्षण 140 उथले स्थानों पर कराए गए, जिसका विवरण नीचे है :–

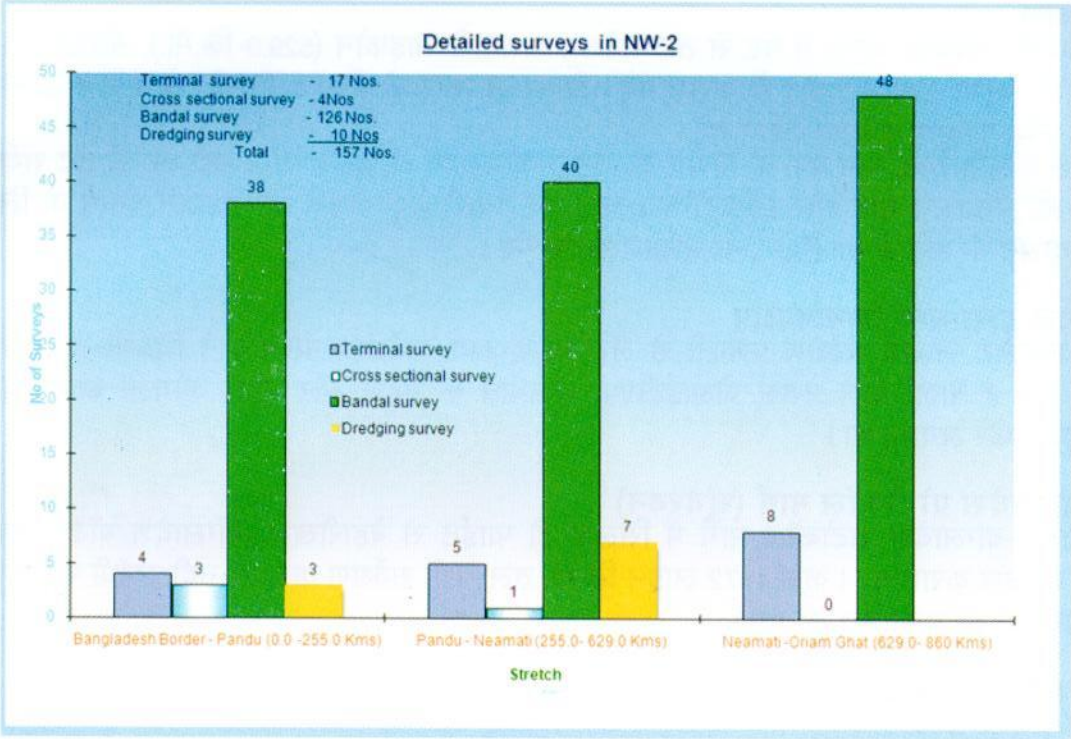

टर्मिनल सर्वेक्षण

टर्मिनल सर्वेक्षण चालू वर्ष के दौरान धुब्री (32), जोगीघोपा (108), पांडु (255.0), सिलघाट (441), विश्वनाथ (470), नीमाति (629), नागाघुली (788), बोगीबिल (738), कारेंग चापोरी (740), सेंगाजन (775) और ओरियमघाट (860) में कराए गए।

अन्य सर्वेक्षण

रा.ज.–2 में क्रॉस सक्शन सर्वेक्षण जोगीघोपा, गोलपारा, धुब्री–फकीरगंज (20 कि.मी.) और चन्दरपुर–गणेशपहाड़ के उपरी प्रवाह (22 कि.मी.) में कराए गए।

इसके अतिरिक्त, ओडीसी की ढुलाई हेतु नदी की नाव्यता का मूल्यांकन करने के लिए लोहित नदी और दिवांग नदी में क्रमशः 81 कि.मी. और 42 कि.मी.टोही सर्वेक्षण कराए गए।

इसके अतिरिक्त, तीन विभिन्न स्थलों यथा–(i)बांग्लादेश बॉर्डर–पांडु में पलसबारी, (ii)पांडु–नीमाति में काजीरंगा, (iii)एशियाई विकास बैंक सहायता कार्यक्रम के तहत असम सरकार के बाढ़ नियंत्रण विभाग हेतु विभागीय जलयान और उपकरण का उपयोग करते हुए नीमाति–ओएरामघाट में डिब्रूगढ़ में विस्तृत सर्वेक्षण कराने के लिए असम के बाढ़ और नदी अपरदन प्रबंधन एजेंसी को भी सर्वेक्षकों ने मदद की।

मिजोरम में कर्णफुली त्वीचवांग नदी में विस्तृत जलीय सर्वेक्षण

सेन्ट्रल सेक्टर स्कीम के तहत अ.ज.प. के विकास के लिए परियोजना प्रस्ताव को तैयार करने के लिए त्वीचवांग और कर्णफुली नदियों में जलीय सर्वेक्षण कराने के लिए मिजोरम की राज्य सरकार को पोत परिवहन मंत्रालय ने आश्वासन दिया था। रा.ज.–2 के भा.अ.ज.प्रा. सर्वेक्षण दल को सर्वेक्षण हेतु 11.11.2013 से 30.11. 2013 तक तैनात किया गया था। विस्तृत सर्वेक्षण कर्णफुली नदी में 19 कि.मी. से अधिक में और त्वीचवांग नदी में 57 कि.मी. कराए गए। नक्शे और रिपोर्ट तकनीकी पक्ष को पोत परिवहन मंत्रालय भेजने के लिए उपलब्ध करा दिए गए हैं।

डीजीपीएस आधारित नौचालन प्रणाली :–

राष्ट्रीय जलमार्ग–1 (हल्दिया और इलाहाबाद के बीच गंगा–भागीरथी–हुगली नदी प्रणाली) और राष्ट्रीय जलमार्ग–2 (सदिया और धुब्री के बीच ब्रह्मपुत्र नदी) में चलने वाले जलयानों की सुरक्षित यात्रा कराने के लिए रा. ज.–1 में 19.71 करोड़ रु. की लागत पर और रा.ज.–2 में 7.91 करोड़ रु. की लागत पर डिफ्रेन्शियल ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (डीजीपीएस) स्टेशन की स्थापना हेतु परियोजनाएं संस्वीकृत की गई थी। इसी के अनुरूप रा.ज.–1 में स्वरूपगंज, भागलपुर, पटना और वाराणसी में और रा.ज.–2 में जोगीघोपा, सिलघाट और डिब्रूगढ़ में डीजीपीएस स्टेशन लगाने पर विचार किया गया। इसके अतिरिक्त, भारत–बांग्लादेश प्रोटोकॉल मार्ग में सुरक्षित नौचालन की सुविधा प्रदान करने के लिए धुब्री में 2.2 करोड़ रु. की लागत पर एक अतिरिक्त स्टेशन लगाने की परियोजना को मंजूरी दी गई है। ये स्टेशन इस तरह नियोजित हैं कि इससे 150 कि.मी. की त्रिज्या में अचूक निगाह रखी जा सकती है। स्वरूपगंज, भागलपुर और पटना के स्टेशनों को चालू कर दिया गया है और ये रा.ज. –1 में काम कर रहा है। इसी प्रकार जोगीघोपा और

डिब्रूगढ़ के स्टेशनों को चालू किया गया, जो कि रा.ज.–2 के अधीन काम कर रहा है। इस कड़ी में सिलघाट और धुब्री स्थित स्टेशनों को क्रमशः 22 मई, 2013 और 11 फरवरी, 2014 को चालू किया गया था। इस प्रकार रा.ज.–2 के संपूर्ण खण्डों का कवरेज सुनिश्चित हुआ।

डीजीपीएस स्टेशन–धुब्री

राष्ट्रीय जलमार्ग सं0–3
तलस्पर्शी सर्वेक्षण

विभागीय तलस्पर्शी सर्वेक्षण कोट्टापुरम–कोची–कोल्लम खण्ड (उद्योगमंडल और चंपाकारा कैनाल सहित पश्चिम तट कैनाल) में मासिक आधार पर कराकर नदी संबंधी सूचनाएं (अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में) जारी किए गए। वर्ष के दौरान कुल 2706 लाइन कि.मी. तलस्पर्शी सर्वेक्षण कराए गए, जिसका विवरण नीचे है :–

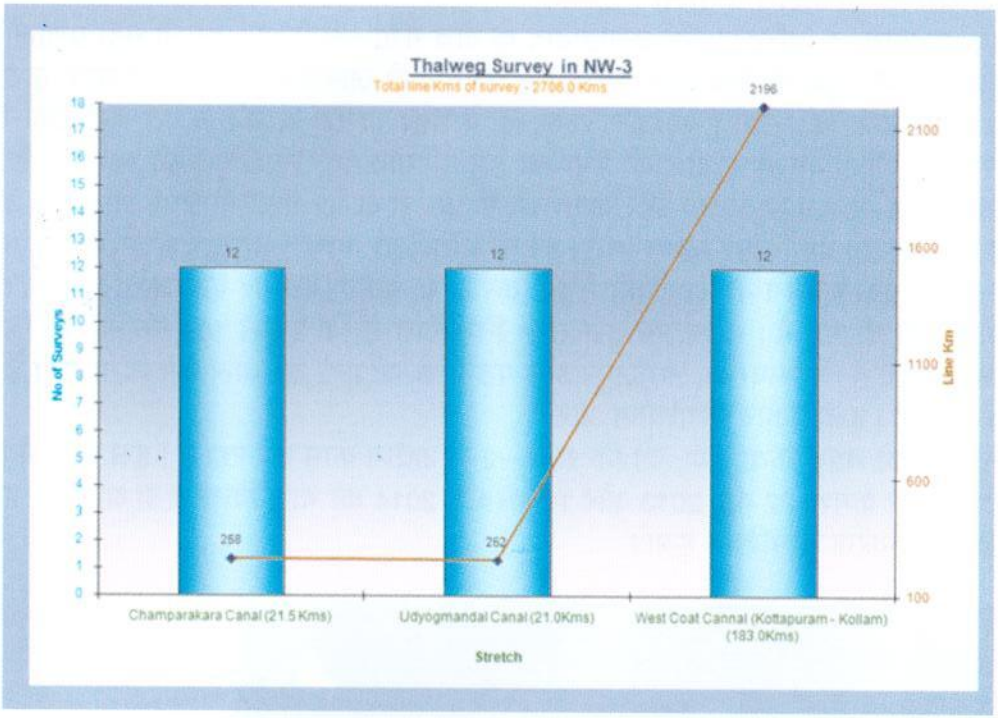

विस्तृत सर्वेक्षण
पूर्व और उत्तर निकर्षण सर्वेक्षण निम्नलिखित स्थानों पर कराए गए :–

विवरण / स्थान	पूर्व / उत्तर वि.सर्वे.	दूरी
1. केएमएमएल–कोविलथोट्टम	निकर्षण पूर्व सर्वेक्षण	166.5 कि.मी.
2. चावड़ा	निकर्षण पूर्व सर्वेक्षण	169.5 कि.मी.
3. थांथोनिथुरूथू	विस्तृत सर्वेक्षण	6.3 कि.मी.
4. थेवड़ा	निकर्षण पूर्व सर्वेक्षण	9.0 कि.मी.
5. चावड़ा के दक्षिण	निकर्षण पूर्व सर्वेक्षण	169.70–170.9 कि.मी.
6. चावड़ा के उत्तर	उत्तर निकर्षण सर्वेक्षण	169.0–169.28 कि.मी.
7. आईआरई साइट	उत्तर निकर्षण सर्वेक्षण	167.1–169.0 कि.मी.
8. कन्नीट्टाथुरूथू	निकर्षण पूर्व सर्वेक्षण	164.5 कि.मी.
9. विलिंगटन आरओ–आरओ जेट्टी	निकर्षण पूर्व सर्वेक्षण	3.5 कि.मी.
10. बोलगट्टी आरओ–आरओ जेट्टी	निकर्षण पूर्व सर्वेक्षण	3.0–4.9 कि.मी.

11. विलिंगटन आरओ–आरओ जेट्टी	उत्तर निकर्षण सर्वेक्षण	3.5 कि.मी.
12. कोविलथोट्टम	उत्तर निकर्षण सर्वेक्षण	167.0 कि.मी.
13. चावड़ा	उत्तर निकर्षण सर्वेक्षण	169.5 कि.मी.
14. थेवाड़ा	उत्तर निकर्षण सर्वेक्षण	9.5 कि.मी.
15. दलावापुरम–एस,कोडी	निकर्षण पूर्व सर्वेक्षण	170.8–177.4 कि.मी.
16. किरीकाड जेट्टी	निकर्षण पूर्व सर्वेक्षण	142.3–143.6 कि.मी.
17. कायमकुलम एसमाउथ	निकर्षण पूर्व सर्वेक्षण	146.5–149.5 कि.मी.
18. एफएसीटी, अंबलामुगल	निकर्षण पूर्व सर्वेक्षण	23.8 कि.मी.
19. थेवाड़ा	निकर्षण पूर्व सर्वेक्षण	9.2 कि.मी.
20. एफएसीटी, अंबलामुगल	उत्तर निकर्षण सर्वेक्षण	23.8 कि.मी.
21. केएमएमएल–कोविलथोट्टम	उत्तर निकर्षण सर्वेक्षण	165.65–166.62 कि.मी

वर्ष 2013–14 के दौरान कुल 27831.2 मी.^{3} निकर्षण कराए गए

रा.ज.–3 के लिए इलेक्ट्रॉनिक नौचालन चार्ट की तैयारी

रा.ज.–3 के इलेक्ट्रॉनिक नौचालन चार्ट की तैयारी के लिए डाटा संग्रह और अद्यतन करने हेतु रा.ज. –3 में टोपोग्राफी सर्वेक्षण सहित तट से तट जलीय सर्वेक्षण कराने के लिए निविदा आमंत्रित की गई थी। 21. 23 लाख रु. का यह कार्य 8.01.2014 को मेसर्स ग्लोबल मेरिन इन्फ्राटेक (प्रा.) को दिया गया है। इस एजेंसी ने बाथी मेट्रिक सर्वेक्षण कार्य का 50 प्रतिशत काम पूरा कर लिया है।

रा.ज.–3 में तट से तट जलीय सर्वेक्षण के दौरान जलीय मुख्य द्वारा निरीक्षण

राष्ट्रीय जलमार्ग सं0–4 और 5

गोदावरी नदी और कैनालों होकर नाव्य मार्ग की वर्तमान स्थिति का मूल्यांकन करने के लिए राष्ट्रीय जलमार्ग 4 यानी गोदावरी नदी (171 कि.मी.), काकीनाडा कैनाल (50 कि.मी.), एलुरू कैनाल (88 कि.मी.), नार्थ बकिंघम कैनाल (137 कि.मी.) और साउथ बकिंघम कैनाल (40 कि.मी.) के प्राथमिकता वाले खण्डों मेंविस्तृत जलीय सर्वेक्षण का काम पूरा कर लिया गया है। इसी प्रकार रा.ज.–5–तलचर से धमरा तक (265 कि.मी.), मताई नदी (39 कि.मी.), महानदी डेल्टा (67 कि.मी.) और पदानीपाल से सुजानपुर (50 कि.मी.) में काम पूरा हो गया है। आंकड़ा संकलन और मसौदा/अंतिम रिपोर्ट को अंतिम रूप देने सहित सर्वे चार्ट बनाने का काम प्रगति पर है।

सर्वेक्षण जलयान

आंकड़ा को संग्रह, तैयार और प्रिंट करने के लिए सभी सर्वेक्षण जलयान डिजिटल इको साउंडर, डीजीपीएस रिसीवर, लैपटाप/डेस्कटाप और करेंट मीटर सेट सहित स्वचालित जलीय सर्वेक्षण जैसे–अत्याधुनिक सर्वेक्षण उपकरण से युक्त हैं।

विभिन्न जलमार्गों में निम्नलिखित सर्वेक्षण जलयान प्रचालन में हैं, जो सर्वेक्षण कार्य के लिए तैनात हैं :–

रा.ज.–1		रा.ज.–2	रा.ज.–3
1. एस.एल. कोयल	7. एस.एल. मंदाकनी	1. एस.एल. लोहित	1. एस.एल. पम्बा
2. एस.एल. द्वारकेश्वर	8. एस.एल. गंडक	2. एस.एल. सुबानसिरि	
3. एस.एल. मेगना	9. एस.एल. पुनपुन	3. एस.एल. बराक	
4. एस.एल. अनुपल्लव	10. एस.एल. कोसी	4. एस.एल. बूढ़ी दिहिंग	
5. एस.एल. कमला	11. एस.एल. रिहंद	5. एस.एल. दिबांग	
6. एस.एल. घाघरा	12. एस.एल. दिहांग		

सर्वेक्षण उपकरण का उन्नयन

सर्वेक्षण उपकरण की आपूर्ति, स्थापन और प्रशिक्षण संबंधी कार्य की जिम्मेदारी छह आपूर्तिकर्ताओं को दी गई थी। निम्नलिखित सर्वेक्षण उपकरण की आपूर्ति करके चालू किया गया :–

उपकरण	कुल आपूर्ति	आपूर्ति स्थान
1. जीपीएस रिसीवर से लैस डिजिटल इको साउंडर	संख्या 10	स्वरूपगंज, भागलपुर, धुब्री, गुवाहाटी, डिब्रूगढ़, कोची, फरक्का और पटना
2. डीजीपीएस बीकन रिसीवर	संख्या 2	कोची
3. लैपटाप	संख्या 4	फरक्का, स्वरूपगंज और भागलपुर
4. ए1 साईज प्लॉटर	संख्या 4	स्वरूपगंज, भागलपुर, पटना और कोची
5. इको साउंडर के लिए ट्रांसड्यूसर	संख्या 10	पटना, गुवाहाटी, कोलकाता और कोची
6. ऑटोडेस्क मैप 3डी सॉफ्टवेयर	संख्या 5	नौएडा, कोलकाता, पटना, गुवाहाटी और कोची

हल्दिया–फरक्का खण्ड में नदी सूचना सेवा (आर आई एस) प्रणाली का स्थापन

23.5 करोड़ रुपए (सिविल कार्य सहित) की रकम के लिए संशोधित योजना को मंजूरी दिनांक 22.01.2014 को आयोजित बोर्ड की 149वीं बैठक में दी गई थी। उपकरण की आपूर्ति, स्थापन, प्रचालन और अनुरक्षण के लिए कार्य आदेश दिनांक 27.03.2014 को मेसर्स एल्कॉम इन्टीग्रेटेड सिस्टम प्रा. लि., नवी मुंबई नामक एल–1 बीडर को दिया गया था। इस परियोजना में 30 फ्लोटिंग जलयान, 7 बेस स्टेशन और 2 कंट्रोल स्टेशन में आरआईएस सिस्टम हेतु उपकरण की आपूर्ति, स्थापन और चालू करना शामिल है। वारंटी अवधि के बाद एजेंसी 3 वर्षों के लिए प्रचालन और अनुरक्षण सहित समग्र वार्षिक अनुरक्षण संविदा की सेवा मुहैया करेगी।

नदी सूचना प्रणाली के कार्य को दर्शाने वाला आरेखण

हल्दिया, जीआर जेट्टी (कोलकाता), त्रिवेणी, स्वरूपगंज, कुमारपुर, श्यामपुर और फरक्का जैसे 7 स्थानों पर बेस स्टेशन/कंट्रोल स्टेशन के निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहित की गई है। सभी 7 बेस स्थलों पर सिविल कार्य प्रारंभ करने के लिए काम सौंप दिया गया है।

मानचित्र प्रकोष्ठ/सेमिनार/प्रशिक्षण

भा.अ.ज.प्रा. मुख्यालय, नौएडा का मानचित्र प्रकोष्ठ भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) और सीएआरआईएस, ईआरडीएएस इमेजिन, ऑटो सीएडी, इत्यादि जैसे ईमेज प्रोसेसिंग सॉफ्टवेयर द्वारा डिजिटल चार्ट को तैयार करने के लिए आधुनिक उपकरण और सॉफ्टवेयर से सुसज्जित है। भा.अ.ज.प्रा. के मानचित्रकार जीआईएस सॉफ्टवेयर एवं ईमेज प्रोसेसिंग सॉफ्टवेयर, इत्यादि के प्रयोग करने में प्रशिक्षित हैं।

सुंदरवन जलमार्ग के रिवर एटलस और रिवर पायलट 2013 में प्रकाशित हुए थे। भा.अ.ज.प्रा. द्वारा निर्मित नॉटिकल प्रोडक्ट के नए संस्करण के कैटलॉग का प्रकाशन हुआ। भा.अ.ज.प्रा. ने अ.ज.प. प्रचालकों, उपयोगकर्ताओं और सरकारी विभागों को रास्टर नेविगेशन चार्ट (आरएनसी), रिवर एटलस और रिवर पायलट की बिक्री के लिए 3 एजेंसियों को प्राधिकृत एजेंट के रूप में नियुक्त किया है।

वर्ष 2013–14 के दौरान सभी जलमार्गों के लिए राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग सेंटर, हैदराबाद से सेटेलाइट डाटा तैयार करके उसको केरिश जीआईएस सॉफ्टवेयर द्वारा डिजिटल बना दिया गया है। इलेक्ट्रॉनिक चार्ट की तैयारी के लिए लैंडमार्क, सर्वे ऑफ इंडिया के टोपोग्राफी फीचर वाले डिजिटल आंकड़ा का संग्रह फिल्ड हाईपैक सर्वे डाटा और एनआरएससी डाटा के साथ किया गया था।

भा.अ.ज.प्रा. ने भारतीय राष्ट्रीय मानचित्र संघ (आईएनसीए), के दिनांक 19 से 21 सितंबर, 2013 के दौरान जोधपुर, राजस्थान, भारत में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस सम्मेलन में भाग लिया। भा.अ.ज.प्रा. द्वारा एक स्टॉल लगाया गया जिसमें विभिन्न प्रकार के ब्राउसर, आरएनसी रिवर एटलस के नमूने और रिवर पायलट, इत्यादि का प्रदर्शन किया गया। प्रतिभागियों ने स्टॉल पर जाकर अ.ज.प. क्षेत्र के बारे में रूचि दिखाई। साथ ही, राष्ट्रीय जलमार्ग में भा.अ.ज.प्रा. द्वारा दी जा रही विभिन्न सुविधाओं की जानकारी भी ली।

20–21 जनवरी, 2014 के दौरान रिमोट सेंसिंग सेंटर, इसरो, हैदराबाद द्वारा आयोजित यूजर इंटरनेशनल मिट में भी भा.अ.ज.प्रा. ने भाग लिया। इस सम्मेलन का उद्देश्य विभिन्न कार्यों के नियोजन और कार्यान्वयन हेतु सेटेलाइट से चित्रों को बनाने और मुहैया करने का है।

भारतीय सामुद्रिक सप्ताह

भा.अ.ज.प्रा. ने 29 जनवरी से 1 फरवरी, 2014 तक जे डब्ल्यू मेरियट एरोसिटी, नई दिल्ली में गेटवे मीडिया प्रा. लि. द्वारा आयोजित भारतीय सामुद्रिक सप्ताह में भी भाग लिया। भा.अ.ज.प्रा. ने सम्मेलन सत्र में अ.ज.प. से सम्बंधित विषय "वेटिंग इन द विंग्स : द वे फारवार्ड" में भाग लिया।

राष्ट्रीय अन्तर्देशीय नौवहन संस्थान (निनी), पटना

निनी, पटना का प्रबंधन और प्रशासन भा.अ.ज.प्रा. की प्रोग्राम सलाहकार समिति के परामर्श से मेसर्स एआरआई प्रा. लि., नई दिल्ली के अधीन है। वर्ष 2013–14 के दौरान महत्वपूर्ण उपलब्धियां निम्नलिखित हैं :–

क. पाठ्यक्रमों के संचालन के लिए निम्नलिखित गतिविधियां की गई–

प्रारंभिक प्रशिक्षण जीपी रेटिंग कोर्स (19वां और 20वां बैच)

- जेनरल परपस रेटिंग इंडक्शन पाठ्यक्रम के लिए आंतरिक अंतिम परीक्षा (लिखित एवं मौखिक) का संचालन जुलाई, 2013 और जनवरी, 2014 के महीनों में किया गया।
- प्रशिक्षण जलयान सर्वेक्षक और अन्तर्देशीय जलयान प्रशिक्षण सिमुलेटर पर जीपी रेटिंग (आईवी) प्रशिक्षु को व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।
- बिहार जल क्रीड़ा, पटना के स्वीमिंग पुल में तैरने का प्रशिक्षण दिया गया।
- प्रशिक्षण जलयान सर्वेक्षक पर पटना से कोलकाता की यात्रा के दौरान और ड्राई डॉक पर भी प्रशिक्षुओं को व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।
- निम्नलिखित चार डीजी अनुमोदित प्रारंभिक पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण दिया गया :
- प्रारंभिक प्राथमिक उपचार (ईएफए)
- अग्निशमन और अग्निशामक (ईपीएफएफ)
- व्यक्तिगत उत्तरजीविता तकनीक (पीएसटी)
- व्यक्तिगत सुरक्षा और सामाजिक जिम्मेदारी (पीएसएसआर)
- 19वीं और 20वीं बैच उत्तीर्ण के लिए समारोह का आयोजन

अन्तर्देशीय जलयान सक्षमता प्रमाणपत्र हेतु प्रारंभिक पाठ्यक्रम

- अन्तर्देशीय जलयान परीक्षा हेतु निम्नलिखित प्रारंभिक पाठ्यक्रम संचालित किए गए :–
  - सेरांग
  - मास्टर क्लास– ।।
  - सेकंड क्लास इंजन ड्राइवर
  - फर्स्ट क्लास इंजन ड्राइवर

बिहार सरकार की ओर से अन्तर्देशीय जलयान परीक्षा का संचालन

- बिहार सरकार के अन्तर्देशीय जलयान नियम के अनुसार परीक्षा की प्रक्रिया तैयार करके परिवहन सचिव, बिहार सरकार द्वारा अनुमोदित करा लिया गया।
- बिहार सरकार के अन्तर्देशीय जलयान नियम के अनुसार सक्षमता प्रमाणपत्र प्राप्त करने के इच्छुक उम्मीदवारों हेतु निम्नलिखित श्रेणियों की परीक्षाएं प्रारंभ की गयी :
  - सेरांग
  - मास्टर क्लास– ।।
  - मास्टर क्लास– ।
  - सेकंड क्लास इंजन ड्राइवर
  - फर्स्ट क्लास इंजन ड्राइवर
  - अन्तर्देशीय अभियंता

ख. प्रशिक्षण

निनी नियमित आधार पर प्रशिक्षण देकर सामुद्रिक पत्रिका और राष्ट्रीय समाचार पत्रों में पाठ्यक्रमों का विज्ञापन देता है।

- निनी से उत्तीर्ण सभी सिविलियन प्रशिक्षु का डाटा उनके वर्तमान स्थिति के अनुसार अद्यतन कर दिया गया।
- डेक और इंजन के प्रारंभिक रेटिंग पाठ्यक्रम के प्रशिक्षुओं की नियुक्ति हेतु भा.अ.ज.प्रा. और निजी बार्ज प्रचालक के साथ व्यवस्था की गई है। भा.अ.ज.प्रा. के स्वामित्व वाले जलयानों पर लगभग 70 प्रतिशत और निजी प्रचालकों के स्वामित्व वाले बार्ज / जलयान पर 30 प्रतिशत प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण देने की व्यवस्था की गई है।
- विभिन्न जलयानों पर प्रशिक्षण के लिए भेजे गए प्रशिक्षुओं की प्रशिक्षण रिकॉर्ड पुस्तिका जारी की गई। निनी में एक अलग से नियुक्ति प्रकोष्ठ बनाकर प्रशिक्षण के लिए भेजे गए प्रशिक्षुओं की छुट्टी, भुगतान और प्रशिक्षण से संबंधित रिकॉर्ड रखा जाता है।
- संकाय सदस्य और एआरआई के प्रतिनिधि के मार्गदर्शन में दिन–प्रतिदिन रसद की खरीद और अन्य कार्यों में सहायता देने सहित मेस के संचालन के लिए एक मेस कमिटी भी विद्यार्थियों के लिए बनाई गई है।
- प्रशिक्षुओं ने राष्ट्रीय सामुद्रिक उत्सव सप्ताह में भाग लेकर रक्तदान कैम्प और सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेकर जागरूकता अभियान चलाया।
- सीओसी परीक्षा का डाटा और प्रमाणपत्र अनुरक्षित किया जा रहा है।

ग. मानव संसाधन

संस्थान ने संस्थान के प्रबंधन हेतु संकाय सदस्य और अनुदेशकों का एक पूल विकसित किया है। संस्थान ने संकाय सदस्यों को तीन श्रेणियों यथा–नियमित परामर्श संकाय, नियमित विजिटिंग संकाय और आवश्यकता आधारित विजिटिंग संकाय में तैनात किया है।

घ. भा.अ.ज.प्रा. स्टाफ और बाहर के उम्मीदवारों के लिए प्रशिक्षण

- भा.अ.ज.प्रा. के फ्लोटिंग स्टाफ और ड्रेजिंग कन्ट्रैक्टर चिनार शिपिंग के लिए कोल्लम, केरल में एडवांस ड्रेजिंग प्रैक्टिकल पाठ्यक्रम संचालित किए गए। छावड़ा स्थित कटर सक्शन ड्रेजर और कोल्लम के एम्फिबियन ड्रेजर द्वारा प्रशिक्षण दिया गया।
- बिहार सरकार द्वारा नामित मोटर वाहन निरीक्षकों के लिए नौका सर्वेक्षक पाठ्यक्रम संचालित किया गया।
- निनी में भा.अ.ज.प्रा. के स्टाफ हेतु आधारभूत सुरक्षा प्रशिक्षण का संचालन किया गया।
- भा.अ.ज.प्रा. के तकनीकी सहायक और ड्रेज मास्टर के लिए मरम्मत और अनुरक्षण पाठ्यक्रम का संचालन गोवा स्थित पोत निर्माण और तकनीकी संस्थान में किया गया।

ड.निनी में अन्य क्रियाकलाप

- निनी का स्थापना दिवस 6 फरवरी को मनाया गया।
- बिहार सरकार द्वारा आयोजित गणतंत्र दिवस परेड में भाग लिया और निनी कंटीजेंट को सबसे अच्छा कंटीजेंट पाया गया।
- बिहार सरकार द्वारा पटना में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में भाग लिया।
- रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ।
- बिहार के पटना सहित अन्य शहरों में अन्तर्देशीय जल परिवहन के विषय में जागरूकता फैलाने के लिए रोड–शो का आयोजन किया गया।
- निनी में अन्तर संस्थान क्रीड़ा क्रियाकलाप का संचालन किया गया।

च.आकादमिक स्रोत सामग्री

- प्रशिक्षण सीडी और प्रशिक्षण सामग्री सहित पुस्तकालय के लिए 43 से अधिक पुस्तकों की अधिप्राप्ति।
- फरक्का में 10 वर्षों से अधिक समय से बेकार पड़े और अनुपयोगी हो चुके ड्रेजर बक्सर को निनी को सुपुर्द किया गया। आवश्यक मरम्मत के साथ कटर सक्शन ड्रेजर बक्सर को ठीक करने का काम पूरा हो गया, जिसे अब एडवांस ड्रेजिंग प्रैक्टिकल पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण दिलाने हेतु प्रयुक्त किया जा रहा है।
- आधारभूत एसटीसीडब्ल्यू पाठ्यक्रम के संचालन हेतु पुस्तकों, उपकरण और शिक्षण सामग्री सहायता की अधिप्राप्ति।
- नौचालन और सीमैनशिप से सम्बंधित व्यावहारिक प्रशिक्षण के संचालन के लिए आवश्यक सामग्री की अधिप्राप्ति।
- एक अलग कम्प्यूटर लैब बनाकर लैब में प्रशिक्षण लेने वाले उम्मीदवारों के प्रयोग हेतु कम्प्यूटर लगाए गए हैं।
- हाल में निर्मित लड़कियों के छात्रावास को लड़कियों के ठहरने, अध्ययन करने और छात्रावास के भीतर ही खेलकूद के लिए तैयार कर लिया गया है।

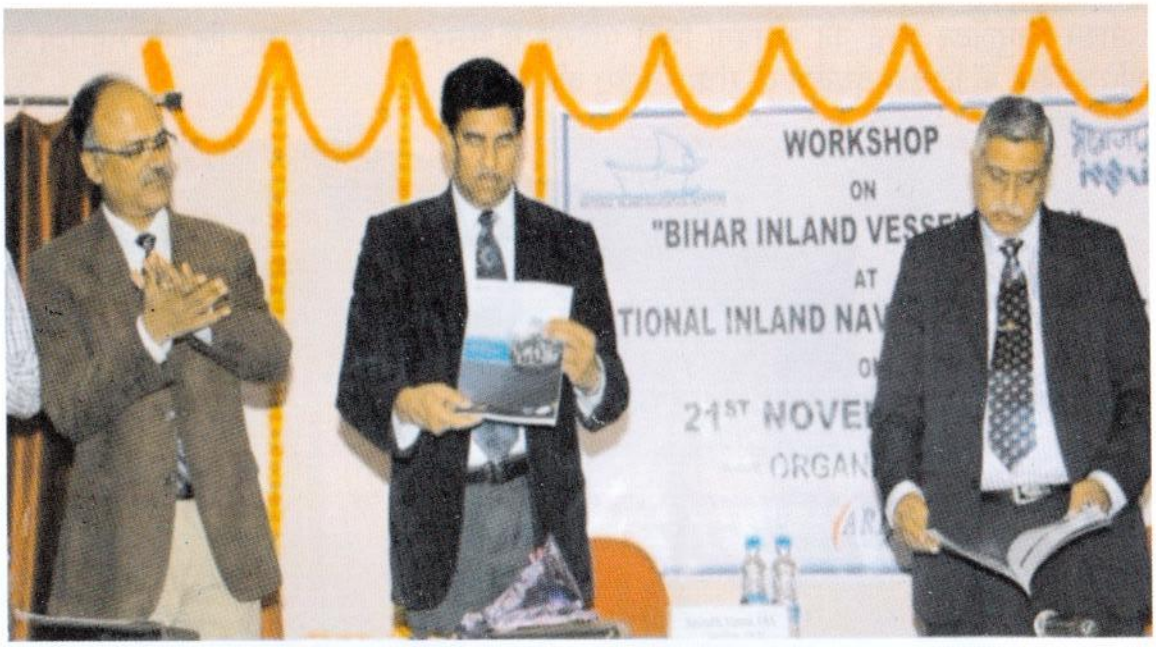

बिहार अन्तर्देशीय जलयान नियम पर कार्यशाला

अंगीभूत और सम्बद्ध

- आईएसओ 9001 : 2008 प्रमाणपत्र एबीएस द्वारा, जिसे संस्थान के निरीक्षण के उपरांत नवीकृत किया गया।
- अ.ज.प. बिहार सरकार के लिए निनी कैम्पस में सक्षमता प्रमाणपत्र (सीओसी) का संचालन निनी ने किया।

छ. सेमिनार और सम्मेलन

- इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में दिनांक 18 अप्रैल, 2013 को अन्तर्देशीय जलयान अधिनियम, 1917 के प्रावधान के अनुसार अन्तर्देशीय जलयान पर मसौदा मॉडल नियम पर विचार–विमर्श के लिए कार्यशाला–सह–पारस्परिक सत्र का आयोजन।
- आईएमयू विजाग में 29 जुलाई, 2013 को आयोजित पोत निर्माण और ड्रेजरों की मरम्मत विषय पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।
- कोची में 6 अगस्त, 2013 को अन्तर्देशीय जल परिवहन सहित सामुद्रिक शिक्षा और प्रशिक्षण विषय पर आयोजित सेमिनार में भाग लिया।
- निनी, पटना में 21 नवंबर, 2013 को बिहार सरकार के बिहार अन्तर्देशीय जलयान नियम पर कार्यशाला का आयोजन।
- नई दिल्ली में 30 और 31 जनवरी, 2014 को आयोजित भारतीय सामुद्रिक सप्ताह के दौरान अन्तर्देशीय जलपरिवहन क्षेत्र पर विचार–विमर्श और प्रदर्शन में भाग लिया।
- पोर्ट ब्लेयर, अण्डमान निकोबार में 28 फरवरी, 2014 को मॉडल अन्तर्देशीय जलयान नियम पर आयोजित कार्यशाला–सह–पारस्परिक सत्र का आयोजन, संचालन और भागीदारी।

ज. मेरिन सिमुलेटर केन्द्र, निनी

मेरिन सिमुलेटर केन्द्र की स्थापना निनी परिसर में मेसर्स एआरआई प्रा. लि. के सहयोग से मर्चेंट मेरिन अधिकारियों के लिए पाठ्यक्रम के संचालन हेतु की गई है।

सिमुलेटर ब्लॉक (निनी)

मर्चेंट मेरीन अधिकारियों हेतु प्रशिक्षण

- अनुसूची के अनुसार निम्नलिखित पाठ्यक्रम संचालित किए गए :
  - रडार ऑब्जर्वर सिमुलेटर कोर्स (आरओएससी)
  - ऑटोमेटिक रडार प्लॉटिंग एड (एआरपीए)
  - शिप मैन्यूवेयरिंग सिमुलेटर (एसएमएस)
  - लिक्विड कार्गो हैंडलिंग सिमुलेटर (एलसीएचएस)
  - इलेक्ट्रॉनिक चार्ट डिस्प्ले एण्ड इन्फॉरमेशन सिस्टम (ईसीडीआईएस)
  - ब्रीज टीम मैनेजमेंट

वर्ष 2013–14 के दौरान एमएससी प्रशिक्षित विद्यार्थी

क्र. सं.	महीना	ईसीडीआईएस	बीटीएम	एसएचएस	आरएमआई	एलएसएचएस	एलसीएचएस	टारओसी	एआरपीए	एसएमएस
1	अप्रैल	28	2					1	5	4
2	मई	18						3	3	
3	जून	8	3				1	6	5	4
4	जुलाई	21	5			1		7	6	
5	अगस्त	21	5				1	2	2	1
6	सितंबर	20	1					2	4	
7	अक्तूबर	23	2	1				2		9
8	नवंबर	17	1					6	2	
9	दिसंबर	12							6	
10	जनवरी	14	2					2	2	3
11	फरवरी	8	1	1						5
12	मार्च	12	3	2						2
	कुल	202	25	4	0	1	2	31	35	28
	कुल योग									328

वर्ष 2013–14 के दौरान आय और व्यय से सम्बंधित विवरण

महीना	आय	व्यय
अप्रैल,13	**674,600.00**	**396,373.00**
मई	**351,000.00**	**258,557.00**
जून	**368,020.00**	**267,474.00**
जुलाई	**497,000.00**	**403,834.00**
अगस्त	**480,900.00**	**431,877.00**
सितंबर	**417,000.00**	**376,113.00**
अक्तूबर	**705,100.00**	**428,285.00**
नवंबर	**367,000.00**	**333,984.00**
दिसंबर	**238,466.00**	**241,377.00**
जनवरी, 14	**379,700.00**	**625,921.00**
फरवरी	**302,500.00**	**238,462.00**
मार्च	**243,890.00**	**436,812.00**
	5,025,176.00	**4,439,069.00**

14. भारत–म्यांमार कालादान मल्टीमॉडल पारगमन परिवहन परियोजना

म्यांमार में कालादान मल्टीमॉडल पारगमन परिवहन परियोजना के पत्तन और अ.ज.प. अवयव के कार्यान्वयन हेतु विदेश मंत्रालय, भारत सरकार ने भा.अ.ज.प्रा. को परियोजना विकास सलाहकार (पीडीसी) नियुक्त किया है। यह परियोजना विदेश मंत्रालय द्वारा पोषित और संचालित है। इस संबंध में विदेश मंत्रालय और भा.अ.ज.प्रा. के बीच एक उपबंध पर 19 मार्च, 2009 को हस्ताक्षर किया गया है।

भा.अ.ज.प्रा. के पर्यवेक्षण में म्यांमार में कार्यान्वित किए जा रहे कार्यों के लिए विदेश मंत्रालय ने मेसर्स एस्सार प्रोजेक्ट्स (इं.) लि. को मुख्य संविदाकार नियुक्त किया है। वर्ष 2013–14 के दौरान सिटवे में निर्माण संबंधी क्रियाकलाप में निर्विघ्न प्रगति हुई। वर्ष के दौरान मेसर्स यूआरएस एस्कॉट विल्सन इंडिया प्रा. लि., नई दिल्ली ने भा.अ.ज.प्रा. को पर्यवेक्षण सलाहकार के रूप में लगातार मदद किया।

परियोजना के लिए समग्र रूप से कार्यों की वास्तविक प्रगति लगभग 78 प्रतिशत हुई, जबकि यथा दिनांक 31 मार्च, 2014 को वित्तीय प्रगति लगभग 65 प्रतिशत हुई। कार्यों की वास्तविक प्रगति के विस्तृत ब्यौरे नीचे हैं :–

सिटवे

- बैकअप सुविधा के लिए भूमि सुधार – 96 प्रतिशत पूरा
- रबरयुक्त डाइक का निर्माण – 85 प्रतिशत पूरा
- पत्तन और अ.ज.प. जेट्टी दोनों के लिए संपर्क जेट्टी – 100 प्रतिशत पूरा
- पत्तन और अ.ज.प. दोनों के लिए मुख्य जेट्टी पाइलिंग कार्य – 100 प्रतिशत पूरा
- सिटवे में अ.ज.प. और पत्तन जेट्टी के लिए प्री–कास्ट कंक्रीट कार्य – 100 प्रतिशत पूरा 10.6 लाख घन मीटर (कुल मात्रा 12.0 लाख घन मीटर) की मात्रा, सिटवे पत्तन क्षेत्र में ड्रेजिंग का 90 प्रतिशत कार्य पूरा।
- बैकअप सुविधा देने वाली संरचना का निर्माण कार्य (पत्तन कार्यालय, अ.ज.प. कार्यालय, भण्डारण क्षेत्र, इलेक्ट्रीकल और जेनरेटर रूम, कैंटीन/विश्राम गृह, इत्यादि) प्रगति पर है।
- मार्च, 2013 में 300 टन क्षमता वाले 6 बार्जों का निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया है, जो कि अ.ज.प., म्यांमार सरकार द्वारा यंगून में प्रगति पर है। अ.ज.प., म्यांमार सरकार इस काम के लिए उपसंविदाकार है।
- ड्रेन का निर्माण (अतिरिक्त कार्य) पूरा हो गया है।

पलेतवा

- अ.ज.प. टर्मिनल का निर्माण कार्य अप्रैल, 2013 में हुआ।
- मिट्टी की खुदाई से सम्बंधित मुख्य काम पूरा हो गया।
- संपर्क जेट्टी लगाने का काम – 100 प्रतिशत पूरा।
- मुख्य जेट्टी लगाने का काम – 100 प्रतिशत पूरा।
- अ.ज.प. कार्यालय, भण्डारण क्षेत्र, इलेक्ट्रीकल और जेनरेटर रूम, कैंटीन/विश्राम गृह, इत्यादि जैसे बैकअप सुविधा वाले काम प्रगति पर है।
- मेसर्स डीडब्ल्यूआईआर,म्यांमार सरकार का सीएसडी ड्रेजर (नदी निकर्षण कार्य के लिए उपसंविदाकार) चालू है। दो उथले क्षेत्रों के लिए निकर्षण कार्य लगभग पूरा (कुल उथले भाग 6)

भा.अ.ज.प्रा. ने पीडीसी की भुमिका में विदेश मंत्रालय, भारत–यंगून दूतावास, पोत परिवहन मंत्रालय, उत्तर–पूर्व क्षेत्र विभाग मंत्रालय, म्यांमार सरकार, ठेकेदार और परामर्शदाता जैसे सभी महत्वपूर्ण शेयरधारकों के साथ लगातार समन्वय, परियोजना के सुचारू कार्यान्वयन हेतु बनाया। वर्ष के दौरान पीडीसी ने काम किया और निर्माण कार्य में संतोषजनक प्रगति हुई।

सिटवे में पत्तन का निर्माण और बैकअप की सुविधा

15. वर्ष 2013–14 के दौरान कार्गो की ढुलाई

अ.ज.प. साधन द्वारा काफी मात्रा में कार्गो की ढुलाई करने की अपेक्षा तभी की जा सकती है, जब किफायती नौचालन के लिए आवश्यक नौचालनात्मक गहराई, रात्रि नौचालन सुविधाएं, डीजीपीएस, यांत्रिक टर्मिनल और जलयान जैसे सुविधाएं मुहैया की गई हो। वर्तमान में जलमार्ग के विकसित खण्डों में भी पर्याप्त संख्या में चलाने के लिए जलयान नहीं है। रा.ज.–1 में केवल 77 कार्गो जलयान (28 सीआईडब्ल्यूटीसी जलयान और 49 निजी जलयान) हैं। लगभग सभी जलयान हल्दिया और कोलकाता के बीच लाइटरेज प्रचालन में है। अ.ज.प. निदेशालय, असम सरकार रा.ज.–2 में केवल 12 जलयानों का प्रचालन कर रहा है। कार्गो जलयानों की भारी कमी है। इस साल मेसर्स जिंदल आईटीएफ ने अ.ज.प. साधन द्वारा एनटीपीसी, फरक्का के लिए आयातित कोयले की ढुलाई करने के लिए 19 जलयानों की अधिप्राप्ति करके तैनात कर दिया है। ये जलयान सैंडहेड/हल्दिया और फरक्का के बीच चलती है।

भा.अ.ज.प्रा. के पास 7 कार्गो जलयान हैं जिनमें से 4 यानी एमवी राजगोपालाचारी, एमवी रविन्द्रनाथ टैगोर, एमवी लाल बहादुरशास्त्री और एमवी वी.वी. गिरि को रा.ज.–1, रा.ज.–2 और भारत–बांग्लादेश प्रोटोकॉल मार्ग पर निर्धारित समय पर चलने के लिए लगा दिया गया है। इसके अतिरिक्त, 3 जलयान जैसे–एमवी होमीभावा, एमवी जाकिर हुसैन और एमवी विश्वेश्वरैया को खुली निविदा के आधार पर रा.ज.–1, रा.ज.–2 और भारत–बांग्लादेश प्रोटोकॉल मार्ग पर चलाने के लिए निजी प्रचालकों को दे दिया गया है।

वर्ष के दौरान अ.ज.प. साधन द्वारा भारत से बांग्लादेश 18.81 लाख एमटी कार्गो का निर्यात किया गया जिसमें से 18.69 लाख एमटी फ्लाई ऐश था। कार्गो हैंडलिंग के लिए पटना, हल्दिया, कोलकाता और पांडु के जेट्टियों पर क्रेन और अन्य यांत्रिक हैंडलिंग उपकरण तैनात किए गए थे।

राष्ट्रीय जलमार्गों पर वृहत आकार के कार्गो (ओडीसी) की ढुलाई नियमित रूप से हो रही है। ये मुख्यतया रा.ज.–1 और रा.ज.–2 के निकट पावर प्रोजेक्ट के लगने के कारण हैं। रा.ज.–1 पर कोलकाता से जमेनिया, बलिया, फतुहा तक ओडीसी के चार मालों और कोलकाता से असम तक ओडीसी के चार मालों की ढुलाई वर्ष के दौरान की गई। भा.अ.ज.प्रा. ने वर्ष 2013–14 के दौरान रा.ज.–1 पर मेसर्स हेरिटेज (पूर्व के पांडव क्रूज इंडिया प्रा. लि., नई दिल्ली) के अन्तर्देशीय वाटर क्रूज जलयान एमवी बंगाल पांडव, मेसर्स असम बंगाल नेविगेशन कं0 प्रा. लि. के एमवी सुकापा और विवाद क्रूज के एमवी परमहंस को ढुलाई करने में मदद किया। क्रूज जलयानों ने वर्ष के दौरान विदेशी पर्यटकों को कोलकाता से सिमरिया/राजमहल/पटना/बक्सर–कोलकाता के बीच लाने और ले जाने का 14 खेप लगाया। रा.ज.–2 पर मेसर्स असम बंगाल नेविगेशन कं0 और ब्रह्मपुत्र क्रूज प्रा. लि. नदी क्रूज चलाता है। मेसर्स असम बंगाल नेविगेशन कं0 और मेसर्स फार होरायजन टूर्स द्वारा रा.ज.–2 पर एमवी चरैदू और एमवी महाबाहु नामक क्रूज जलयानों को लगाया गया है। रा.ज.–3 पर अनेक आवास नौका और पर्यटक नौका चल रहे हैं।

फरक्का में अवसंरचना के निर्माण के बाद मध्य समुद्र में प्रचालन हेतु ट्रांसशिपर को लगाने और अन्तर्देशीय बार्जों के अधिग्रहण करने के बाद मेसर्स जिंदल आईटीएफ ने रा.ज.–1 पर अक्तूबर–नवंबर, 2013 में कोयले की ढुलाई प्रारंभ किया। रा.ज.–1 पर आयातित कोयले की ढुलाई का शुभारंभ माननीय पोत परिवहन मंत्री द्वारा 25 नवंबर, 2013 को किया गया। अब तक रा.ज.–1 पर फरक्का स्थित एनटीपीसी के ताप विद्युत संयंत्र तक मेसर्स जिंदल आईटीएफ द्वारा 2.64 लाख मिट्रिक टन आयातित कोयले की ढुलाई की गई है।

भा.अ.ज.प्रा. कार्गो उन्मुख परियोजनाओं को लगाने की तैयारी अ.ज.प. क्षेत्र में निजी निवेश कराने के लिए कर रहा है। इन परियोजनाओं की देखरेख प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा किया जा रहा है।

बाढ स्थित एनटीपीसी के सुपर थर्मल पावर स्टेशन हेतु 10 वर्षों की अवधि के लिए 3 एमएमटीपीए आयातित कोयले की ढुलाई की एक परियोजना पर विचार किया गया है। इस परियोजना में ट्रांसशिपर को लीज पर लेने/अधिग्रहण करने, 1500 एमटी क्षमता के 70 बार्जों, एनटीपीसी द्वारा बाढ़ में करीब 5 एकड़ जमीन की अधिप्राप्ति, बाढ़ में बर्थिंग और कार्गो हैंडलिंग अवसंरचना का निर्माण और 3 वर्षों में एनटीपीसी कोयला स्टॉक यार्ड और नदी के मुहाने को जोड़ने के लिए करीब 3.5 कि.मी. के कन्वेयर का निर्माण पर विचार किया जा रहा है। वर्ष 2014–15 में एनटीपीसी लि0 के पक्ष में जारी आरएफपी के बाद यह कार्य सफल बीडर को आवंटित करने की उम्मीद है।

उपर्युक्त के अलावा निजी क्षेत्र द्वारा निवेश करने लायक कुछ अन्य व्यवहार्य परियोजनाओं को भी अभिज्ञात किया गया है। इन परियोजनाओं में बोनगईगांव, असम स्थित एनटीपीसी के विद्युत संयंत्र हेतु 0.5 एमएमटीपीए आयातित कोयले की ढुलाई, अ.ज.प. साधन द्वारा त्रिपुरा तक एफसीआई के खाद्यान्नों की ढुलाई, अ.ज.प. साधन द्वारा खाद्यान्न, एलपीजी, बिटुमेन, उर्वरक जैसे अन्य कार्गो की ढुलाई और रा.ज.–3 पर भा.अ.ज.प्रा. के टर्मिनलों का प्रचालन और अनुरक्षण को शामिल किया गया है।

वायकॉम और तनीरमुखम स्थित टर्मिनलों के प्रचालन और अनुरक्षण का काम केरल नौवहन और अन्तर्देशीय नौचालन निगम (केएसआईएनसी) को दिया गया है।

16. वित्तीय निष्पादन

क. आय और व्यय

वित्तीय वर्ष 2013–14 के दौरान, पोत परिवहन मंत्रालय, भारत सरकार से 15,100.00 लाख रुपए की राशि प्राप्त हुई थी और 801.86 लाख रुपए की राशि प्राधिकरण द्वारा अल्पावधि जमा पर ब्याज, टेंडर फर्मों की बिक्री, वृहत आकार के कार्गो/सामान्य कार्गो की ढुलाई, बर्थिंग/पायलटेज, प्रभार इत्यादि से अर्जित की गई थी। मुख्य स्कीमों के अनुसार व्यय के ब्योरे निम्नलिखित हैं :–

(रु. लाख में)

क्र.सं0	योजना का नाम	व्यय	
		गत वर्ष 2012–13	चालू वर्ष 2013–14
1	तकनीकी अध्ययन	100.00	100.00
2	ऋण ब्याज इमदाद/आईवीबीवीएस	90.16	-
3	**राष्ट्रीय जलमार्ग सं0–1**		
क	नदी संरक्षण कार्य	3687.59	4165.72
ख	कार्गो बर्थ का निर्माण	810.34	446.63
ग	निकर्षकों एवं एलाइड जलयानों का निर्माण	1561.25	75.99
घ	कार्गो जलयान की अधिप्राप्ति	65.93	-
ड.	स्टील पांतून की अधिप्राप्ति	15.19	-
च	पटना में कार्यालय भवन का निर्माण	-	110.87
छ	सर्वे उपकरण की अधिप्राप्ति	16.26	27.16
ज	डीजीपीएस स्टेशन का स्थापन	-	-
झ	पटना में कार्यालय भवन	435.84	921.29
ञ	आरआईएस प्रणाली का स्थापन	-	36.30
ट	निनी	1144.54	315.29
4	**राष्ट्रीय जलमार्ग सं0–2**		
क	नदी संरक्षण कार्य	1637.35	1207.24
ख	टर्मिनल का निर्माण	2029.50	3581.30
ग	निकर्षकों एवं एलाइड जलयानों का निर्माण	659.80	69.92
घ	डीजीपीएस की अधिप्राप्ति	56.52	-
ड.	स्टील पांतून का निर्माण	62.37	-
च	बहुद्देशीय टग का अधिग्रहण	101.38	
छ	कार्यालय भवन का निर्माण	-	-
ज	सर्वे उपकरण की अधिप्राप्ति	-	5.71
5	**राष्ट्रीय जलमार्ग सं0–3**		
क	नदी संरक्षण कार्य	1378.43	1912.97
ख	टर्मिनल का निर्माण	773.65	41.74
ग	ड्रेजिंग यूनिट की अधिप्राप्ति	100.84	-
घ	सर्वे उपकरण की अधिप्राप्ति	-	8.66
6	**राष्ट्रीय जलमार्ग सं0– 4**		
क	विकासात्मक कार्य	-	85.30
7	**राष्ट्रीय जलमार्ग सं0–5**		
क	विकासात्मक कार्य	-	76.00
8	आई.टी. संबंधी कार्यकलापों पर व्यय	73.89	22.15
9	अ.ज.प. उन्नयन क्रियाकलाप	164.79	287.13
10	स्थापना (आयकर सहित)	1775	4763.64
	कुल	**16740.62**	**18261.01**

ख. स्रोत और निधि का विनियोग

(रु. लाख में)

क्र.सं0	योजना का नाम	व्यय	
		गत वर्ष 2012–13	चालू वर्ष 2013–14
	स्रोत		
1	पूंजी अनुदान में वृद्धि	8294.56	5965.43
2	पूंजीगत कार्य में कमी	-	
3	वर्ष के दौरान व्यय से अधिक आय	-	
4	पूंजीगत कार्य की प्रगति में कमी	3818.83	
	कुल	**12113.39**	**5965.43**
	विनियोग		
1	स्थायी परिसम्पत्तियों में वृद्धि	11727.59	3369.98
2	पूंजीगत कार्य की प्रगति में वृद्धि	-	850.62
3	कार्यशील पूंजी में वृद्धि	385.80	1744.83
	कुल	**12113.39**	**5965.43**

ग. रोकड़ प्रवाह के विवरण

(रु0 लाख में)

	वित्तीय वर्ष 2012–13	वित्तीय वर्ष 2013–14
प्रचालन संबंधी कार्यकलापों से रोकड़ प्रवाह		
आय से अधिक व्यय	(8,173.64)	(1,316.16)
पूंजी आरक्षित	(2.34)	(6.04)
मूल्यह्रास	2,599.60	2,598.75
प्रतिस्थापन आरक्षित	(2,599.60)	(2,598.75)
चुकता ब्याज	-	-
हानि : ब्याज से आय	(189.82)	(261.40)
जोड़ : स्थायी परिसम्पत्तियों की बिक्री पर हानि/बट्टा खाता/न्यून : बिक्री पर लाभ	(1.23)	3.64
भंडार के लोप के लिए प्रावधान	-	-
कार्मिकों के लाभ हेतु खुले आरक्षित का प्रावधान	-	-
प्रचालन लाभ	**(8,367.03)**	**(1,579.96)**
कार्यकारी पूंजी परिवर्तन हेतु समायोजन		
भंडारण में वृद्धि/कमी	80.75	1.60
ऋण और अग्रिम में वृद्धि/कमी	(421.48)	(2,274.32)
अन्य के खाते में जमा में वृद्धि/कमी	(149.95)	(201.79)
चालू दायित्वों में वृद्धि/कमी	(724.05)	220.11
अन्य दायित्वों और प्रावधानों में वृद्धि/कमी	1.86	2,630.95
प्रचालन से सृजित रोकड़	**(9,579.90)**	**(1,203.41)**
आयकर (शुद्ध)	-	
प्रचालन संबंधी कार्यकलापों से शुद्ध रोकड़	**(9,579.90)**	**(1,203.41)**
निवेश संबंधी कार्यकलापों से रोकड़ प्रवाह (क)		
स्थायी परिसम्पत्तियों की खरीद और सीडब्ल्यूआईपी में कमी/सीडब्ल्यूआईपी में वृद्धि	(11,980.05)	(3,426.94)
स्थायी परिसम्पत्तियों की बिक्री	252.46	56.96
परिसम्पत्तियों की बिक्री पर लाभ/परिसम्पत्ति की बिक्री पर हानि	1.23	(3.64)
प्रतिस्थापन आरक्षित से	12.40	6.53
सीडब्ल्यूआईपी में वृद्धि	3,818.82	(850.62)
सरकारी अनुदान की प्राप्ति	17,101.25	17,337.21
ब्याज से आय	189.82	261.40
निवेश संबंधी कार्यकलापों से रोकड़ प्रवाह (ख)	**9,395.93**	**13,380.90**
वित्तीय कार्यकलापों से रोकड़ प्रवाह		
बैंक ओवर ड्राफ्ट में वृद्धि/कमी	-	-
लाभांश और कारपोरेट लाभांश कर	-	-
वित्तीय कार्यलापों से शुद्ध रोकड़(ग)		
वर्ष के दौरान रोकड़ और रोकड़ समतुल्य में कुल वृद्धि/कमी	(183.97)	261.97
वर्ष के प्रारंभ में रोकड़ और रोकड़ समतुल्य	3,326.33	3,142.36
वर्ष के अंत में रोकड़ और रोकड़ समतुल्य	**3,142.36**	**3,404.33**

17. प्राधिकरण में संघ सरकार की राजभाषा नीति का कार्यान्वयन : 2013–14

प्राधिकरण अपने सभी कार्यकलापों में भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन हेतु प्रगामी रूप में कार्य करने के लिए कटिबद्ध है। प्राधिकरण के मुख्यालय एवं क्षेत्रीय कार्यालयों में समय–समय पर हिन्दी कार्यशालाएं और अन्य संबंधित कार्यकलाप आयोजित किए गए। प्राधिकरण के मुख्यालय एवं सभी क्षेत्रीय कार्यालयों में हिन्दी दिवस/ सप्ताह/पखवाड़ा आयोजित किया गया। इस अवसर पर सभी कार्यालयों में विभिन्न प्रकार की हिन्दी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग द्वारा भा0 अ0 ज0 प्रा0 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) नौएडा के सभी सदस्य कार्यालयों में भारत सरकार की राजभाषा नीति को कार्यान्वित कराने का अतिरिक्त दायित्व भी सौंपा गया है। भा0 अ0 ज0 प्रा0 के अध्यक्ष इस समिति के अध्यक्ष हैं। नराकास, नौएडा के विभिन्न सदस्य कार्यालयों में राजभाशा हिन्दी के कार्यान्वयन में आने वाली समस्याओं पर विचार–विमर्श करने के लिए अर्द्धवार्षिक बैठक नियमित रूप से आयोजित की गई। सदस्य कार्यालयों के कार्मिकों को राजभाशा हिन्दी में अधिक से अधिक काम करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु समय–समय पर विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं, कार्यशालाएं और अन्य संबंधित गतिविधियाँ न0 रा0 का0 स0, नौएडा के तत्वावधान में आयोजित की गईं। इसके अतिरिक्त, 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं में उत्कृश्ट अंक लाने वाले सदस्य कार्यालयों के कार्मिकों के बच्चों को प्रत्येक वर्श 'हिन्दी प्रतिभा पुरस्कार' से सम्मानित किया जाता है।

18. कार्मिक और प्रशासन

यथा दिनांक 31.03.2014 को मुख्यालय में 35 अधिकारी एवं 65 स्टाफ तथा क्षेत्रीय कार्यालयों में 44 अधिकारी एवं 173 स्टाफ कार्यरत थे। प्राधिकरण ने राश्ट्रीय उत्पादकता परिशद की रिपोर्ट के आधार पर पुनर्संरचना प्रस्ताव भारत सरकार के विचाराधीन है।

आभारोक्ति

भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण, कर्मचारियों द्वारा सभी स्तरों पर दिए गए अमूल्य सहयोग और योगदान के लिए कृतज्ञता सहित आभार व्यक्त करता है।

भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण, पोत परिवहन मंत्रालय, भारत के लेखा नियन्त्रक एवं महालेखा परीक्षक और अन्य सरकारी विभागों / अभिकरणों द्वारा दिए गए सहयोग के लिए भी आभार व्यक्त करता है।

कृते एवं भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण के निमित्त

(अमिताभ वर्मा)
अध्यक्ष

भारतीय अन्तर्देशीय
तुलन पत्र यथा दिनांक

गत वर्ष (रुपए)	पूँजी एवं दायित्व	अनुसूची संख्या	चालू वर्ष (रुपए)	
1	2	3	4	5
	पूँजी			
9,437,244	पूँजी यू/एस 11 (i) (ग)		9,437,244	
7,664,387,398	पूँजी अनुदान यू/एस 18		8,260,930,832	
(1,383,232,813)	न्यून प्रतिस्थापन आरक्षित		(1,640,352,209)	
(7,566,865)	विस्थापन पट्टा किराया		(7,838,520)	6,622,177,347
	आरक्षित एवं अधिशेष			
14,945,955	पूँजी आरक्षित		14,995,367	
(5,512,022)	कटौती		(6,165,472)	8,829,895
	सामान्य रिजर्व			
	कटौती			
	उधारी			
	चालू दायित्व एवं प्रावधान			
			-	
291,536,084	चालू दायित्व	I	313,546,878	
17,663,069	प्रावधान		280,758,382	
	अन्यों के खातों		-	
118,042,635	में जमा		97,864,398	692,169,658
6,719,700,685	योग			**7,323,176,900**

अनुसूची I से VIII लेखा के अभिन्न भाग हैं।

(अजय कुमार गुप्ता)
मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)

(प्रवीर पाण्डेय)
सदस्य (वित्त)

जलमार्ग प्राधिकरण
31 मार्च, 2014

गत वर्ष (रुपए)	संपत्ति एवं परिसंपत्तियाँ	अनुसूची संख्या	चालू वर्ष (रुपए)	
6	7	8	9	10
	स्थायी परिसम्पत्तियाँ	II		
5,498,255,974	सकल ब्लॉक		5,835,253,912	
1,388,744,835	न्यून मूल्य ह्रास		1,646,517,681	
4,109,511,139	शुद्ध ब्लॉक		-	4,188,736,231
26,582,684	पट्टा भूमि		26,582,684	
(7,566,865)	न्यून बट्टा		(7,838,520)	18,744,164
1,205,021,620	पूँजीगत कार्य में प्रगति			1,290,083,699
-	**निवेश (लागत पर)**		-	-
-	सरकारी प्रतिभूति		-	54,375,213
5,300,000	से इतर सरकारी प्रतिभूति		-	5,300,000
	चालू परिसम्पत्तियाँ, ऋण एवं अग्रिम	II		
39,034,434	भंडार, कलपुर्जे एवं उपकरण		38,874,160	
-	लागत पर विविध देनदार		-	
1,027,581,990	जमा, ऋण एवं अग्रिम		1,255,014,199	
314,235,683	नकद एवं बैंक शेष		340,433,081	1,634,321,440
	विविध व्यय			
-	आय एवं व्यय खाता (नामे शेष)			131,616,153
6,719,700,685	**योग**			**7,323,176,900**

कृते तथा प्राधिकरण के निमित्त

(जयश्री मुखर्जी)
उपाध्यक्ष

(अमिताभ वर्मा)
अध्यक्ष

भारतीय अन्तर्देशीय
दिनांक 31 मार्च, 2014 को

गत वर्ष (रुपए)	व्यय	अनुसूची संख्या	चालू वर्ष (रुपए)	
1	2	3	4	5
	प्रचालन एवं अनुरक्षण खर्च			
		IV		
	वेतन और भत्ते एवं			
110,426,937	अन्य स्टाफ लागतें		292,630,427	
79,704,461	सर्वेक्षण		73,790,829	
286,829,029	निकर्षण		316,251,450	
35,103,205	बंडालिंग		44,624,619	
-	नौचालन एवं चैनल मार्किंग			
14,057,134	के लिए सहायता		12,880,358	
	बार्जिंग			
36,007,003	टर्मिनल सुविधाएं		58,645,166	
32,103,579	जलयान मरम्मत		37,098,794	
26,072,050	प्रशिक्षण संस्थान निनी		30,417,097	
65,378,404	रात्रि नौचालन		68,080,517	
-	लॉक का अनुरक्षण		-	
683,000	तट रक्षण		-	
-	नदी प्रशिक्षण कार्य		-	
12,599,543	प्रोटोकॉल		12,038,833	
	अन्य प्रशासनिक			
34,940,415	एवं विविध खर्च		47,551,849	994,009,939
	प्रशासनिक खर्च			
	वेतन और भत्ते एवं			
73,583,396	अन्य स्टाफ लागतें	V		158,520,512
	सामान्य			
23,858,416	एवं अन्य खर्चे	VI	-	22,182,104
	वित्तीय प्रभार			
			-	-
59,987	बैंक कमीशन/प्रभार		-	118,298
	ब्याज			
7,388,640	आई.टी. खर्चे			2,215,387
	बट्टे खाते में डालना			
	विदेशी मुद्रा			
	तकनीकी अध्ययन एवं			
14,291,358	परामर्शी शुल्क		-	11,908,443
-			-	
259,959,807	मूल्य ह्रास		-	259,875,183
9,016,000	इमदाद		-	-
-	परिसम्पत्तियों की बिक्री पर		-	363,694
-	हानि/कीमत/बट्टे खाते में डालना			
16,478,687	अ0 जा0 प0 प्रोन्नयन संबंधी कार्यकलाप		-	28,712,739
-	पूर्वावधि समायोजन लेखा			1,049,559
1,138,541,051	**योग**			**1,478,955,858**

(अजय कुमार गुप्ता)
मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)

(प्रवीर पाण्डेय)
सदस्य (वित्त)

जलमार्ग प्राधिकरण
समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय

गत वर्ष (रुपए)	आय	अनुसूची संख्या	चालू वर्ष (रुपए)	
6	7	8	9	10
817,364,436	सरकार के राजस्व अनुदान			1,137,176,551
18,981,771	ब्याज / आय			26,140,436
	परामर्शी शुल्क			-
-	स्टोरेज और हैंडलिंग प्रभार			-
-	घाट शुल्क			-
	डिमरेज			-
222,278	पायलटेज प्रभार			362,553
2,288,216	बर्थिंग प्रभार			2,611,242
17,628,039	अन्य			24,989,603
17,502,600	विविध प्राप्तियाँ			27,122,619
-	किराया टर्मिनल			677,671
	उभय प्रविष्टियों के अनुसार पूँजी आरक्षित			
259,959,807	उभय प्रविष्टियों			259,875,183
123,490	के अनुसार स्थायी परिसम्पत्तियों पर लाभ			-
				-
-				-
4,470,414	पूर्वावधि समायोजन आय से व्यय की अधिकता को तुलन पत्र में दर्शाया गया			-
1,138,541,051	योग			- 1,478,955,858

कृते तथा प्राधिकरण के निमित्त

(जयश्री मुखर्जी)
उपाध्यक्ष

(अमिताभ वर्मा)
अध्यक्ष

अन्य अनुसूचियाँ
एवं
अंकेक्षण रिपोर्ट

अनुसूची - I

चालू दायित्व और प्रावधान यथा दिनांक 31.03.2014

गत वर्ष (रुपए)	विवरण	चालू वर्ष (अंक रुपयों में)	
	(क) चालू दायित्व		
-		-	
203,169	(i) फुटकर लेनदारों के लिए दायित्व	594,216	
135,897,378	(ii) खर्चों के लिए दायित्व	142,843,488	
63,304,957	(iii) अधिशेष में प्राप्त अनुदान		
92,130,580	(iv) अन्य	170,109,174	313,546,878
	(ख) प्रावधान		
1,086,039	(i) उपदान हेतु प्रावधान	13,789,783	
1,099,633	(ii) अवकाश वेतन एवं पेंशन अंशदान हेतु प्रावधान (प्रतिनियुक्ति)	1,216,208	
1,021,684	(iii) बोनस के लिए प्रावधान	1,029,792	
14,400,455	(iv) पेंशन एवं उपदान अंशदान के लिए प्रावधान	254,219,638	
-	(v) अवकाश नकदीकरण का प्रावधान	10,502,961	-
55,258	(vi) नई पेंशन का प्रावधान	-	280,758,382
	(ग) अन्यों के खातों में जमा		
118,042,635	विविध पार्टियाँ	97,864,398	97,864,398
427,241,788	**योग**		**692,169,658**

कृते तथा प्राधिकरण के निमित्त

(अजय कुमार गुप्ता)
मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)

(प्रवीर पाण्डेय)
सदस्य (वित्त)

(जयश्री मुखर्जी)
उपाध्यक्ष

(अमिताभ वर्मा)
अध्यक्ष

भारतीय अन्तर्देशीय
स्थायी परिसम्पत्तियों की अनुसूची यथा

	विवरण	31.03.2013 को सकल ब्लॉक	वर्ष के दौरान जोड़	समायोजन / कटौतियाँ	31.03.2014 को सकल ब्लॉक
					(3+4+5)
1	2	3	4	5	6
नौएडा	सर्वे उपकरण	4,490,899	-		4,490,899
	वाहन	1,913,013	772,030	(372,670)	2,312,373
	फर्नीचर एवं उपस्कर	4,493,118	642,828	-	5,135,946
	कार्यालय उपकरण	3,176,880	1,578,786	-	4,755,666
	बिजली अधिष्ठापन	1,128,526	9,056,519		10,185,045
	वातानुकूलन यंत्र	3,377,527	17,179,369	(1,499,345)	19,057,551
	जलशीतलक एवं प्रशीतलक	182,751	-		182,751
	पंखे एवं वायुशीतलक	1,172,673	10,350		1,183,023
	जनरेटर सेट	1,148,720	5,785,898		6,934,618
	साइकिल	27,711	-		27,711
	अस्थायी संरचना	539,260			539,260
	पुस्तकालय पुस्तकें	943,882	51,319		995,201
	कम्प्यूटर	14,598,719	1,391,697	-	15,990,416
	संचार उपकरण	778,471	-		778,471
	भवन	24,937,527	78,807,313		103,744,840
	कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	1,297,561	217,450		1,515,011
	आवासीय क्वार्टर	30,732,753			30,732,753
	कार पार्किंग		23,392,491		23,392,491
	यात्री लिफ्ट		4,612,400		4,612,400
	योग (क)	**94,939,991**	**143,498,450**	**(1,872,015)**	**236,566,426**
कोलकाता	टर्मिनल	57,121,071	697,370		57,818,441
	वाहन	1,213,641			1,213,641
	फर्नीचर एवं उपस्कर	1,362,855	86,611		1,449,466
	कार्यालय उपकरण	543,174	-	-	543,174
	बिजली अधिष्ठापन	67,889	-	-	67,889
	सर्वे उपकरण	24,083,941	1,236,424		25,320,365
	पुस्तकालय पुस्तकें	124,445	520		124,965
	गति नौकाएं	2,961,016	-		2,961,016
	जलयान साधारण	206,125,218	-		206,125,218
	पंखे एवं वायुशीतलक	76,323	-		76,323
	संचार नेटवर्क	450,413	-		450,413
	बार्ज	120,209,101	-		120,209,101
	साइकिल	5,975	-		5,975
	जलयान निकर्षक एकक	484,790,878	7,599,029		492,389,907
	कम्प्यूटर	2,340,622	231,360		2,571,982
	कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	1,104,784	575,000		1,679,784
	रात्रि नौचालन उपकरण	30,044,472	9,759,499	(444,948)	39,359,023
	वातानुकूलन यंत्र	658,854	-	-	658,854
	जेनरेटर सेट	1,185,869	-		1,185,869
	डीजीपीएस स्टेशन	14,215,359	-		14,215,359
	योग (ख)	**948,685,900**	**20,185,813**	**(444,948)**	**968,426,765**

(अजय कुमार गुप्ता)
मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)

(प्रवीर पाण्डेय)
सदस्य (वित्त)

जलमार्ग प्राधिकरण
दिनांक 31 मार्च, 2014

अनुसूची–II

(रुपए अंकों में)

मूल्य ह्रास		बिक्री / हस्तांतरित परिसम्पत्तियों का समायोजन	31.03.2014 को कुल मूल्यह्रास	31.03.2014 को शुद्ध ब्लॉक
31.03.2013 को	वर्ष हेतु			
			(7+8+9)	(6-10)
7	8	9	10	11
2,858,835	213,318		3,072,153	1,418,746
1,646,966	182,838	(606,962)	1,222,842	1,089,531
3,297,233	184,051	(241,324)	3,239,960	1,895,986
1,289,069	201,510	181,422	1,672,001	3,083,665
759,915	480,986	(1,363)	1,239,538	8,945,507
2,049,637	905,234	(711,427)	2,243,444	16,814,107
	-		-	
67,792	8,681	(1,397)	75,076	107,675
782,058	56,195	(6,789)	831,464	351,559
670,845	329,395	11	1,000,251	5,934,367
23,259	1,960	(1,888)	23,331	4,380
539,260	-	-	539,260	-
943,882	51,319	-	995,201	-
11,134,510	929,261	59,175	12,122,946	3,867,470
378,183	29,519	(22,373)	385,329	393,142
5,690,748	1,691,041		7,381,789	96,363,051
1,102,038	139,019	(199,822)	1,041,235	473,776
5,510,384	500,944		6,011,328	24,721,425
-	1,111,143		1,111,143	22,281,348
-	219,089		219,089	4,393,311
38,744,614	**7,235,503**	**(1,552,737)**	**44,427,380**	**192,139,046**
19,485,387	2,746,377		22,231,764	35,586,677
1,154,735	-		1,154,735	58,906
523,768	74,492		598,260	851,206
218,664	21,092		239,756	303,418
15,088	3,226	-	18,314	49,575
11,905,092	897,561	-	12,802,653	12,517,712
124,445	520		124,965	-
2,398,063	92,930		2,490,993	470,023
67,673,536	6,882,929		74,556,465	131,568,753
30,433	3,471		33,904	42,419
268,880	12,719		281,599	168,814
21,141,561	4,014,984		25,156,545	95,052,556
3,170	331		3,501	2,474
109,364,789	29,650,073		139,014,862	353,375,045
1,845,288	151,283		1,996,571	575,411
1,052,313	112,323		1,164,636	515,148
8,954,676	1,987,661	(206,375)	10,735,962	28,623,061
55,603	31,297	-	86,900	571,954
91,526	56,329	-	147,855	1,038,014
1,350,460	675,230		2,025,690	12,189,669
247,657,477	**47,414,828**	**(206,375)**	**294,865,930**	**673,560,835**

कृते तथा प्राधिकरण के निमित्त

(जयश्री मुखर्जी)
उपाध्यक्ष

(अमिताभ वर्मा)
अध्यक्ष

भारतीय अन्तर्देशीय
स्थायी परिसम्पत्तियों की अनुसूची यथा

	विवरण	31.03.2013 को सकल ब्लॉक	वर्ष के दौरान जोड़	समायोजन/ कटौतियाँ	31.03.2014 को सकल ब्लॉक
					(3+4+5)
1	2	3	4	5	6
पटना	भूमि	35,051,542	-		35,051,542
	वाहन	886,075		-	886,075
	फर्नीचर एवं उपस्कर	508,394	-	-	508,394
	कार्यालय उपकरण	363,661	48,213	-	411,874
	बिजली अधिष्ठापन	37,801	-		37,801
	वातानुकूलन यंत्र	133,348	-	-	133,348
	पंखे एवं वायुशीतलक	32,925			32,925
	जलशीतलक एवं	-			-
	प्रशीतलक	41,699	-	-	41,699
	जेनरेटर सेट	61,962		-	61,962
	सर्वे उपकरण	21,414,006	752,274	1,803,731	23,970,011
	जलयान : निकर्षक एकक	342,348,611	-	-	342,348,611
	जलयान : साधारण	137,428,270	-		137,428,270
	गति नौकाएं	2,745,901			2,745,901
	बार्ज	84,062,200	-		84,062,200
	अस्थायी संरचना	1,018,158	-		1,018,158
	साइकिल	2,672			2,672
	कम्प्यूटर	3,552,607	195,500	(72,828)	3,675,279
	पुस्तकालय पुस्तकें	69,792	5,995		75,787
	सर्वे उपकरण (कम्प्यूटर)	5,050,724	266,450	58,000	5,375,174
	सर्वे स्तंभ	649,995			649,995
	संचार उपकरण	1,052,901	-	65,957	1,118,858
	भवन	-	-	-	-
	टर्मिनल	580,916,758	21,993,000	-	602,909,758
	रात्रि नौचालन बोया	9,277,200			9,277,200
	डीजीपीएस स्टेशन	32,245,501	-	-	32,245,501
	बीकन टावर	15,895,321	-		15,895,321
	क्रेन	46,326,824	-		46,326,824
	योग (ग)	**1,321,174,848**	**23,261,432**	**1,854,860**	**1,346,291,140**
गुवाहाटी	संचार उपकरण	1,673,126	-		1,673,126
	वाहन	590,523	-		590,523
	फर्नीचर एवं उपस्कर	919,772	-		919,772
	कार्यालय उपकरण	495,972	-	-	495,972
	बिजली अधिष्ठापन	46,979	-		46,979
	पंखे एवं वायुशीतलक	39,580	-		39,580
	सर्वे उपकरण	16,747,903	570,815	-	17,318,718
	साइकिल	680			680
	पुस्तकालय पुस्तकें	35,550	4,320		39,870
	जलयान गति नौका	3,155,336	-		3,155,336
	जेनरेटर सेट	36,100			36,100
	कम्प्यूटर	4,156,804	283,100		4,439,904
	टर्मिनल–पांडु	507,333,127	34,130,120	-	541,463,247
	रात्रि नौचालन उपकरण	12,460,554	-	-	12,460,554
	बार्ज	133,745,241	-		133,745,241
	जलयान – साधारण	184,159,998	-	-	184,159,998
	पांडु टर्मिनल	35,853,889	3,603,920		39,457,809
	जलयान निकर्षक यूनिट	945,204,595	7,531,988	-	952,736,583
	क्रेन	44,969,796			44,969,796
	वातानुकूलन यंत्र	103,450	142,900		246,350
	भवन	-		-	-
	योग (घ)	**1,891,728,975**	**46,267,163**	**-**	**1,937,996,138**

(अजय कुमार गुप्ता)
मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)

(प्रवीर पाण्डेय)
सदस्य (वित्त)

जलमार्ग प्राधिकरण
दिनांक 31 मार्च, 2014

अनुसूची–II

(रुपए अंकों में)

मूल्य ह्रास		बिक्री / हस्तांतरित परिसम्पत्तियों का समायोजन	31.03.2014 को कुल मूल्यह्रास	31.03.2014 को शुद्ध ब्लॉक
31.03.2013 को	वर्ष हेतु			
			(7 + 8 + 9)	(6 - 10)
7	8	9	10	11
-			-	35,051,542
841,769	-	-	841,769	44,306
445,404	2,834	-	448,238	60,156
265,302	7,062	-	272,364	139,510
31,663	327		31,990	5,811
73,413	4,132	-	77,545	55,803
31,279	-		31,279	1,646
-			-	-
11,718	1,494	-	13,212	28,487
60,649	-	-	60,649	1,313
14,094,332	567,317	1,418,145	16,079,794	7,890,217
231,273,449	13,933,615	-	245,207,064	97,141,547
37,003,255	4,589,953		41,593,208	95,835,062
2,169,125	111,382		2,280,507	465,394
29,082,089	2,788,934		31,871,023	52,191,177
1,018,158	-		1,018,158	-
2,538			2,538	134
3,124,234	81,529	(69,186)	3,136,577	538,702
69,792	5,995		75,787	-
4,699,819	63,430	55,100	4,818,349	556,825
237,931	21,905		259,836	390,159
900,837	15,852	31,134	947,823	171,035
-	-	-	-	-
98,301,439	28,638,214	-	126,939,653	475,970,105
2,203,335	440,667		2,644,002	6,633,198
4,407,493	1,531,662	-	5,939,155	26,306,346
2,265,081	755,028		3,020,109	12,875,212
13,790,305	1,547,317		15,337,622	30,989,202
446,404,409	**55,108,649**	**1,435,193**	**502,948,251**	**843,342,889**
1,073,984	39,703		1,113,687	559,439
560,997	-		560,997	29,526
493,614	38,044		531,658	388,114
158,278	22,023	-	180,301	315,671
22,435	1,429		23,864	23,115
17,783	1,289		19,072	20,508
7,362,457	806,582	-	8,169,039	9,149,679
646	-		646	34
35,550	4,320		39,870	-
1,907,317	207,346		2,114,663	1,040,673
25,725	1,715		27,440	8,660
3,599,049	175,768		3,774,817	665,087
111,632,369	25,719,508	-	137,351,877	404,111,370
4,489,685	591,876	-	5,081,561	7,378,993
33,354,586	4,467,092		37,821,678	95,923,563
51,724,509	6,150,943	-	57,875,452	126,284,546
-			-	39,457,809
244,799,389	66,691,560		311,490,949	641,245,634
12,015,928	1,501,991		13,517,919	31,451,877
20,925	11,702		32,627	213,723
-	-	-	-	-
473,295,226	**106,432,891**	**-**	**579,728,117**	**1,358,268,021**

कृते तथा प्राधिकरण के निमित्त

(जयश्री मुखर्जी)
उपाध्यक्ष

(अमिताभ वर्मा)
अध्यक्ष

भारतीय अन्तर्देशीय स्थायी परिसम्पत्तियों की अनुसूची यथा

	विवरण	31.03.2013 को सकल ब्लॉक	वर्ष के दौरान जोड़	समायोजन/ कटौतियाँ	31.03.2014 को सकल ब्लॉक
					(3+4+5)
1	2	3	4	5	6
भागलपुर	बोया	54,467			54,467
	वाहन	152,658			152,658
	फर्नीचर एवं उपस्कर	182,158	-	-	182,158
	कार्यालय उपकरण	52,290	13,800		66,090
	बिजली अधिष्ठापन	3,227			3,227
	पंखे एवं वायुशीतलक	5,899	10,000		15,899
	सर्वे उपकरण	2,210,143	321,350		2,531,493
	बार्ज	561,255			561,255
	साइकिल	701			701
	पुस्तकालय पुस्तकें	22,014	3,791		25,805
	संचार उपकरण	157,026			157,026
	भूमि	36,734			36,734
	कम्प्यूटर	211,197	26,000		237,197
	डीजीपीएस स्टेशन	18,320,308	-	-	18,320,308
	टर्मिनल्स–	2,706,463	-	-	2,706,463
		-	20,000		20,000
	योग (ङ)	**24,676,540**	**394,941**	**-**	**25,071,481**
कोची	वाहन	383,614	-		383,614
	फर्नीचर एवं उपस्कर	680,014	14,370		694,384
	कार्यालय उपकरण	311,981	-		311,981
	पंखे एवं वायुशीतलक	49,925	6,960		56,885
	वातानुकूलन यंत्र	67,595	-		67,595
	सर्वे उपकरण	9,267,030	866,049	-	10,133,079
	संचार उपकरण	734,727	-		734,727
	जेनरेटर	354,969	-		354,969
	कम्प्यूटर	3,709,117	7,770		3,716,887
	सर्वे लांच	4,983,591	-		4,983,591
	गति नौकाएं	1,120,418	-	-	1,120,418
	भूमि (टर्मिनल)	105,561,700	11,063,522		116,625,222
	भूमि चौड़ा करना	210,147,427	-		210,147,427
	पुस्तकालय पुस्तकें	19,847	-		19,847
	भवन	3,968,162	3,900,000		7,868,162
	टर्मिनल	271,082,016	55,472,956		326,554,972
	ड्रेजर	185,515,771	644,646	(3,239,417)	182,921,000
	रात्रि नौचालन	29,928,342	3,210,711	(58,317)	33,080,736
	थोटापल्ली में पैदल पार करने वाला पुल	2,188,615	-		2,188,615
	फोर्क लिफ्ट्स	6,370,925	-		6,370,925
	हाइड्रोलिक क्रेन	68,945,177	-		68,945,177
	अस्थायी टर्मिनल	1,196,370	-		1,196,370
	योग (च)	**906,587,333**	**75,186,984**	**(3,297,734)**	**978,476,583**
इलाहाबाद	कम्प्यूटर	300,984	72,828	(58,000)	315,812
	फर्नीचर एवं उपस्कर	154,341		-	154,341
	कार्यालय उपकरण	63,554			63,554
	पंखे एवं वायुशीतलक	12,155			12,155
	पुस्तकालय पुस्तकें	26,425	4,425		30,850
	बिजली अधिष्ठापन	24,950			24,950
	भूमि	2,405,763			2,405,763
	टर्मिनल	5,882,942	-		5,882,942
	सर्वे उपकरण	4,072,378	-	(1,787,931)	2,284,447
	योग (छ)	**12,943,492**	**77,253**	**(1,845,931)**	**11,174,814**

(अजय कुमार गुप्ता)
मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)

(प्रवीर पाण्डेय)
सदस्य (वित्त)

जलमार्ग प्राधिकरण
दिनांक 31 मार्च, 2014

अनुसूची–II

(रुपए अंकों में)

मूल्य ह्रास		बिक्री / हस्तांतरित परिसम्पत्तियों का समायोजन	31.03.2014 को कुल मूल्यह्रास	31.03.2014 को शुद्ध ब्लॉक
31.03.2013 को	वर्ष हेतु			
			(7 + 8 + 9)	(6 - 10)
7	8	9	10	11
52,612	-		52,612	1,855
151,776			151,776	882
137,630	8,653	-	146,283	35,875
42,478	3,139		45,617	20,473
2,045	153		2,198	1,029
5,899	475		6,374	9,525
1,463,643	120,246		1,583,889	947,604
554,410	-		554,410	6,845
666	16	-	682	19
22,014	3,791	-	25,805	-
157,026	-		157,026	-
			-	36,734
211,197	4,215		215,412	21,785
3,397,381	870,215	-	4,267,596	14,052,712
157,506	128,557	-	286,063	2,420,400
-	950		950	19,050
6,356,283	**1,140,410**	**-**	**7,496,693**	**17,574,788**
360,293	-		360,293	23,321
471,026	29,554		500,580	193,804
158,758	10,874		169,632	142,349
20,447	2,553		23,000	33,885
40,847	3,211		44,058	23,537
4,714,792	431,920	-	5,146,712	4,986,367
325,791	34,900		360,691	374,036
116,957	16,861		133,818	221,151
3,402,832	77,985		3,480,817	236,070
2,451,775	166,452		2,618,227	2,365,364
633,712	79,214		712,926	407,492
-	-		-	116,625,222
-	-		-	210,147,427
19,847	-		19,847	-
690,566	64,681		755,247	7,112,915
63,418,100	15,511,361		78,929,461	247,625,511
31,520,840	12,820,343	(226,759)	44,114,424	138,806,576
10,492,813	1,571,389	(32,653)	12,031,549	21,049,187
712,589	103,959		816,548	1,372,067
2,702,548	450,424		3,152,972	3,217,953
28,038,260	4,874,421		32,912,681	36,032,496
1,196,370	-		1,196,370	-
151,489,163	**36,250,102**	**(259,412)**	**187,479,853**	**790,996,730**
237,992	80,798	(55,100)	263,690	52,122
119,251	9,769	-	129,020	25,321
36,088	2,765		38,853	24,701
6,208	578		6,786	5,369
26,425	4,425		30,850	-
14,220	1,185		15,405	9,545
-			-	2,405,763
279,440	279,440		558,880	5,324,062
2,365,144	110,821	(1,416,845)	1,059,120	1,225,327
3,084,768	**489,781**	**(1,471,945)**	**2,102,604**	**9,072,210**

कृते तथा प्राधिकरण के निमित्त

(जयश्री मुखर्जी)
उपाध्यक्ष

(अमिताभ वर्मा)
अध्यक्ष

भारतीय अन्तर्देशीय
स्थायी परिसम्पत्तियों की अनुसूची यथा

	विवरण	31.03.2013 को सकल ब्लॉक	वर्ष के दौरान जोड़	समायोजन / कटौतियाँ	31.03.2014 को सकल ब्लॉक
					(3+4+5)
1	2	3	4	5	6
वाराणसी	फर्नीचर एवं उपस्कर	129,719	-		129,719
	कम्प्यूटर	308,505	-		308,505
	कार्यालय उपकरण	53,297	-		53,297
	पंखे एवं वायुशीतलक	5,875			5,875
	वाहन	243,069			243,069
	संचार उपकरण	65,957	-	(65,957)	-
	पुस्तकालय पुस्तकें	1,225	-		1,225
	सर्वे उपकरण	2,484,913		(23,937)	2,460,976
	भूमि	29,662,024	-		29,662,024
	योग (ज)	**32,954,584**	**-**	**(89,894)**	**32,864,690**
निनी	फर्नीचर एवं उपस्कर	3,544,642	1,438,019	-	4,982,661
	जेनरेटर सेट	657,371	-	-	657,371
	कम्प्यूटर	1,362,502	114,500	-	1,477,002
	कार्यालय उपकरण	1,183,609	-	-	1,183,609
	वायुशीतलक	1,237,281	-	-	1,237,281
	भवन / कार्यशाला	59,965,546	31,379,000	-	91,344,546
	छात्रावास एवं रसोई	606,957	-		606,957
	कार्यशाला उपकरण	331,832			331,832
	फायर मॉक अप उपकरण	5,231,866	5,278		5,237,144
	ओबीएम के साथ एफआरपी बोट	528,962	-		528,962
	जल शीतलक एवं प्रशीतलक	367,573	-	-	367,573
	अस्थाई संरचना	887,301	522,961		1,410,262
	पाठ्य सामग्री एवं उपकरण	444,583	-		444,583
	सिमुलेटर	31,731,375	-	-	31,731,375
	पुस्तकालय पुस्तकें	498,179	361,806		859,985
	सॉफ्टवेयर	3,108,400	-		3,108,400
	विद्युत स्थापन	101,676	-		101,676
	पंखे एवं वायुशीतलक	1,895	-		1,895
	भूमि	152,450,100	-		152,450,100
	योग (झ)	**264,241,650**	**33,821,564**	**-**	**298,063,214**
कालादान	फर्नीचर एवं उपस्कर	63,845	-		63,845
	अस्थाई संरचना	15,364	-		15,364
	कम्प्यूटर	243,452	-		243,452
	योग (ञ)	**322,661**	**-**	**-**	**322,661**
	कुल योग (क+ख+ग+घ+ङ. +च+छ+ज+झ+ञ)	**5,498,255,974**	**342,693,600**	**(5,695,662)**	**5,835,253,912**
	गत वर्ष	4,325,496,709	1,198,005,434	(25,246,169)	5,498,255,974

(अजय कुमार गुप्ता)
मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)

(प्रवीर पाण्डेय)
सदस्य (वित्त)

जलमार्ग प्राधिकरण
दिनांक 31 मार्च, 2014

अनुसूची–II

(रुपए अंकों में)

मूल्य ह्रास		बिक्री / हस्तांतरित परिसम्पत्तियों का समायोजन	31.03.2014 को कुल मूल्यह्रास	31.03.2014 को शुद्ध ब्लॉक
31.03.2013 को	वर्ष हेतु			
81,219	8,211	-	89,430	40,289
177,192	37,516	-	214,708	93,797
26,076	2,532		28,608	24,689
2,790	279		3,069	2,806
230,919	-		230,919	12,150
31,135	-	(31,135)	-	-
1,225	-		1,225	-
761,786	111,896	(9,427)	864,255	1,596,721
			-	29,662,024
1,312,342	**160,434**	**(40,562)**	**1,432,214**	**31,432,476**
2,145,690	315,403	-	2,461,093	2,521,568
281,025	31,225	-	312,250	345,121
858,307	129,809	-	988,116	488,886
352,855	56,221	-	409,076	774,533
339,379	58,774	(6,499)	391,654	845,627
8,207,290	1,488,916	-	9,696,206	81,648,340
89,208	28,831		118,039	488,918
63,049	15,763		78,812	253,020
531,400	248,763		780,163	4,456,981
37,398	37,398		74,796	454,166
147,110	17,461	-	164,571	203,002
887,301	522,961		1,410,262	-
444,583	-		444,583	-
4,331,624	1,776,958	-	6,108,582	25,622,793
498,179	361,806		859,985	-
993,917	503,872		1,497,789	1,610,611
9,660	4,830		14,490	87,186
180	90		270	1,625
			-	152,450,100
20,218,155	**5,599,081**	**(6,499)**	**25,810,737**	**272,252,477**
16,164	4,041		20,205	43,640
15,364	-		15,364	-
150,870	39,463		190,333	53,119
182,398	**43,504**	**-**	**225,902**	**96,759**
1,388,744,835	**259,875,183**	**(2,102,337)**	**1,646,517,681**	**4,188,736,231**
1,137,006,102	**259,959,807**	**(8,221,074)**	**1,388,744,835**	**4,109,511,139**

कृते तथा प्राधिकरण के निमित्त

(जयश्री मुखर्जी)
उपाध्यक्ष

(अमिताभ वर्मा)
अध्यक्ष

अनुसूची–III

चालू परिसम्पत्तियाँ, ऋण एवं अग्रिम यथा दिनांक 31.03.2014

गत वर्ष (रुपए)	विवरण		चालू वर्ष (अंक रुपयों में)
	क) भंडार, कलपुर्जे एवं यांत्रिक उपकरण		
	(लागत पर)		
28,687,365	1) समुदी कलपूर्जे	28,242,240	
456,505	2) स्थायी भंडार	697,645	
	3) उपभोज्य एवं अंकण सामग्री		
259,778	4) लेखन सामग्री	239,987	
9,360,397	5) पो० ओ० एल० स्टॉक	9,649,279	
270,389	6) अन्य	45,009	**38,874,160**
	ख) विविध देनदार		
	1) प्रतिभूति		
	2) अप्रतिभूति		
	–सुविचारित		
	1) 6 माह से अधिक		
	2) 6 माह से कम		
	–संदेहयुक्त		
	ग) जमा, ऋण एवं अग्रिम		
5,412,385	1) स्टाफ को अग्रिम	5,475,335	
98,339	2) विभागीय अग्रिम	83,720	
947,708,145	3) संविदाकारों एवं प्रदायकों को अग्रिम	1,114,126,420	
13,842,260	4) जमा	41,336,075	
55,381,930	5) क्षतिपूर्य दावे	70,013,676	
2,410,212	6) पूर्व प्रदत्त खर्चे	22,238,756	
2,728,719	7) अन्य	1,740,217	**1,255,014,199**
	घ) नकद एवं बैंक शेष		
42,018	1) उपलब्ध नकद / स्टैम्प	58,290	-
161,667,844	2) अनुसूचित बैंकों में नकद	(58,134,281)	-
	3) पारगमन में प्रेषण		
152,525,821	4) अल्पावधि जमा	398,509,072	**340,433,081**
1,380,852,107	योग		**1,634,321,440**

कृते तथा प्राधिकरण के निमित्त

(अजय कुमार गुप्ता)
मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)

(प्रवीर पाण्डेय)
सदस्य (वित्त)

(जयश्री मुखर्जी)
उपाध्यक्ष

(अमिताभ वर्मा)
अध्यक्ष

अनुसूची–IV

31.03.2014 को समाप्त वर्ष के लिए प्रचालन एवं अनुरक्षण खर्चे

गत वर्ष (रुपए)	विवरण		चालू वर्ष (अंक रुपयों में)
	राष्ट्रीय जलमार्ग सं0 1		
	1. वेतन और भत्ते एवं अन्य		
80,636,602	स्टाफ लागतें	215,629,787	
	2. कार्य खर्चे		
58,637,651	(i) सर्वेक्षण	48,793,910	
173,862,601	(ii) निकर्षण	168,834,588	
15,332,239	(iii) बंडालिंग	22,714,606	
	(iv) नौचालन एवं चैनल		
8,670,849	मार्किंग के लिए सहायता	6,671,746	
22,299,835	(v) टर्मिनल सुविधाएं	48,123,358	
27,036,863	(vi) जलयानों की मरम्मत	21,910,318	
32,463,956	(vii) रात्रि नौचालन	35,609,156	
	(viii) नदी प्रशिक्षण कार्य		
	3. अन्य प्रशासनिक खर्चे एवं		
4,657,085	विविध खर्चे	7,573,917	**575,861,386**
	राष्ट्रीय राजमार्ग सं0 2		
	1. वेतन और भत्ते एवं अन्य		
18,358,069	स्टाफ लागतें	46,747,612	
	2. कार्य खर्चे		
16,315,927	(i) सर्वेक्षण	7,228,620	
19,770,966	(ii) बंडालिंग	21,910,013	
	(iii) नौचालन एवं चैनल		
5,386,285	मार्किंग के लिए सहायता	6,208,612	
8,217,380	(iv) टर्मिनल	6,104,708	
25,422,996	(v) ड्रेजिंग	49,595,213	
5,066,716	(vi) जलयानों की मरम्मत	13,657,529	
25,277,098	(vii) रात्रि नौचालन	26,260,589	
12,599,543	(viii) प्रोटोकॉल	12,038,833	
-	(ix) नदी प्रशिक्षण कार्य	-	
26,072,050	(x) प्रशिक्षण खर्चे (निनी)	30,417,097	
683,000	(xi) तट रक्षण	-	
	3. अन्य प्रशासनिक एवं विविध		
1,600,318	खर्चे	1,047,485	**221,216,311**

जारी है.....

अनुसूची–IV

31.03.2014 को समाप्त वर्ष के लिए प्रचालन एवं अनुरक्षण खर्चे

गत वर्ष (रुपए)	विवरण		चालू वर्ष (अंक रुपयों में)
	राष्ट्रीय राजमार्ग सं0 3		
	1. वेतन और भत्ते		
11,203,266	एवं अन्य स्टाफ लागतें	30,145,093	
	2. कार्य खर्चे		
1,465,297	(i) सर्वेक्षण	1,638,364	
87,543,432	(ii) ड्रेजिंग	97,821,649	
	(iii) चैनल मार्किंग		
7,637,350	(iv) रात्रि नौचालन	6,210,772	
5,489,788	(v) टर्मिनल सुविधाएं	4,417,100	
	(vi) जलयानों की मरम्मत	1,530,947	-
	(vii) लॉक गेट का अनुरक्षण		
	(viii) तट रक्षण		-
	3. अन्य प्रशासनिक एवं विविध		
695,418	खर्चे	867,478	**142,631,403**
	राष्ट्रीय राजमार्ग सं0 4 एवं 5		
	1. कार्य खर्चे		
993,638	(i) सर्वेक्षण	16,129,935	**16,129,935**
	(ii) ड्रेजिंग		
	कालादान परियोजना		
-	1. वेतन और भत्ते एवं अन्य स्टाफ	-	
229,000	लागतें	107,935	
	2. कार्य खर्चे		
2,291,948	(i) सर्वेक्षण	-	
	(ii) ड्रेजिंग		
	(iii) टर्मिनल सुविधाएं		
24,803,055	(iv) अन्य परामर्शदात्री	35,958,158	
	3. अन्य प्रशासनिक एवं विविध		
3,184,539	खर्चे	2,104,811	**38,170,904**
733,904,760	योग		**994,009,939**

कृते तथा प्राधिकरण के निमित्त

(अजय कुमार गुप्ता)
मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)

(प्रवीर पाण्डेय)
सदस्य (वित्त)

(जयश्री मुखर्जी)
उपाध्यक्ष

(अमिताभ वर्मा)
अध्यक्ष

अनुसूची–V

31.03.2014 को समाप्त वर्ष के लिए वेतन और भत्ते एवं अन्य स्टाफ लागतें

गत वर्ष (रुपए)	विवरण	चालू वर्ष (अंक रुपयों में)
	वेतन और भत्ते एवं अन्य स्टाफ लागतें	
57,628,209	i) वेतन और भत्ते	60,497,515
63,300	ii) मानदेय	42,500
2,941,809	iii) चिकित्सा प्रतिपूर्ति	3,959,072
242,045	iv) दैनिक मजदूरी	167,675
126,457	v) अतिरिक्त समय भत्ता	88,252
255,596	vi) बोनस	251,278
-	vii) अवकाश वेतन एवं	-
1,099,633	पेंशन अंशदान	1,084,271
1,112,279	viii) आवास किराया	588,266
39,604	ix) वर्दी	80,059
837,388	x) स्टाफ कल्याण खर्चे	843,349
1,327,440	xi) शिक्षा शुल्क	1,009,263
5,054,620	xii) पेंशन एवं उपादान अंशदान	84,407,962
625,463	xiii) छुट्टी नकदीकरण	3,661,862
273,270	xiv) नये कर्मियों के लिए एनपीएस अंशदान	176,845
1,956,283	xv) एल.टी.सी. व्यय	1,662,343
73,583,396	योग	**158,520,512**

कृते तथा प्राधिकरण के निमित्त

(अजय कुमार गुप्ता)	(प्रवीर पाण्डेय)	(जयश्री मुखर्जी)	(अमिताभ वर्मा)
मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)	सदस्य (वित्त)	उपाध्यक्ष	अध्यक्ष

अनुसूची–VI

31.03.2014 को समाप्त वर्ष के लिए सामान्य एवं अन्य खर्चे

गत वर्ष (अंक रुपए में)	विवरण	चालू वर्ष (अंक रुपयों में)
3,024,764	i) मरम्मत और अनुरक्षण	3,617,852
589,546	ii) स्टाफ भर्ती पर खर्चे	963,591
1,290,026	iii) डाक टिकटें, दूरभाष एवं तार	1,328,325
1,621,593	iv) मुद्रण एवं लेखन सामग्री	1,660,519
2,443,473	v) वाहन चालन एवं अनुरक्षण	2,321,973
117,152	vi) विज्ञापन एवं प्रचार	109,389
221,600	vii) वाहन प्रतिपूर्ति	246,173
7,644,786	viii) यात्रा खर्चे –अन्तर्देशीय	5,061,553
2,606,660	–विदेशी	2,172,063
147,303	ix) समाचार पत्र एवं पत्रिकाएं	126,460
242,354	x) विविध खर्चे	61,485
128,701	xi) उपभोज्य	155,214
1,827,124	xii) बिजली एवं जल प्रभार	2,354,160
925,087	xiii) अंकेक्षण शुल्क एवं खर्चे	1,036,289
358,350	xiv) विधायी प्रभार	180,705
263,623	xv) संगोष्ठी एवं कार्यशाला/सम्मेलन	226,023
349,866	xvi) हिन्दी प्रोन्नयन	419,917
56,408	xvii) प्राधिकरण की बैठक पर व्यय	140,413
23,858,416	योग	**22,182,104**

कृते तथा प्राधिकरण के निमित्त

(अजय कुमार गुप्ता)	(प्रवीर पाण्डेय)	(जयश्री मुखर्जी)	(अमिताभ वर्मा)
मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)	सदस्य (वित्त)	उपाध्यक्ष	अध्यक्ष

अनुसूची–VII

लेखाओं से संबंधित टिप्पणियाँ, यथा दिनांक 31.03.2014

1. 12900.84 लाख रु0 (गत वर्ष 12050.21 लाख रु0) के प्रगति परक पूँजीगत कार्य में निम्नलिखित कार्य हैं :–

(लाख में)

पार्टी का नाम	उद्देश्य	राशि
1. नेप्चून मेरीन (प्रा0) लि0	कार्य नौकाओं का निर्माण	71.97
2. सी0 पी0 डब्ल्यू0 डी0–गुवाहाटी	पांडु में उच्चतल जेट्टी का निर्माण	4154.65
3. एसटीयूपी कंसल्टेंट प्रा. लि.	पांडु में उच्चतल जेट्टी के निर्माण के लिए सलाहकार चार्ज	4.41
4. सी0 पी0 डब्ल्यू0 डी0 –केरल	रा.ज.–3 में टर्मिनल और कार्यालय का निर्माण	557.08
5. सी0 पी0 डब्ल्यू0 डी0 – पटना	कार्यालय भवन का निर्माण	478.63
6. एच0 डी0 पी0 ई0–गुवाहाटी	कार्य नौका का निर्माण	1301.00
7. एच0 डी0 पी0 ई0–कोलकाता	कार्य नौका का निर्माण	649.09
8. एनएफ–रेलवे	पांडु में बीजी साइडिंग का निर्माण	1155.00
9. सी0 पी0 डब्ल्यू0 डी0 – कोलकाता	जीआर जेट्टी–।। का निर्माण	3466.56
10. मेसर्स ए0 सी0 राय एंड कंपनी , कोलकाता	4 कार्य नौकाओं का निर्माण	4.57
11.मेसर्स एआरआई	सिमुलेटर की आपूर्ति	19.63
12.मेसर्स बिट्टू इन्टरप्राईजेज	निनी में इलेक्ट्रिकल कार्य	3.93
13.एन.एफ. रेलवे	पांडु में क्वार्टर का विध्वंस	224.00
14.मेसर्स डी.पी. शर्मा	निनी में चाहरदीवारी	39.70
15. मेसर्स आर. के. इंजिनियरिंग वर्क्स	आरआईएस स्टेशन का निर्माण	33.34
16. मेसर्स पार्वती कन्स्ट्रक्शन	आरआईएस स्टेशन, फरक्का का निर्माण	2.96
17. सी0 पी0 डब्ल्यू0 डी0–पटना	निनी में एनेक्सी भवन का निर्माण	4.58
18. सी0 पी0 डब्ल्यू0 डी0–पटना	निनी में स्वीमिंग पुल का निर्माण	59.19
19. सी0 पी0 डब्ल्यू0 डी0–गुवाहाटी	कार्यालय भवन का निर्माण	257.89
20. सी0 पी0 डब्ल्यू0 डी0–गुवाहाटी	पांडु पोर्ट, ड्रेन इत्यादि का विकास	412.66
	कुल योग	**12,900.84**

2. वर्ष 2013–2014 के दौरान प्राधिकरण ने अध्यक्ष और बोर्ड के पूर्णकालिक सदस्यों पर निम्नलिखित राशि खर्च की :–

वेतन	मकान किराया	अवकाश वेतन / पेंशन अंशदान	चिकित्सा प्रतिपूर्ति	यात्रा खर्चे		योग
				विदेश	देश	
5390720	441516	721159	82675	568745	745740	**7950555**
गत वर्ष (2012–13)						
6565978	701336	763330	122298	671857	3278955	**12103754**

वर्ष के दौरान अध्यक्ष, भा0 अ0 ज0 प्रा0 ने भारत और वियतनाम के बीच सामुद्रिक नौवहन अनुबंध पर हस्ताक्षर करने के लिए भारतीय प्रतिनिधियों के साथ 23–27 मई, 2013 तक वियतनाम का दौरा कियेय उपाध्यक्ष, भा0 अ0 ज0 प्रा0 ने 16वीं स्थायी समिति की बैठक में शामिल होने के लिए 28–30 सितंबर, 2013 तक ढाका का और 15 और 16 जुलाई, 2013 को अन्तर्देशीय जलमार्ग परिवहन पर उच्चस्तरीय कार्यशाला में शामिल होने के लिए मनीला का दौरा किया।

3. नौएडा में 90 वर्षों के लिए पट्टे के आधार पर अनुसंधान एवं विकास सह कार्यालय परिसर के निर्माण के लिए 244.49 लाख रु0 (गत वर्ष 244.49 लाख रु0) लागत की भूमि मार्च, 1994 में अधिग्रहित की गई। प्रतिवर्ष 2.72 लाख रु. बट्टे खाते में डाले जा रहे हैं। कोलकाता पत्तन न्यास (केओपीटी) से मार्च, 1994 में 21.34 लाख रु. कीमत की ली गई भूमि को पूरी तरह से बट्टे खाते में डाली जा चुकी है।

4. (i) आयकर अपील अधिकरण (आईटीएटी), नई दिल्ली ने निर्धारण वर्श 1988–89 से 1997–98 (निर्धारण वर्ष 1990–91 को छोड़कर) के बारे में अपना निर्णय जुलाई, 2006 में दे दिया है जिसमें कहा गया है कि प्राधिकरण को दिया गया अनुदान राजस्व की प्रकृति का नहीं है, इसलिए आयकर नहीं लगेगा। आईटीएटी आदेश को प्रभावी बनाते समय एसीआईटी, नौएडा ने नवंबर, 2010 में नया निर्धारण आदेश जारी कर दिया, जिसमें प्राधिकरण की विविध प्राप्ति को आय के रूप में माना गया है। तदुपरांत प्राधिकरण ने लगातार इस मामले को आईटीएटी, नई दिल्ली, सीआईटी (अपील), गाजियाबाद और एसीआईटी, नौएडा में अपील दायर किया ताकि एसीआईटी, नौएडा के विविध स्रोतों की प्राप्ति को आय के रूप में मानने के आदेश को खारिज किया जा सके। वर्तमान में, यह मामला एसीआईटी, नौएडा के पास लंबित है।

(ii) सहायक आयकर आयुक्त (एसीआईटी), नौएडा ने नवंबर, 2010 के नए निर्धारण आदेश पर भी अर्थदण्ड लगाकर 11.80 करोड़ रु. की मांग की है। इसके बाद, प्राधिकरण ने लगातार इस मामले को आईटीएटी, नई दिल्ली, सीआईटी (अपील), गाजियाबाद और एसीआईटी, नौएडा में अपील और काउंटर अपील दायर किया ताकि एसीआईटी, नौएडा के आदेश को खारिज किया जा सके।

तदुपरांत एसीआईटी, नौएडा ने एक आदेश जारी किया कि आईटीएटी के निदेश को ध्यान में रखते हुए धारा 271 (1) (ग) के तहत नये सिरे से मूल्यांकन करने की आवश्यकता नहीं है। सहायक आयकर आयुक्त के उक्त आदेश के विरूद्ध प्राधिकरण ने धारा 154 के तहत आईटीएटी, नई दिल्ली के दिशा निर्देश के अनुसार मामले की समीक्षा करने के लिए एसीआईटी, नौएडा के पास एक आवेदन दिया है। यह मामला वर्तमान में सहायक आयकर आयुक्त, नौएडा के पास लंबित है।

(iii) वर्ष 1988–89 से निर्धारण वर्श 1997–98 तक के लिए आईटीएटी, नई दिल्ली के आदेश के विरुद्ध आयकर विभाग ने उच्च न्यायालय इलाहाबाद में अपील भी दायर की है।

5. संकरे कैनाल को चौड़ा करने और 11 टर्मिनलों के लिए भूमि की लागत के रूप में 5137.31 लाख रु0 (गत वर्ष 4676.61 लाख रु0) की रकम का अग्रिम भुगतान केरल सरकार को किया गया था। उपर्युक्त में से मार्च, 2014 तक 3267.73 लाख रु. की 12.3809 हेक्टेयर भूमि पूंजीकृत की गई। इसी बीच केरल की राज्य सरकार ने अधिग्रहित भूमि पर अधिक ब्याज और मुआवजा लेने के लिए निचली अदालत और उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर दी। यह मामला केरल के विभिन्न न्यायालयों में लंबित है।

6. सीपीडब्ल्यूडी को रु. 3428.24 लाख रु. (गत वर्ष 3113.82 लाख रु.) की रकम अग्रिम रूप में दी गई। इसमें से अब तक रु. 1746.33 लाख रु. की रकम पूंजीकृत कर दी गई। अब तक अलापुझा टर्मिनल (477.43 लाख रु.), काकानाडु टर्मिनल (49.88 लाख रु.) और कोट्टापुरम संपर्क सड़क (0.32 लाख रु.), कायमकुलम टर्मिनल और संपर्क सड़क (4.91 लाख रु.) तथा चावड़ा संपर्क सड़क एवं चहारदीवारी (24.54 लाख रु.) पर व्यय होने वाले 557.09 लाख रु. की रकम को प्रगतिपरक पूंजीगत कार्य के रूप में दर्शाया गया है। इसके अतिरिक्त मरदु ऑफिस के विस्तार पर 43 लाख रु. की रकम का व्यय हुआ। इसमें से 39 लाख रु. को पूंजीकृत किया गया।

7. विलिंगडन द्वीप और बोलघट्टी में जेट्टी के निर्माण के लिए कोचीन पत्तन न्यास को जमा रूप में 1660.00 लाख रु. (गत वर्ष 1660.00 लाख रु.) की रकम का भुगतान जमा रूप में किया गया। इसमें से अब तक रु.1519.22 लाख रु.(गत वर्ष 1519.28 लाख रु.) की रकम को पूंजीकृत किया गया है।

8. गायघाट, पटना में उच्चतल जनरल कार्गो बर्थ के निर्माण के संबंध में 3063 लाख रु. (गत वर्ष 2862 लाख रु.) की रकम अधिशासी अभियंता, पटना केन्द्रीय प्रभाग–।।, सी0 पी0 डब्ल्यू0 डी0 को जमा रूप में निर्गत किया गया है। इसमें सेरु. 3050.24 लाख (गत वर्श 2830.31 लाख रु.) की राशि पूंजीकृत की गई है।

9. पांडु, गुवाहाटी में उच्चतल जनरल कार्गो बर्थ के निर्माण के संबंध में 4385 लाख रु. (गत वर्ष 3332 लाख रु.) की रकम सी0 पी0 डब्ल्यू0 डी0, गुवाहाटी को जमा रूप में निर्गत किया गया है।इसमें से 4154.65 लाख रु. (गत वर्श 3196.97 लाख रु.) को प्रगतिपरक पूंजीगत कार्य के रूप में दर्शाया गया है।

10. गुवाहाटी में पांडु टर्मिनल पर ब्रॉड गेज साइडिंग (1030 लाख रु.) और 28 टाईप–।। क्वाटर्स को बदलने (224 लाख रु.) के निर्माण के सम्बंध में एन0 एफ0 रेलवे, गुवाहाटी को1254 लाख रु. (गत वर्ष 1254 लाख रु.) की रकम जमा रूप में निर्गत की गई है इसमें से 1379 लाख रु. (गत वर्श 1379 लाख रुपए) को प्रगतिपरक पूँजीगत कार्य के रूप में दर्शाया गया है, जिसमें पांडु स्थित ब्रॉड गेज साइडिंग के निर्माण पर 1155 लाख रु. और 28 क्वार्टर को बदलने पर 224 लाख रु. की रकम शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि एन0 एफ0 रेलवे ने 124.99 लाख रु. की अतिरिक्त लागत का दावा किया था जिसका प्रावधान वित्तीय वर्ष 2012–13 में किया गया था। यह रकम निर्गत होनी है।

11. गायघाट, पटना में कार्यालय भवन और चाहरदीवारी के निर्माण के लिए सी0 पी0 डब्ल्यू0 डी0, पटना के पास 577.64 लाख रु. की रकम जमा की गई है। इसमें से, कार्य की वित्तीय प्रगति के अनुसार 467.41 लाख रु. और 11.22 लाख रु. की रकम को क्रमशः प्रगतिपरक पूंजीगत कार्य और भवन और चाहरदीवारी के निर्माण पर हुए व्यय के रूप में दर्शाया गया है।

12. प्रशासनिक ब्लॉक, सड़क, बिजली, इत्यादि सहित आरओ–आरओ जेट्टी का निर्माण धुब्री में करने के लिए 2226 लाख रु. (गत वर्ष 966 लाख रु.) की रकम सी0 पी0 डब्ल्यू0 डी0, गुवाहाटी के पास जमा की गई है। टर्मिनल पर कार्य प्रगति पर है।

13. भा0 अ0 ज0 प्रा0 के स्टाफ हेतु दीपपोत और दीपस्तंभ महानिदेशालय (डीजीएलएल), पोत परिवहन मंत्रालय से दिसंबर, 2002 में सैक्टर–34, नौएडा में 53 फ्लैट, 225.28 लाख रु. की कुल अन्तरण कीमत पर लिया गया है। अन्तरण शुल्क, स्टाम्प शुल्क इत्यादि का भुगतान अलग से किया गया।

307.33 लाख रु. (गत वर्ष 307.33 लाख रु.) की रकम पूंजीकृत की गई है। हालांकि, इन फ्लैटों का पंजीकरण भा0 अ0 ज0 प्रा0 के नाम पर किया जा सका है, क्योंकि इन फ्लैटों के प्रथम स्वामी के नाम पर भी अब तक पंजीकरण नहीं हुआ है। नौएडा को भूमि किराया, इत्यादि का भुगतान करने के लिए डी0 जी0 एल0 एल0 को मनाने के बाद नौएडा के साथ पंजीकरण हेतु पहल की जाएगी।

14. एम. ओ. टी. टग–III और फ्लैट टर्नी नामक दो जलयानों को क्रमशः नवंबर, 2014 और मार्च, 1995 में अनुपयोगी घोषित किया गया था। उनका कबाड़ कीमत का मूल्यांकन क्रमशः 18.75 लाख रु. और 7.05 लाख रु. किया गया है। दोनों जलयानों के निस्तारण हेतु एक खुली टेंडर भी जारी की गई थी। हालांकि, टेंडर की प्रक्रिया पूरी होने से पहले इस मामले पर मुकदमा हो गया। वित्तीय वर्ष 2013–14 में माननीय न्यायालय, गौतमबुद्धनगर, उ.प्र. द्वारा निविदाकार की याचिका को खारिज कर दिया।

15. अक्तूबर, 2006 में बोयाओं और लाइटों की चोरी के कारण हुई हानि के लिए मैसर्स ओरियंटल इंश्योरेंस कम्पनी के पास से 34.47 लाख रु. का दावा किया गया था। बीमा कम्पनी ने कुछ औपचारिकताओं और कागजी कार्रवाई को पूरा करने के उपरांत केवल 23.93 लाख रु. का भुगतान करने पर सहमत हुआ है। शेष रकम को बट्टा खाते में डालने का विकल्प प्राधिकरण के विचाराधीन है।

16. वर्श 2002–2003 के दौरान कोलकाता क्षेत्र में चेन, एंकर और अनुशंगी सामानों सहित 47 बोया और 7 दिवस चिन्ह खो गए। प्राधिकरण ने 28.91 लाख रुपए का बीमा दावा किया था। 5.92 लाख की रकम बीमा कंपनी से प्राप्त हो गई है। प्राधिकरण ने जून, 2013 में ठेकेदार से 11.05 लाख रु. की रकम की वसूली कर लिया था। शेष बचे 11.94 लाख रु. को वसूली योग्य दावे के रूप में दर्शाया गया है।

17. मार्च, 2005 मेंकर और स्पेयर पार्टस की लागत को छोड़कर 873 लाख रु.की लागत पर फ्लोटिंग ड्राई डॉक के निर्माण और सुपुर्दगी हेतु प्राधिकरण ने मैसर्स एचडीपीईएल कोलकाता के साथ एक उपबंध पर हस्ताक्षर कियाथा। मैसर्स एचडीपीईएल कोलकाता के फ्लोटिंग ड्राई डॉक को डिलिवर करने में असमर्थ होने के कारण प्राधिकरण ने संविदा को रद्द कर दिया और 190.42 लाख रु. की रकम परिनिर्धारित नुकसानी (एलडी) और ऑयल टैंकर के लिए जलयानों की मरम्मत सहित कंटेनर जलयानों के कारण हुए 71.48 लाख रु. की देय रकम के समायोजन के बाद 190.42 लाख रु. की रकम एचडीपीईएल कोलकाता को निर्गत की गई। इसी बीच प्राधिकरण ने एचडीपीईएल को पत्र सं0–भा.अ.ज.प्रा./एमवी/2170/2001/खण्ड–।।।, दिनांक 01.01. 2014 द्वारा रकम वापस करने के लिए कहा है।

18. 359.85 लाख रु. की लागत पर 3 कार्य नौकाओं के निर्माण के लिए वर्श 2003 में मैसर्स नेप्चून मेरीन प्राइवेट लिमिटेड को एक कार्य सौंपा गया था। संविदा के अनुसार 53.98 लाख रु. की बैंक गारंटी सहित 161.93 लाख रु. निर्गत कर दिया गया है।वित्तीय वर्ष 2008–09 में 53.98 लाख रु. की बैंक गारंटी लगाकर निधि प्राप्त कर ली गई है। संविदा के अनुपालन नहीं होने के कारण संविदा को दिनांक 29.07.2009 कोसमाप्त करके माध्यस्थम नियुक्त किया गया था। दिनांक 11.12.2008 से एक कार्य नौका प्राधिकरण के कब्जे में है। कार्य नौका को आईआरएस और अ0 ज0 प0 निदेशालय, पश्चिम बंगाल सरकार की आवश्यकता के अनुसार प्रचालन हेतु उपयुक्त नहीं पाया गयाहै। आवश्यक मरम्मत/रूपांतरण संबंधी कार्य प्राधिकरण ने करवाकर वित्तीय वर्ष 2012–13 के दौरान रु. 122.90 लाख की राशि पूंजीकृत किया है। शेष बचे रु. 71.97 लाख राशि को प्रगतिपरक पूंजीगत कार्य के रूप में दर्शाया गया है।

19. प्राधिकरण ने पीपीपी रीति के आधार पर अ0 ज0 प0 परियोजनाओं को अभिज्ञात और विकास करने के लिए परियोजना विकास संगठन के रूप में मैसर्स आईएल एंड एफएस अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड को नियुक्त किया था। प्राधिकरण ने परियोजनाओं के विकास करवाने हेतु परियोजना विकास निधि के प्रारंभिक निधि में 50 प्रतिशत शेयर के रूप में 50 लाख रु0 का योगदान दिया था। योगदान दिए गए रकम को निवेश के रूप में दर्शाया गया है।

20. साख पत्र (एलसी) पर 145000 यूरो की लागत से रा.ज.–1 में कार्य नौका के लिए एक एचआरपी की आपूर्ति हेतु मेसर्स जेडएफ मेरिन मिडिलइस्ट एलएलसी, शारजाह, संयुक्त अरब अमीरात को काम दिया गया था। सिंडीकेट बैंक, सैक्टर–18, नौएडा द्वारा अमीरात एनबीडी बैंक पीजेएससी (प्रधान कार्यालय), दुबई, ए.ई. के पक्ष में दिनांक 15.01.2014 को साख पत्र जारी किया गया था। साख पत्र 30.10.2014 तक वैध है।

21. म्यांमार में सिटवे पत्तन को भारत के मिजोरम राज्य से जोड़ने वाली कालादान नदी पर मल्टीमोडल पारगमन परिवहन सुविधा के कार्यान्वयन के लिए एक उपबंध के माध्यम से मार्च, 2009 में विदेश मंत्रालय, भारत सरकार ने प्राधिकरण को परियोजना विकास परामर्शदाता नियुक्त किया है। इसे कालादान परियोजना कहा जाता है। वर्ष के दौरान इस परियोजना पर381.74 लाख रु. (गत वर्ष 305.10 लाख रु.) की रकम का व्यय हुआ और 17.1 लाख रु. (गत वर्ष 34.73 लाख रु.) की रकम बैंक से ब्याज के रूप में प्राप्त हुआ।

22. प्राधिकरण ने भा0 अ0 ज0 प्रा0 के कार्मिकों के लिए पेंशन, उपदान और छुट्टी नकदीकरण के लिए भारतीय जीवन बीमा निगम से तीन पॉलिसी ली है। भारतीय जीवन बीमा निगम ने सभी तीन पॉलिसी के लिए बीमांकीय मूल्यांकन मुहैया किया है। यथा दिनांक 31.03.2014 के बीमांकीय मूल्यांकन के अनुसार पेंशन के लिए 6640 लाख रु. (गत वर्ष रु. 5006 लाख रु.),उपदान के लिए 882.13 लाख रु. (गत वर्ष 377.83 लाख रु0) और छुट्टी नकदीकरण के लिए 648.78 लाख रु. (गत वर्ष 245.66 लाख रु.) की आवश्यकता है।

प्राधिकरण ने प्राधिकरण के कार्मिकों के लिए पेंशन/उपदान निधि के प्रबंधनके लिए दिनांक 25.03.2003 से "भा0 अ0 ज0 प्रा0–सामान्य कर्मचारी पेंशन निधि" नाम से एक न्यास बनाया है। भा0 अ0 ज0 प्रा0–कर्मचारी पेंशन निधि और छुट्टी नकदीकरण का प्रबंधन भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा किया जाता है। भा0 अ0 ज0 प्रा0–कर्मचारी पेंशन निधि लेखा के अनुसार न्यास में पेंशनऔर उपदानके लिए 4842.04 लाख रु. की रकम और छुट्टी नकदीकरण के लिए भारतीय जीवन बीमा निगम के 543.75 लाख रु. उपलब्ध है। वित्तीय वर्ष 2013–14के दौरान बीमांकिय मूल्यांकन और निधि की उपलब्धता पर विचार करने के उपरांत पेंशन और उपदान के लिए क्रमशः 2542.20 लाख रु. और 137.90 लाख रु. का प्रावधान किया गया है। छुट्टी नकदीकरण के लिए भारतीय जीवन बीमा निगम के पास उपलब्ध फण्ड और बीमांकीय मूल्यांकन पर विचार करने के उपरांत 105.03 लाख रु. का प्रावधान किया गया।

बीमांकीय मूल्यांकन के लिए परिकल्पना निम्न हैं :

मृत्यु दर	:	एलआईसी (1994–96) चरम
निकासी दर	:	1% से 3% आयु के अनुसार
बट्टा दर	:	8% प्रति वर्ष
वेतन वृद्धि	:	6% प्रति वर्ष

23. प्राधिकरण ने तीन कंपनियों यथा प) मैसर्स रॉयल लॉजिस्टिक (शिप) लिमिटेड, कोलकाता पप) मैसर्स एसकेएस वाटरवेज लिमिटेड, कोलकाता और पपप) मैसर्स विवदा लॉजिस्टिक प्राइवेट लिमिटेड, कोलकाता के साथ तीन संयुक्त उद्यम परियोजनाओं के शेयर धारक उपबंध में प्रवेश किया था। मैसर्स रॉयल लॉजिस्टिक (शिप) लिमिटेड, कोलकाता और मैसर्स एसकेएस वाटरवेज लिमिटेड, कोलकाता के साथ शेयर धारक उपबंध के

अनुसार प्रत्येक कंपनी का प्रारंभिक प्राधिकृत शेयर पूंजी 5 लाख रुपया है और इतना ही संयुक्त उद्यम कंपनी द्वारा 70 प्रतिशत के अनुपात में और भा0 अ0 ज0 प्रा0 द्वारा 30 प्रतिशत के अनुपात में योगदान दिया जाना है। तदनुसार, वर्ष के दौरान प्राधिकरण ने प्रारंभिक प्राधिकृत शेयर पूंजी के रूप में प्रत्येक कंपनीमें 1.50 लाख रु. का अपने शेयर का योगदान किया है।

24. माध्यस्थों के समक्ष 3 माध्यस्थम संबंधी मामले लंबित हैं जिनमें से दो मामले 2047 लाख रुपए की आकस्मिक दायित्व वाले भारी निकर्शण संबंधी कार्यों से संबंधित हैं और एक मामले जलयानों के निर्माण पर हुए लगभग 1600 लाख रु. लगभग की हानि से संबंधित है। आगे, माननीय उच्च न्यायालय, दिल्ली में सेवा से संबंधित 2 मामले और पैटेंट से संबंधित 1 मामले, माननीय उच्च न्यायालय, केरल में 15 मामले और पटना, इलाहाबाद, कोलकाता और गुवाहाटी के माननीय उच्च न्यायालयों में 26 मामले लंबित हैं। दिल्ली और इंदौर के माननीय उच्च न्यायालयों में ब्याज इमदाद के 2 मामले हैं।
इसके अतिरिक्त,भूमि अधिग्रहण के लिए अधिक मुआवजा के भुगतान हेतु विभिन्न उप न्यायालयों और केरल के माननीय उच्च न्यायालयों में क्रमशः 34 एलएआर मामले और 2 एलएए मामले लंबित हैं जो कि लगभग 515 लाख रु. की रकम की है।

25. पटना में निनी में मेरिनटाइम सिमुलेटर सेंटर की स्थापना के लिए मेसर्स एआरआई, दिल्ली के साथ एक समझौता ज्ञापन हुआ था। समझौता ज्ञापन के अनुसार सिमुलेटर पर आने वाले पूंजीगत लागत को भा0 अ0 ज0 प्रा0 और एआरआई 50:50 के अनुपात में शेयर करेगा तथा इसके प्रचालन पर आने वाले व्यय के बाद अर्जित शुद्ध राजस्व का शेयर भी समान रूप से किया जाएगा। सिमुलेटर यूनिट की कीमत को पूंजीकृत कर दिया गया है और मेसर्स एआरआई द्वारा व्यय किया गया 115.32 लाख रु. (गत वर्ष 114.83 लाख रु.) को पूंजी आरक्षित के रूप में दर्शाकर मूल्य ह्रास लगाया गया है।

26. प्राधिकरण ने भा0 अ0 ज0 प्रा0 के नौएडा स्थित भवन के तीसरे तल को पोत परिवहन महानिदेशालय, मुंबई, चौथे तल को एनर्जी एफिशियंसी सर्विसेज लि0 (ईईएसएल) और छठे तल को कंटेनर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लि0 (कॉनकॉर) को 78 रु. प्रति वर्ग फीट कवर क्षेत्र की दर से किराए पर देने पर सहमत हो गया। हरेक तल का कवर क्षेत्र 8378.60 वर्ग फीट है। अग्रिम किराया के रूप में डीजी शिपिंग, ईईएसएल और कॉनकॉर से क्रमशः 240 लाख, 58.82 लाख और 117.64 लाख रु. की रकम प्राप्त हुई है। प्राधिकरण ने भवन के उर्ध्वाधर विस्तार, विद्युत स्थापन, एचभीएसी सिस्टम, यात्री लिफ्ट, मल्टीलेवल मल्टीग्रीड ओवर ग्राउंड कार पार्किंग और डीजी सेट पर 31.03.2014 तक 1355.10 लाख रु. की रकम का व्यय करके उसे पूंजीकृत कर दिया है। प्राधिकरण ने ठेकेदारों को साइट पर रखे गए उनके निर्माण सामग्री के लिए 18.53 लाख रु. की प्रतिभूति अग्रिम भी निर्गत किया है। प्राधिकरण ने छठा तल कॉनकॉर को दिनांक 20.12.2013 को और चौथ तल ईईएसएल को दिनांक 16.09.2013 को सुपुर्द कर दिया है।

27. प्राधिकरण ने वित्तीय वर्ष 2013–14 के दौरान योजनागत और गैर योजनागत विभिन्न बजट शीर्षों के तहत 156.57 करोड़ रुपए की राशि प्राप्त किया है जिसमें 6.33 करोड़ रु. का अधिशेष निधि शामिल है। वर्ष के दौरान प्राधिकरण की आंतरिक प्राप्ति 8.02 करोड़ रु. थी। वर्ष के दौरान प्राधिकरण द्वारा पूंजीगत व्यय 59.66 करोड़ रु. और राजस्व व्यय 118.09 करोड़ रु. हुआ जिसमें से पेंशन के लिए 25.42 करोड़ रु., उपदान के लिए 1.37 करोड़ रु. और छुट्टी नकदीकरण के लिए 1.05 करोड़ रु. का प्रावधान है।

28. 31 मार्च, 2014 तक ठेकेदारों/आपूर्तिकर्ताओं इत्यादि से प्रतिभूति जमा बयाना रकम और जुटाव अग्रिम की दिशा में उनको दिए गए कार्य/ठेके के विरूद्ध उनसे 1020.78 लाख रु. (गत वर्ष 2181.69 लाख रु.) की राशि प्राप्त हुई है।

29. समुचित सड़क और रेल सम्बद्धता के साथ मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब के रूप में पांडु पत्तन का विकास करने के लिए 6.11 करोड़ रु. की रकम पीडब्ल्यूडी, असम, गुवाहाटी को भुगतान अग्रिम के रूप में एन.एच. 31 के साथ पांडु पत्तन के वैकल्पिक सड़क सम्बद्धता के निर्माण के लिए दिया गया। प्राधिकरण द्वारा लगातार प्रयास करने के बावजूद एन.एफ. रेलवे अतिक्रमण मुक्त भूमि मुहैया नहीं कर सका।

चूंकि भा0 अ0 ज0 प्रा0 के अतिक्रमणमुक्त भूमि पाने के सभी विकल्प समाप्त हो गये इसलिए भा0 अ0 ज0 प्रा0 बोर्ड ने 24.10.2013 को आयोजित अपनी बैठक में इस परियोजना को बन्द करने का निर्णय लेकर पीडब्ल्यूडी आसाम से नवंबर, 2013 और फरवरी, 2014 के दौरान जमा की गई रकम वापस करने का अनुरोध किया। पीडब्ल्यूडी, असम ने अगस्त, 2014 में 6.11 करोड़ रु. की रकम भा0 अ0 ज0 प्रा0 को वापस कर दिया है।

30. प्राधिकरण का वार्षिक लेखा नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के परामर्श से पोत परिवहन मंत्रालय द्वारा अनुमोदित प्रपत्र में ही तैयार किया जाता है।

31. भारतीय कंपनी अधिनियम, 1956 की अनुसूची ग्प्ट के अनुसार अन्तर्देशीय जलमार्गों के लिए प्रयुक्त कुछ स्थायी परिसम्पत्तियों के लिए मूल्यह्रास दर निर्धारित नहीं किया गया हैय मूल्यह्रास दर समान अनुसूची से ली गई है। प्राधिकरण बार्जों पर 3.34%, टर्मिनलों पर 4.75%, रात्रि नौचालन उपकरण पर 4.75%, क्रेन पर 3.34% और ड्रेजरों पर 7%, कार पार्किंग पर 4.75%, यात्री लिफ्ट पर 4.75% की दर से मूल्यह्रास लगा रहा है।

32. पुनर्समूहन एवं पुनर्वर्गीकरण यथा आवश्यक किया गया है।

33. सभी आँकड़े निकटतम पूर्ण रुपए में दिए गए हैं और ( ) के आँकड़े निषेधात्मक आँकड़े इंगित करते हैं।

कृते तथा प्राधिकरण के निमित्त

(अजय कुमार गुप्ता)	(प्रवीर पाण्डेय)	(जयश्री मुखर्जी)	(अमिताभ वर्मा)
मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)	सदस्य (वित्त)	उपाध्यक्ष	अध्यक्ष

INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA

अनुसूची–VIII

लेखा नीतियाँ

1. **व्यय निरूपण**

जलीय सर्वेक्षण, तकनीकी–आर्थिक अध्ययन, बंडालिंग, तलीय पैनलिंग, निकर्षण, चैनल मार्किंग पर अस्थायी संरचना और जलयानों आदि के अनुरक्षण पर व्यय राजस्व व्यय के रूप में निरूपित किया जाता है जबकि चैनल मार्किंग में स्थायी संरचना, जलयानों की लागत, सर्वेक्षण लांचों, टगों, बार्जों, निकर्षकों आदि पर व्यय पूँजीगत व्यय के रूप में निरूपित किया जाता है।

2. **मूल्यह्रास**

दिनांक 20.12.1993 के परिपत्र सं0 14/93 अधिसूचना सं0 1/12/92–सी एल के अनुरूप कंपनी अधिनियम 1956 की अनुसूची ग्प्टमें दी गई दरों के आधार पर स्ट्रेट लाइन विधि के अनुसार मूल्यह्रास मुहैया किया गया है। पुस्तकालय की पुस्तकों पर स्ट्रेट लाइन विधि से मूल्यह्रास 100 प्रतिशत की दर से लगाया गया है। अनुसूची–II के 5 और 9 कॉलम में कोष्ठक ( ) में दर्शाए गए आँकड़े क्रमशः सकल ब्लाक और मूल्यह्रास से कटौती को इंगित करते हैं। मूल्यह्रास खरीद वर्ष में पूरे वर्ष के लिए लगाया जाता है और निस्तारण / विक्रय वर्ष में कोई मूल्यह्रास नहीं लगाया जाता है।

3. **पूँजीगत कार्य में वृद्धि**

कार्य प्रगति का परिकलन वास्तविक लागत के आधार पर किया जाता है तथा इसमें सम्पन्न और प्रमाणित कार्यों के लिए ठेकेदारों को किए गए भुगतान शामिल होते हैं।

4. **भंडार, कल–पुर्जे और उपकरण**

भंडार, कल–पुर्जे और उपकरण न्यूनतम और वास्तविक मूल्य पर मूल्यांकित किए जाते हैं।

5. **पूर्वावधि समायोजन**

गत वर्ष / वर्षों से संबंधित मद के लिए 1000/– रुपए से अधिक की आय और व्यय चालू वर्ष खाते में जमा /नामे, जैसे भी हों लिखे जाते हैं।

6. **प्रावधान**

i) किसी व्यय के संबंध में ज्ञात दायित्व के लिए प्रावधान किया जाता है यदि मूल्य 1000/– से अधिक होता है।

ii) भारतीय चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट संस्थान द्वारा जारी लेखा मापदंड 15 के अनुरूप किसी नियमित कर्मचारी के अवकाश ग्रहण करने पर उनके छुट्टियों को भुनाने के लिए प्रावधान किया जाता है।

iii) बोनस का प्रावधान तदर्थ आधार पर किया जाता है जैसा कि केन्द्र सरकार द्वारा स्वायत्त निकायों के विषय में गत वर्ष घोषित किया गया था।

iv) पेंशन अंशदान / ग्रैच्युटी के लिए प्रावधान भा0 अ0 ज0 प्रा0 कर्मचारी पेंशन निधि विनियम, 1993 के अनुरूप किया गया है।

7. **अनुदान निरूपण**

प्राधिकरण के पास सरकार से प्राप्त अनुदान के अतिरिक्त कोई राजस्व उत्पादन नहीं होगा, जब तक कि राष्ट्रीय जलमार्ग आम प्रयोग के लिए पूर्ण रूप से प्रचालन योग्य नहीं हो जाते और यातायात दरें, उद्ग्रहण और शुल्क नियत नहीं हो जाते। अतएव केन्द्र सरकार से जो अनुदान प्राप्त किया जाता है, उसमें से राजस्व लेखा पर किए गए व्यय राजस्व अनुदान के रूप में, परिसम्पत्तियों के लिए किए गए भुगतान, पूँजीगत अनुदान और शेष को अधिशेष में प्राप्त अनुदान (चालू दायित्वों के तहत) के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

कृते तथा प्राधिकरण के निमित्त

(अजय कुमार गुप्ता)	(प्रवीर पाण्डेय)	(जयश्री मुखर्जी)	(अमिताभ वर्मा)
मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)	सदस्य (वित्त)	उपाध्यक्ष	अध्यक्ष

31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष के लिए भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण के लेखाओं पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की अंकेक्षण रिपोर्ट

2002 में यथा संशोधित भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण नियमावली, 1986 (भा0 अ0 ज0 प्रा0 नियमावली, 1986) के नियम 28(3) और भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण अधिनियम, 1985 (भा0 अ0 ज0 प्रा0 अधिनियम, 1985) की धारा 23 के तहत दी गई तिथि में समाप्त वर्श के लिए हमने 31 मार्च, 2014 के भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (प्राधिकरण) के संलग्न तुलन पत्र और आय और व्यय खाते को अंकेक्षित किया है, देखें दिनांक 10.10.2002 की अधिसूचना संख्या जीएसआर 449। इन वित्तीय विवरण में निगम के यूनिटों /शाखाओं के खाता शामिल है। ये वित्तीय विवरण प्राधिकरण के प्रबंधन की जिम्मेदारी है। हमारी जिम्मेदारी अंकेक्षण के आधार पर इन वित्तीय विवरण पर अपनी विचार व्यक्त करने की है।

हमने भारत में सामान्यतया स्वीकृत मानदंडों के अनुसार अंकेक्षण किया है। इन मानदंडों में आवश्यक होता है कि हम उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए अंकेक्षण का नियोजन और अंकेक्षण यह जानने के लिए करते हैं कि वित्तीय विवरण गलत विवरणों से मुक्त हैं अथवा नहीं। अंकेक्षण में जाँच के आधार पर निरीक्षण करना, रकम के लिए दिए गए साक्ष्य की जाँच और वित्तीय विवरण को उजागर करना शामिल होता है। अंकेक्षण में प्रयुक्त सिद्धांतों के निर्धारण और प्रबंधन द्वारा किए गए महत्वपूर्ण आकलन के साथ–साथ समग्र वित्तीय विवरण से संबंधित प्रस्तुति को भी शामिल किया जाता है। हमें विश्वास है कि हमारा अंकेक्षण हमारे विचार के लिए एक उचित आधार मुहैया करता है।

अपने अंकेक्षण के आधार पर हम रिपोर्ट करते हैं कि :–

(i) हमें सभी तरह की सूचना और स्पष्टीकरण प्राप्त हो गए हैं जो हमारी जानकारी और विश्वास में अंकेक्षण के उद्देश्य के लिए आवश्यक थे।

(ii) इस रिपोर्ट में दिए गए तुलन पत्र और आय एवं व्यय खाता भा0 अ0 ज0 प्रा0 नियमावली, 1986 के नियम 28 (2) और भा0 अ0 ज0 प्रा0 अधिनियम, 1985 की धारा 34 (2) (छ) के तहत भारत सरकार द्वारा अनुमोदित प्रपत्र में तैयार किया गया है।

(iii) हमारी राय में प्राधिकरण द्वारा लेखा की उचित पुस्तकें और अन्य संगत रिकार्ड अनुरक्षित किया गया है, जो भा0 अ0 ज0 प्रा0 अधिनियम, 1985 की धारा 34 (2) (छ) के तहत आवश्यक है। ऐसी पुस्तकों की जाँच से हमें ऐसा प्रतीत होता है कि निम्न को छोड़कर –

(क) तुलन पत्र
चालू परिसम्पत्ति, ऋण एवं अग्रिम
जमा ऋण एवं अग्रिम (अनुसूची III)
ठेकेदारों और आपूर्तिकर्ताओं को अग्रिम– ₹111.41 करोड़

सरकारी विभागों को दिए गए अग्रिम के समायोजन नहीं होने के कारण ₹6.25 करोड़ तक की राशि को उपर्युक्त में अधिक दिखाया गया है।

(₹ करोड में)

सरकारी विभागों को दी गई अग्रिम का उपयोग नहीं हो सका – (कोची)	0.14
पांडु पोर्ट को जोड़ने के लिए वैकल्पिक सड़क के निर्माण के लिए पीडब्ल्यूडी को अग्रिम दिया गया था, किन्तु अक्तूबर, 2013 में काम वापस ले लिया गया– (गुवाहाटी)	6.11
कुल	**6.25**

इसके कारण ₹6.25 करोड़ तक वसूली योग्य दावे भी कम हो गया।

(ख) **सामान्य**

लेखा परीक्षा के अनुरोध के आधार पर सुधार

लेखा परीक्षा के अवलोकन के आधार पर प्रबंधन ने लेखा में ₹ 28.94 करोड़ तक का भूल–सुधार किया, जिसका विवरण नीचे है :–

(₹ करोड में)

खाता शीर्ष	वृद्धि	कमी
परिसम्पत्ति	13.14	11.64
दायित्व	--	--
व्यय	0.44	1.94
त्रुटि निर्धारण	0.53	
लेखा टिप्पणियों में सुधार	1.25	

iv. पूर्व के पैराग्राफ में हमारे अवलोकन के तहत् हम प्रतिवेदन करते हैं कि इस रिपोर्ट में दी गई तुलन पत्र और आय एवं व्यय खाता, लेखा–बही के अनुरूप है।

v. हमारे विचार में और हमारी सूचना के अनुसार और हम लोगों को दिए गये स्पष्टीकरण के अनुरूप, लेखा नीतियों और खातों पर टिप्पणियों के साथ पढ़ा गया उक्त वित्तीय विवरण और उपर्युक्त उल्लिखित संगत मामले और इस अंकेक्षण रिपोर्ट के अनुलग्नक–I में उल्लिखित अन्य मामले के तहत् यह भारत में सामान्यतया स्वीकृत लेखा नीतियों से संबंधित सिद्धांतों के अनुरूप सत्य और स्पष्ट हैं :–

(क) जहाँ तक इसका संबंध भा.अ.ज.प्रा. के यथा दिनांक 31 मार्च, 2014 तक के कार्यकलापों और तुलन पत्र से है, और

(ख) जहाँ तक इसका संबंध 31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष के लिए आय/व्यय के आय एवं व्यय लेखा से है।

(विमलेन्द्र पटवर्धन)
प्रधान निदेशक, वाणिज्य लेखा परीक्षा तथा
पदेन सदस्य, लेखा परीक्षा बोर्ड–I,
नई दिल्ली

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 11 नवंबर 2014

अनुलग्नक–I

1. **आंतरिक अंकेक्षण प्रणाली**

आंतरिक अंकेक्षण आवधिक रूप से किसी चार्टर्ड एकाउंटेन्सी फर्म से कराया जाता है और अंकेक्षण रिपोर्ट तिमाही आधार पर प्रबंधन को प्रस्तुत की जाती है। कार्य का उद्देश्य और आंतरिक अंकेक्षण की अवधि संगठन की प्रकृति और आकार के अनुसार होता है। हालांकि, आंतरिक अंकेक्षण रिपोर्टों के अनुपालन की देखरेख अधिक प्रभावी ढंग से करने की आवश्यकता है।

2. **आंतरिक नियंत्रण प्रणाली**

जाँच संबंधी निरीक्षण के दौरान पायी गई निम्नलिखित कमियों को ध्यान में रखते हुए आंतरिक नियंत्रण को और मजबूत करने की आवश्यकता है :

(क) यथा दिनांक 31 मार्च, 2014 को प्राधिकरण ने ठेकेदारों को 116.65 करोड़ रु. अग्रिम रूप में दिया है जिसमें 4.08 करोड़ रु. की राशि 5 वर्षों से अधिक समय से है। पूर्व के बकाया अग्रिम की समीक्षा करने की आवश्यकता है।

(ख) क्षेत्रीय कार्यालय, कोलकाता के बिल के साथ किए गए भुगतान से सम्बंधित कागजात संलग्न नहीं किए गए हैं।

(ग) क्षेत्रीय कार्यालय, कोची में सी.पी.डब्ल्यू.डी. को दिए गए अग्रिम के सम्बंध में लेखा अनुभाग और तकनीकी अनुभाग द्वारा तैयार किए गए विवरण का लेखा समाधान नहीं हुआ है।

(घ)गुवाहाटी यूनिट में ठेकेदारों को दिए गए अग्रिम का बकाया शेष और वसूली योग्य दावे की प्राप्ति की संपुष्टि नहीं हुई थी।

3. **स्थायी परिसम्पत्तियों की वास्तविक सत्यापन प्रणाली**

रिकॉर्ड की जाँच संबंधी परीक्षण करने पर ज्ञात हुआ कि स्थायी परिसम्पत्तियों का वास्तविक सत्यापन नौएडा स्थित मुख्यालय में नहीं कराया गया था। आगे,क्षेत्रीय कार्यालय, कोलकाता और गुवाहाटी में स्थायी परिसम्पत्ति रजिस्टर निर्धारित प्रपत्र में अनुरक्षित नहीं कराया गया था।

4. **वस्तुसूची की वास्तविक सत्यापन प्रणाली**

वस्तुसूची का वास्तविक सत्यापन समय–समय पर कराया जाता था।

5. **सांविधिक बकाया के भुगतान में नियमितता**

क्षेत्रीय कार्यालय, कोलकाता में टीडीएस जमा करने में 6 दिन से 62 दिनों का विलंब हुआ।

नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की अंकेक्षण रिपोर्ट में 31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष के लिए वार्षिक लेखाओं पर की गई टिप्पणियों पर प्रबंधन के उत्तर

(क) तुलन पत्र

ठेकेदारों और आपूर्तिकर्ताओं को अग्रिम – ₹111.41 करोड़

ठेकेदारों और आपूर्तिकर्ताओं को दिए गए ₹6.25 करोड़ के अग्रिम में पांडु पत्तन को जोड़ने के लिए वैकल्पिक सड़क के निर्माण हेतु पीडब्ल्यूडी, असम सरकार को दिए गए ₹6.11 करोड़ शामिल है। वित्तीय वर्ष 2014–15 के दौरान इसे वापस ले लिया गया है। सरकारी विभाग (कोची) के पास पड़े ₹0.14 करोड़ रुपए के समायोजन/वसूली के लिए आवश्यक पहल करने की सलाह कोची को दी गई है। वित्तीय वर्ष 2014–15 में आवश्यक प्रविष्टि की जाएगी।

(ख) सामान्य

अनुसूची–I

1. आंतरिक अंकेक्षण प्रणाली

आंतरिक अंकेक्षण रिपोर्ट की देखरेख प्रभावी ढंग से की जाएगी।

2. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली

जांच के दौरान प्राप्त निम्नलिखित कमियों को ध्यान में रखते हुए आंतरिक नियंत्रण को और मजबूत करने की आवश्यकता है :

(क) ठेकेदारों और आपूर्तिकर्ताओं को दिए गए अग्रिम में विभिन्न फर्मों को दिए गए ₹4.08 करोड़ का अग्रिम शामिल है जो 5 वर्षों से अधिक समय से बकाया है। प्रशासन/तकनीकी पक्ष को समायोजन हेतु प्रमाणित बिल प्राप्त करने की सलाह दी गई है।

(ख) सभी कागजात संलग्न होने के बाद ही भुगतान करने का निदेश क्षेत्रीय कार्यालय, कोलकाता को दिया जाएगा।

(ग) सीपीडब्ल्यूडी को दिए गए अग्रिम का लेखा समाधान करने का निदेश क्षेत्रीय कार्यालय, कोची का दिया जाएगा।

(घ) ठेकेदार को दिए गए अग्रिम शीर्ष के तहत बकाया रोकड़ शेष और वसूली योग्य दावे की संपुष्टि क्षेत्रीय कार्यालय, गुवाहाटी में वित्तीय वर्ष 2014–15 में सुनिश्चित की जाएगी।

3. स्थायी परिसम्पत्तियों की वास्तविक सत्यापन प्रणाली

स्थायी परिसम्पत्ति रजिस्टर और स्थायी परिसम्पत्तियों की वास्तविक सत्यापन प्रधान कार्यालय, नौएडा में यथा दिनांक 31.03.2015 को किया जाएगा। क्षेत्रीय कार्यालय, कोलकाता और गुवाहाटी में स्थायी परिसम्पत्ति रजिस्टर को मानक प्रपत्र में अनुरक्षित करने के लिए कार्रवाई की जा रही है।

4. वस्तुसूची की वास्तविक सत्यापन प्रणाली

टिप्पणी की आवश्यकता नहीं।

5. सांविधिक बकाया के भुगतान में नियमितता

क्षेत्रीय कार्यालय, कोलकाता को सांविधिक बकाया का भुगतान समय से करने के लिए निदेश दे दिया गया है।

Annual Report
2013 - 14

INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA

MINISTRY OF SHIPPING

HEAD OFFICE: A-13, SECTOR-1, NOIDA – 201 301, DISTT. GAUTAMBUDH NAGAR (U.P.)

TELE NO. : 0120 – 2544036, 2543972; FAX NO: 0120 - 2543973, 2521764

E-mail : iwainoi@nic.in, Website : www.iwai.nic.in

MEMBERS OF THE AUTHORITY (During 2013-14)

		Telephone No.	Fax No.
Chairman	**Dr. Vishwapati Trivedi, IAS** (Up to 30.06.2013)	0120-2543972	0120-2543973
	Sh. Amitabh Verma, IAS (From 04.09.2013 onwards)		
Member	**Dr. Mrs. T. Kumar, IAS** Additional Secretary & Financial Advisor, Ministry of Shipping	011-23710140	011-23715195
Member	**Ms. Jayashree Mukherjee, IAS** Vice-Chairperson	0120-2544009	0120-2544009
Member	**Sh. R. P. S. Kahlon, IAS** Chairman, Kolkata Port Trust, Kolkata	033-22205370	033-22208226
Member	**Sh. C. B. Singh,** Advisor, Ministry of Shipping	011-2376619	011-23350648
Member	**Sh. Deepak Das, ICAS** Member (Finance), IWAI (Up to 04.12.2013)	0120-2544004	0120-2543976
	Sh. Pravir Pandey, IA&AS Member (Finance), IWAI (From11.03.2014 onwards)	0120-2544004	0120-2543976
Member	**Sh. R. P. Khare** Member (Technical), IWAI (From 18.09.2013 onwards)	0120-2521664	0120-2544041

OTHER DETAILS

		Telephone No.
Secretary	**Smt. D. Sai Amutha Devi, IP&TAFS**	0120-2544036
Auditors	**COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA**	011-23235793
Bankers	**SYNDICATE BANK** Transport Bhawan, Parliament Street, New Delhi 110 001	011-23717573
	SYNDICATE BANK Sector-18, Noida 201 301	0120-2514381
	CANARA BANK Sector-1, Noida 201 301	0120-2529163
	UNION BANK OF INDIA Sector-2, Noida 201 301	0120-2511426

REGIONAL OFFICES

	Telephone No.	Fax No.
INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA Gaighat Terminal-Cum Office, Gulzarbagh, Patna - 800 007 (Bihar)	0612-2630112 0612-2630005 0612-2630114	0612-2630100
INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA P-78, Garden Reach Road, Kolkata - 700 043 (West Bengal)	033-24390393 033-24395577 033-24396055	033-24395570 033-24391710
INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA Pandu Port Complex, Pandu Guwahati - 781 012 (Assam)	0361-2570109 0361-2676925 0361-2676927 0361-2676929	0361-2570099 0361-2570055
INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA National Waterways Road, N. H. 47 Bye pass, Kannadikkadu, Maradu, Ernakulam - 682 304 (Kerala)	0484-2295064 0484-2389804	0484-2389445

SUB OFFICES / UNITS

	Telephone No.	Fax No.
INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA 360/F/44, Nawab Yusuf Road, Civil Lines, Allahabad - 211 006 (U.P.)	0532-2561151 0532-2560537	0532-2561152
INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA 52, 2nd floor, Patel Nagar, Nadesar, Varanasi - 221 002 (U.P.)	0542-2505329	0542-2505329
INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA NavinGanguli Road, DurgaAsthan (MandirGhat), Bhagalpur – 821001 (Bihar)	0641-2400651	0641-2400651
INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA Office Building No. 1, FBP Office Complex, P.O. Farakka Barrage, Distt.Murshidabad - 742 212 (West Bengal)	03485-255809	03485-255809
INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA Fakirtala, P.O.-Maheshganj Swaroopganj, Nadia-741 315 (West Bengal)	09830508079	
INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA DurgabariRoadTiniali, A. T. Road, Naliapool Dibrugarh- 786 001	0373-2302540	
INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA Dhubri Terminal, Free India Ghat, Dhubri - 786005	03662-298111	
INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA IWT Terminal Cum Office Complex, Ashramam Nr. ESI Hospital, Kollam-691002	0474-2766460	
INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA F-14, IMU Campus, East Coast Road, Uthandi, Chennai-600119 (Tamil Nadu)	08056079757	

1. IWT SECTOR – GENERAL INFORMATION

Rivers have always played an important part in the development of civilization, assimilation of culture, development of trade, expansion of agriculture and improvement of life styles.Harnessing rivers for navigation was a great milestone in the history of mankind. Evidences for river transport in primitiveforms have been discovered in India all along our major rivers. Evidences for flourishing Maritime industry has also been found along the river beds in India.

Like many other countries, water transport has been a traditional mode of transport in India as well. It was used by the Britishers, the Mughals, and also in ancient times. But somewhere in our zeal for modernization and progressive approach in the modern era, we started to see growth in terms of, how well is railways network established, how good the airport system and highways are, since these modes were believed to have the speed factor in their favour vis-à-vis waterways, they got more attention and hence developed rapidly. But that also led to the neglect of Inland Water Transport sector. And while railway network improvement turned out to be consistent process since independence for Waterways, the IWAI was set up much later, in 1986,and between 1986 to 2010, the total investment in improving inland waterways transport has also been a meager Rs. 1100 crore. It was only during the eleventh five year plan that focus on it increased substantially.

The IWT is recognized all over the world for its inherent advantage of being the cheapest mode of transport for bulk haulage over long distance between places situated along the water front. Energy efficiency, low pollution and potential for employment generation are universally accepted as the major advantages of inland water transport.India has a number of rivers, backwaters, creeks and canals, which have the potential to be used as a cost effective and environmental friendly mode of transportation.

With the increase in rail & road network, the use of Inland water transport (IWT) declined and today it is prevalent in an organized manner only in a few places like Goa, Assam, Kerala, West Bengal and Mumbai, apart from Ganga and Brahmaputra rivers.

At present, transport through IWT stands at as at 0.40% of total inland transportation.However, the target is to raise the share to 5% (25 btkm) by the year 2020 and accordingly various projects/ schemes are being planned/ implemented by IWAI.

2. ROLE OF IWAI

Inland Waterways Authority of India (IWAI) was constituted on 27th October 1986 vide Inland

Waterways Authority of India Act, 1985 for regulation and development of inland waterways for the purposes of shipping and navigation. IWAI is primarily responsible for development, maintenance and regulation of waterways declared as National Waterways (NWs). It also advises Ministry of Shipping on all matters related to IWT.

As per Section 14 of IWAI Act, 1985, IWAI is mandated with the development and regulation of the waterways which are declared as National Waterways. The following waterways have so far been declared as National Waterways (NWs):

i) NW-1 - Ganga-Bhagirathi-Hooghly river system (Allahabad-Haldia-1620 km) in the states of Uttar Pradesh, Bihar, Jharkhand and West Bengal, declared in 1986.

ii) NW-2 - River Brahmaputra (Dhubri-Sadiya – 891 km) in the state of Assam declared in 1988.

iii) NW-3 -West Coast Canal (Kottapuram-Kollam) along with Udyogmandal and Champakara Canals – (205 km) in the state of Kerala declared in 1993.

iv) NW-4- Kakinada- Puducherry canals along with Godavari and Krishna rivers (1078 km) – in the states of Andhra Pradesh, Tamil Nadu and Union territory of Puducherry declared in 2008.

v) NW-5 - East Coast Canal integrated with Brahmani river and Mahanadi delta rivers (588 km) in the states of West Bengal and Odisha declared in 2008.

Declaration of Lakhipur- Bhanga stretch of River Barak (121 km) in Assam as NW-6 is under consideration of the Government. Besides, IWAI is developing and maintaining the Indian side of Sunderbans waterways under the Indo-Bangladesh Protocol for Transit and Trade under which the inland vessels of one country can transit through the specified routes of the other country.

IWAI is implementing various projects for making NW-1, 2 and 3 fully functional by providing following infrastructure:

a) Fairway with targeted depth and width
b) Fixed and floating terminals with access and egress by road/rail.
c) Facilities for day and night navigation; and
d) Dredgers/ vessels for channel developmental works

3. DEVELOPMENT OF NATIONAL WATERWAYS

There are three basic infrastructural requirements for making a waterway viable for shipping and navigation. These are (i) navigation channel with adequate depth and width for movement of reasonable size of inland vessels, (ii) navigation aids for day and night navigation, and (iii) terminals to provide berthing of vessels with loading and unloading of cargo/ passenger with road/ rail connectivity.

National waterways 1 and 2 are alluvial rivers with typical characteristics of braiding, meandering and large water level fluctuation between monsoon and non-monsoon months. On these rivers, several shallow areas (shoals) come up during low water season and maintenance of 2 m Least Available Depth (LAD), particularly in upper reaches, becomes a difficult task. In these rivers, conservancy works like dredging and bandalling are to be taken up after every monsoon to remove these shoals for providing a navigational channel so as to facilitate uninterrupted navigation. NW-3, on the other hand, is a combination of tidal rivers and canals with uniform tidal variation in water level. Therefore, once the desired depth is provided by capital dredging, it can be maintained for a number of years by undertaking nominal maintenance dredging as per actual requirement. NW-4 and 5 consist of both canal and river stretches. While canal portions need to be extensively dredged and supplemented with water regulation using locks to maintain the required depth in NW-4, annual dredging is required on Godavari and Krishna rivers. Similarly dredging will be required in the lower reaches of the river portion of NW-5 on a yearly basis, whereas storage of water using five barrages with navigational locks is proposed in the upper reaches of Brahmani river to maintain the required depth for navigation.

4. NATIONAL WATERWAY – 1 (NW-1)

The important works carried out during 2013-14 for development and maintenance of fairway, terminals and navigational aids on NW-1 are given below in brief:

4.1 Fairway Development:

A navigational channel with targeted depth and width is to be maintained in the National Waterway for smooth and safe voyage of vessels. This was achieved by undertaking river conservancy works namely bandalling and dredging etc. in Tribeni-Chunar stretch (1226 Km) of NW-1. The stretch between Haldia and Tribeni (196 km) is tidal and the Least Available Depth (LAD) of more than 3.0 m is maintained naturally. Hence, IWAI does not undertake any fairway development works in this stretch.

During the Financial Year 2013-14, 3,900m of bandals in Tribeni - Rajmahal (399km) and 14,500m bandals in Rajmahal - Chunar (827km) stretches were erected for maintaining the fairway.

In addition, 2.60 lakh M^3 dredging in Tribeni- Rajmahal and 9.40 lakh M^3 dredging in Rajmahal – Chunar stretches was carried out by deploying eight Cutter Suction Dredgers (CSD) viz. Sweta, Tapi, Shipra, Jalangi, Mahananda, Alaknanda, Yamuna, and ID-IV along with one Hydraulic Surface Dredger (HSD Sone) and one Amphibian Dredger (AD Falgu) owned by IWAI.

A picture of Dredging executed on National Waterway-1

On account of these works, Least Available Depth (LAD) was maintained for various stretches of NW-1 during 2013-14 as given below:

(a)	Haldia – Farakka stretch (560 km)	–	2.8 m to 3.0 m.
(b)	Farakka – Barh stretch (400 km)	–	2.1 m to 2.5 m.
(c)	Barh – Ghazipurstretch (290 km)	–	1.6 m to 2.0 m.
(d)	Ghazipur – Chunar/Allahabad (370* km)	–	1.2 m to 2.0 m.

* In Chunar-Allahabad stretch (198 Km) no river conservancy works was undertaken.

Under the project of transportation of 3 MMTPA of imported coal from Haldia / Sand-heads to Farakka through National Waterway No. 1 by M/s Jindal ITF Ltd., about 20 barges of 2000 T capacity each started moving between Haldia and Farakka since Nov., 2013 and first time ever 2.0 lakh tonnes (appx.) of coal has reached NTPC Farakka upto March, 2014 under this project.

The trial movements of fertilizer of M/s Tata Chemicals and M/s IFFCO from Haldia to Fatuha (Patna) and from Fatuha (Patna) to Kolkata respectively have also been done successfully on NW-1 during 2013-14.

Movement of TATA Chemicals Fertilizer on National Waterway-1

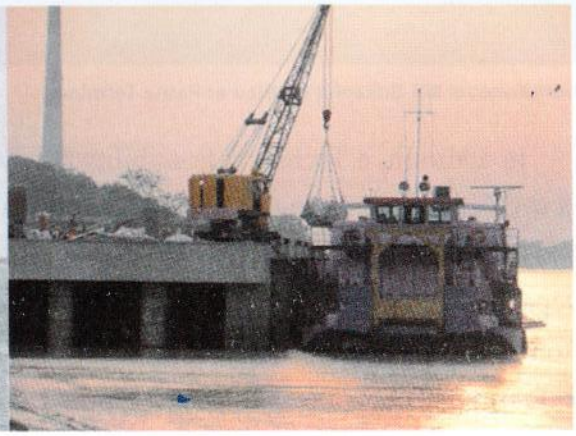

Unloading of IFFCO Fertilizer at GR Jetty on National Waterway-1

Besides many movements of Over Dimensional Cargo (ODC) took place on National Waterway-1. The ODC consignment of NTPC (343 MT) and JP Groups (601 MT) each respectively were transported by M/s Eastern Navigation Pvt. Ltd. right upto Allahabad during Oct'2013.

ODC movement on Ganga National Waterway-1

Further, Inland tourist vessel RV Bengal Ganga of M/s Heritage River Cruise Pvt. Ltd. and ABN Sukhapa of M/s Assam Bengal Navigation Co. Pvt. Ltd. made their voyages successfully on National Waterway-1 between Kolkata- Semaria - Kolkata and Kolkata-Patna – Kolkata during 2013-14.

Tourist vessel MV Sukapha berthed at Patna Terminal

A picture of Tourist Vessel RV Bengal Ganga on NW-1

In addition, a Technical Feasibility Study for providing 3.0 m LAD in Allahabad - Ghazipur stretch was completed through M/s DHI (India) Water & Environment Pvt. Ltd. and its further extension from Ghazipur to Buxar was underway. This study led to IWAI posing a project to Ministry of Shipping and Department of Economic Affairs for World Bank assistance of about US $ 700 million (about Rs. 4200/- crores). Various steps in this direction were taken. This could develop into another path breaking project for revival of IWT on this most important waterway of the country.

4.2 Terminals

The low level and high level jetties at Patna (Bihar) are operational since 2008 and 2012 respectively which are capable of mechanical handling of cargo.

Further, construction of permanent terminal at GR jetty, Kolkata has been completed and made operational in Nov., 2013. Hon'ble Minister of Shipping formally inaugurated this project at Kolkata on 25.11.2013.

In addition, fixed jetties at Farakka and Pakur already exist on National Waterway-1 and being used by transporters.

Moreover, 20 floating terminals also exist on this waterway between Haldia and Allahabad and being maintained. These are:

(a) Haldia-1&2, BISN (Kolkata), Botanical Garden (Kolkata), Shantipur, Swaroopganj, Katwa, Hazardwari, D/s Farakka and U/s Farakka in West Bengal;

(b) Rajmahal, Sahibganj, Bateshwarsthan, Bhagalpur, Munger, Semaria and Buxar in Bihar / Jharkhand;

(c) Ghazipur, Varanasi and Allahabad in Uttar Pradesh.

These terminals are being utilized for logistic support and embarking / disembarking facility to the users.

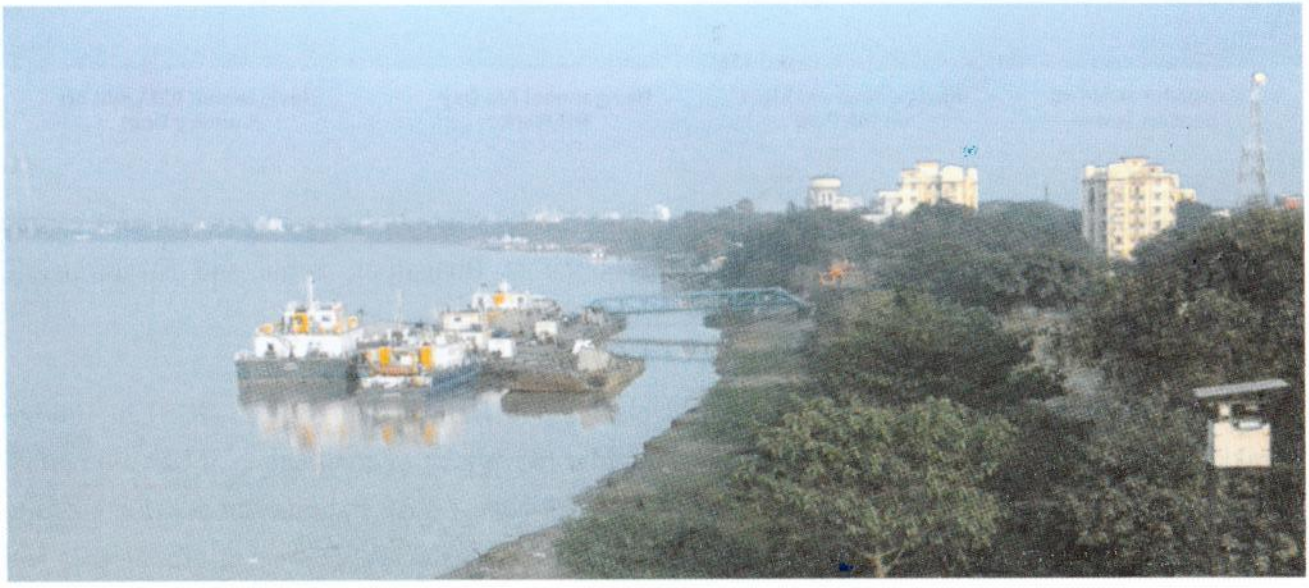

Various vessels berthed at BISN, Kolkata floating terminal

These floating terminals can be shifted on need basis from one place to another on demand by the transporters / shippers.

4.3 Navigation Aids

Channel marks for day navigation are being provided and maintained between Tribeni and Allahabad all-round the year. In addition, night navigation facilities are also provided and maintained between Tribeni and Ballia / Varanasi (944/ 1187 km) with the support of light fitted on country boats / bamboo structures, MS poles and beacon towers. After conducting fortnightly thalweg surveys during lean period and on monthly basis during flood period, the river notices are being published regularly. Moreover, pilotage is provided to the users on requirement.

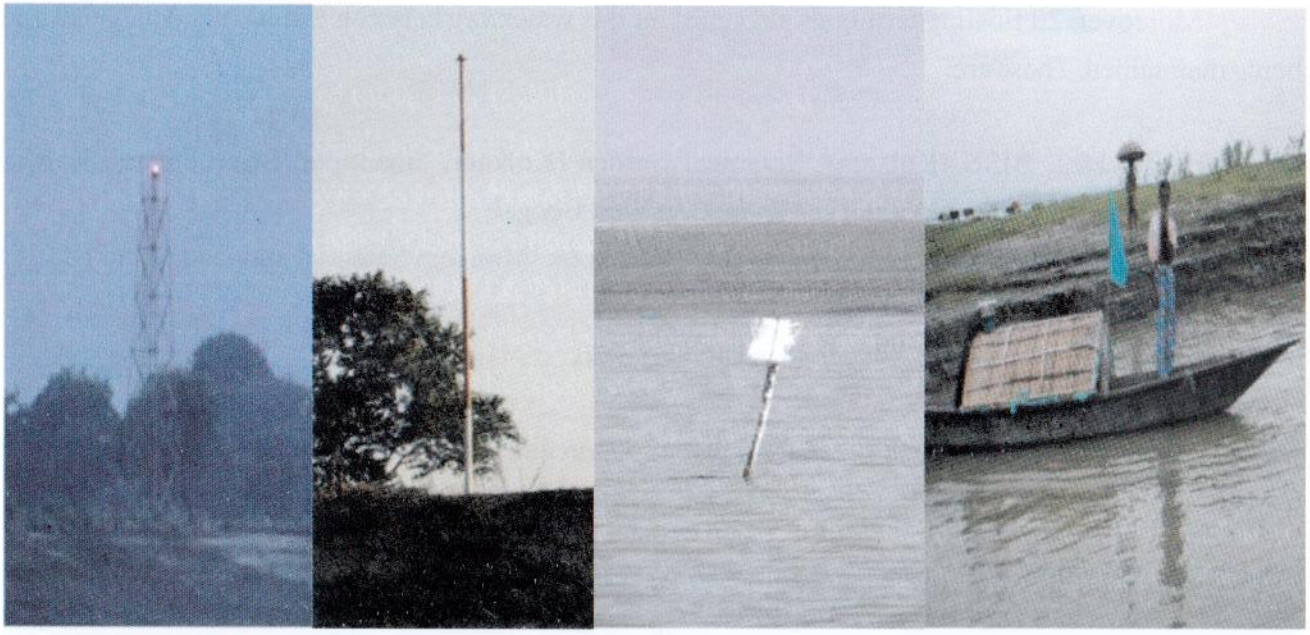

Navigational Aid on Beacon Tower | Navigational Aid Light on MS Pole | Navigational Aid Day RH Mark | Navigational Aid Light on Country Boat

To supplement these aids and also for providing state-of art 24 hours navigation aids on the waterway, the DGPS stations have been commissioned at Bhagalpur, Patna and Swaroopganj. Installation of DGPS station at Varanasi is to be taken up soon.

An important project of providing world class River Information System (RIS) in Haldia-Farakka sector of National Waterway-1 (on which regular movement of coal barges of M/s Jindal ITF Ltd. takes place) is under implementation. This system will have 7 base stations and provide shore to vessel, vessel to vessel and vessel to shore communication, data transfer and channel information on real time basis.

5. NATIONAL WATERWAY – 2

River Brahmaputra-NW-2 (891km) from Sadiya to Bangladesh Border near Dhubri is the most important Inland Waterway in North Eastern Region (NER). Many rivers join this mighty river to form a fish bone like structure. About 1687 km stretches of tributaries of Brahmaputra and Barak river have been identified in NER having potential for development as feeder routes. NW-2 provides alternate connectivity to NER through Indo- B'desh Protocol routes (1700 km). As per the charter of IWAI, development and maintenance of fairway, terminals, and navigation aids on NW-2 was done during the year as briefly described below:-

5.1 Fairway Development

A navigable fairway of minimum 45 meter width and 2.5 meter least available depth (LAD) was maintained for entire year in Dhubri-Pandu stretch.

Sl. No.	Stretch area	Maintained LAD	Period (FY 2013-14)
1.	Pandu-Neamati	2.5 meter	About 260 days and
		2.2 meter	for remaining period (105 days)
2.	Neamati-Dibrugarh	2.0 meter	For 300 days and
		varied from 1.3 meter to 1.8 meter	for the remaining period
3.	Dibrugarh-Sadiya (Oriumghat)	1.5 meter	For 245 days and
		varied from 1.0 meter to 1.4 meter	for the remaining period.

To maintain this LAD, 18,600 m of bandals were erected at 36 locations and maintained. Besides, 2.95 lakh cubic meter of dredging was carried out at 20 locations using three CSDs namely CSD Tizu, CSD Mandovi and CSD Brahmani. The CSD Brahmani was mobilized in NW2 during November, 2013.Two HSDs namely HSD Dhansiri and HSD JiaBhorali were also deployed for undertaking dredging for augmenting the depth in the fairway.

5.2 Terminals

A Master Plan was prepared for phased development of terminal at Pandu. A low level jetty at Pandu has already been made operational since 2009. A high level jetty at a cost of Rs. 43.85 Cr. is also constructed to make the terminal operation round the year. After tackling a number of complex technical issues which were encountered during construction of this jetty, it was commissioned in March 2014.

RCC low level jetty at Pandu Port with Mechanical Handling Equipment

A Broad Gauge railway siding connecting Pandu port to Kamakhya railway station (Guwahati) has been constructed through NF Railway at a cost of Rs. 12.97 Cr. Trial engine run has been completed. Gazette Notification has been published by NF Railway and the BG siding is ready for operation.

Other developmental works at Pandu terminal were also executed through CPWD. These include, bank protection, construction/repair of internal road system, drainage work, hard stands etc. at a total cost of Rs. 4.64 Cr. Office cum River Information System building of IWAI regional office Guwahati at Pandu at an estimated cost of Rs. 4.61 Cr. is also nearing completion. The office is likely to be shifted in the new building in July, 2014. Proposal for construction of an alternate road through NF Railway land, connecting Pandu terminal to NH-31 for movement of heavy traffic at a cost of Rs. 12.32 Cr. was approved during March 2012 and the work was awarded to Assam PWD (NH Division). However, the work could not be taken up as unauthorized encroachments existing on this land could not be removed by NF Railway and State Administration despite regular follow up by IWAI at the highest level. In view of this IWAI Board in its 148th meeting held on 22.10.2013 decided to foreclose the project. Both NF Railway and Govt. of Assam have been requested to refund the amount of Rs. 3.45 Cr. and Rs. 6.11 Cr. respectively, deposited with them by IWAI.

Projects for setting up of two Ro-Ro terminals, one at Dhubri and another at Hatsingimari (opposite bank of Brahmaputra river at Dhubri) were sanctioned by IWAI at a cost of Rs. 28.98 Cr. and Rs. 33.31 Cr. respectively during August 2012 and November 2012. The work for construction of

terminal at Dhubri has been awarded to CPWD during January 2013. This will provide direct IWT connectivity to Meghalaya from Dhubri (29 km) avoiding a circuitous road route (220 km) through Jogighopa. CPWD revised the estimate of Dhubri terminal to Rs. 46.69 Cr. based on the cost offered by L-1 bidder. The revised estimate was sanctioned by IWAI on 12.03.2014. CPWD in turn has awarded the work to L-1 bidder (M/s Tribeni Construction) and the firm is mobilizing men and material to commence the work. The project is scheduled to be completed by April, 2016. At Hatsingimari, however, almost entire land earmarked for construction of terminal has been eroded by mighty Brahmaputra and it is not possible to construct the permanent structure in present conditions. In view of above, IWAI decided to develop temporary Ro-Ro facilities at Hatsingimari till the river bank stabilizes. Simultaneously, IWT Directorate, Govt. of Assam would be approached for operating Ro-Ro service by converting their vessels suitable for Ro-Ro operation. Action has been initiated on these lines.

Floating terminals for facilitating cargo movement have been provided and maintained at Dhubri, Jogighopa, Tejpur, Silghat, Vishwanathghat, Neamati, Bogibeel, Dibrugarh, Sengajan/Panbari and Oriumghat. Land for setting up of terminals at Hatsingimari, Dhubri, Silghat, Vishwanathghat, Neamati, Dibrugarh and Oriumghat has been acquired.

5.3 Navigation Aids

Channel marking for day navigation was provided and maintained in the entire waterway. Night navigation aids have also been provided between Dhubri and Silghat and are being maintained. Fortnightly/ monthly thalweg surveys have been carried out in the entire waterway and river notices have been issued to provide fairway related information to the IWT operators. To supplement this, state-of- art DGPS stations have been commissioned at Dhubri, Jogighopa, Silghat and Dibrugarh to facilitate DGPS connectivity in the entire NW-2.

5.4 River Tourism

The presence of wild life sanctuaries at Kaziranga& Orang and other tourism places viz. Sualkuchi, Sivasagar&Kamalabari on the bank of River Brahmaputra has attracted substantial river tourism in NW-2. The provision of 2.5 meter LAD in Pandu-Neamati stretch of NW-2 has brought the river tourism in this mighty river on international platform. Three tourist vessels are regularly making voyages between Pandu and Neamati with foreign tourists every year.

6. NATIONAL WATERWAY – 3

The West Coast Canal system (205 km) comprising of West Coast Canal between Kottappuram-Kollam (168 km), Udyogmandal canal between Kochi – Eloor (23 km) and Champakkara canal between Kochi- Ambalamugal (14 km) was declared as National Waterway No. 3 during February, 1993. The important works carried out during 2013-14 for development and maintenance of fairway, terminal, and navigation aids on NW-3 are briefly described below:-

6.1 Fairway Development

NW-3 is a tidal waterway with four sea openings at Munambam, Kochi, Kayamkulam and Neendakara. It is envisaged that a navigational channel of 38m width in wider reaches and 32m in narrow reaches with 2 m depth is to be developed for navigation in NW-3.

The capital dredging work in Alappuzha- Kayamkulam stretch to widen the channel for full width is being executed through contract dredging. In Kayamkulam – Edapallikotta stretch, for widening 1.75 Km section, where single lane channel is available due to presence of fishing nets, IWAI has deployed one of its cutter suction dredger to widen the channel to full width of 32m.

The dredging in Edapallikotta- Kollam stretch (from Chavara to Kollam) is being executed with 4 departmental dredgers (2 cutter suction dredgers and 2 amphibian dredgers). The Edapallikotta- Kollam stretch contains hard strata (approx. quantity 18000 Cum). The hard strata is being removed with specially procured two Amphibian dredgers having special attachment of hydraulic hammer for breaking the underwater hard strata. The work is in progress in this stretch since February 2012. Dredging and widening of canals in Alappuzha- Kollam stretch is expected to be completed by December 2014 subject to the continuous and smooth co-operation from the local residents for un-interrupted execution of dredging work.

Protection of the canal banks against erosion is another important activity for safe navigation. As on March 2014, 14.67 Km of canal bank has been provided with permanent bank protection in Champakara and Udyogmandal canals.

In the canal sections between Alappuzha and Kollam also, where the existing channel needs to be widened, the bank protection is being provided simultaneously with capital dredging. As on March, 2014, bank protection for a length of 4.58 Km has been completed.

The progress of capital dredging and widening of narrow canal works in NW-3 has severely hampered due to various local issues related to disposal of dredged material, demand for extra bank protection, frequent stoppage of works and litigations by the local people and objection by fishermen. To resolve these issues, interactions with the State Government at the highest level is being done regularly.

6.2 Terminals

Out of total 11 locations envisaged for setting up of terminals, eight have already been constructed at Kottapuram, Aluva, Maradu (Kochi), Vaikkom, Cherthala (Thanneermukkom), Thrikunnapuzha, Kayamkulam (AyiramThengu) and Kollam. Construction of one terminal at Alappuzha is in progress at a cost of Rs.9.04 crores and 80% works have been completed.

Terminals at remaining two locations namely Kakkanadu and Chavara are proposed to be constructed in the next phase after firming up the cargo availability. For effective utilization and to encourage private sector participation, operation and maintenance of IWT terminals at Aluva, and Vaikkom have been outsourced to KSINC (A Govt. of Kerala Undertaking).

Two IWT container terminals, one at Bolgatty and the other at Willingdonisland with RO-RO facilities have been constructed by IWAI through Cochin Port Trust to provide connectivity with ICTT Vallarpadam. Due to this trucks/trailers bound for Vallarpadam need not pass through the congested roads of Kochi city. These terminals are in operation since 23/02/2011. As on March 2014, total 64,173 of 20 feet containers and 33,615 of 40 feet containers have been transported between these terminals using the RO-RO facility.

7. NATIONAL WATERWAY-4 &5

Preparation of Detailed Project Reports (DPR) for the two new NWs (NW-4 & 5) which were declared in November 2008 has been completed. However, no fund has been allocated for their development. The Planning Commission suggested to explore the possibility of developing more commercially viable stretches of waterways through PPP mode with Viability Gap Funding (VGF). Accordingly, interaction was made with the stakeholders of both these waterways and more commercially viable stretches were identified. Department of Economic Affairs (DFA) and Asian Development Bank (ADB) under their India Infrastructure Development Fund (IIDF) and PPP Pilot Project initiative schemes agreed to take up appointment of a transaction adviser (consultant) for developing these projects and accordingly appointed M/s Grant Thornton in March, 2012. However, the result of this study was not found to be encouraging. Hence efforts are being made by IWAI/Ministry of Shipping for taking up its development through budgetary support/external sources.

In order to assess the latest hydro-morphological condition of priority stretches, IWAI has undertaken detailed hydrographic survey of Godavari River, Kakinada Canal, Godavari Eluru Canal, North Buckingham Canal and South Buckingham Canal in NW-4 and Talcher-Dhamra, Mangalgadi Paradip stretches and Matai River of NW-5.

A project has been sanctioned at an estimated cost of Rs. 123.4 crore for development of Sholinganallur-Kalpakkam stretch (37km) of South Buckingham Canal in NW-4. A Sub- office of IWAI was setup in IMU (Indian Maritime University) Campus, Uthandi, Chennai for coordinating and monitoring the proposed developmental works.

In order to develop the viable stretches of NW-5, a meeting with stakeholders was taken at BhubhaneshwaraMoUamong Govt. of Odisha, IWAI, Paradip Port Trust and Dhamra Port Company Limited for developing the commercially viable stretch i.eTalcher to Paradip&Dhamra for 333 km

length under two phases has been entered into. A consultant has been appointed for revising the DPR of the stretch from Pankapal/Jokadia to Paradip and Dhamra under phase-1.

8. PROPOSED NATIONAL WATERWAY-6

Proposal for declaration of the River Barak as National Waterway was approved by the Cabinet in March, 2007 which could not come up for discussion in the 14th LokSabha before it was dissolved. Subsequently, the bill had lapsed as per the Business Regulation of the Parliament. The lapsed bill was taken up afresh in the 15th LokSabha, after approval of the Cabinet again. The fresh bill for declaration of the river Barak as National Waterway was passed by the RajyaSabha on 30th August, 2013. However, even this time too, the bill could not come up for discussion in the 15th LokSabha before its term came to an end. As the cost estimates in the bill are required be updated revised proposal is under preparation.

9. INDO-BANGLADESH PROTOCOL ON TRANSIT & TRADE

An Inland Water Transit and Trade Protocol exists between India and Bangladesh under which the two Governments agreed to make mutually beneficial arrangements for the use of their waterways for commerce between the two countries for passage of goods between two places in one country through the territory of the other, in accordance with the laws of the country through the territory of which goods are moving. The existing protocol routes are:

(i) Kolkata-Pandu-Kolkata, (ii) Kolkata-Karimganj-Kolkata, (iii) Rajshahi-Dhulian-Rajshahi, (iv) Pandu-Karimganj- Pandu. For inter-country trade, five ports of call, Haldia, Kolkata, Pandu, Silghat and Karimganj in India and Narayanganj, Khulna, Mongla, Sirajganj and Ashuganj in Bangladesh have been designated in each country. The protocol is valid upto March 2015. More than 18 Lakh tonnes of fly ash is transported between Kolkata/ Haldia and Bangladesh under this protocol during the year 2013-14.

10. TRANSPORTATION OF COAL FOR NTPC'S POWER PLANTS

After open competitive bidding, M/s Jindal ITF Ltd. was selected as operator for transportation of 3 MMTPA imported coal from Sandheads in Bay of Bengal to Farakka NTPC power plant by IWT mode. They have invested approximately Rs. 600 Cr. in transhipper, barges; and jetty & unloading infrastructure at Farakka. The transhipper has been positioned at Sandheads, 19 barges have been constructed and are in operation. Complete infrastructure for this transportation project has been set up by October, 2013. Transportation of coal has been commenced in the 1st week of November, 2013 and by March 2014 as out 2 lakh tonne of Coal was transported through NW-1 to the Farakka Power Plant, first time in the history of IWT of India. Encouraged by the progress of the Farakka project, IWAI and NTPC have also developed a similar project for transportation of 3 MMTPA coal for 10 years for NTPC's 3300 MW Super Thermal Power Plant at Barh (near Patna). Bids for this project have been invited by IWAI on

behalf of NTPC. Plans are afloat to bring further 3 MMTPA of imported coal required for NTPC Kahalgaon plant through IWT mode.

11. TECHNO-ECONOMICS STUDIES

The following studies are in progress:

A. Final report on Technical feasibility of providing 3 m LAD in Allahabad-Ghazipur stretch of NW-1 has been submitted. The study is further extended upto Buxar. M/s DHI have submitted the draft report and final report is expected to be submitted by 31st July, 2014.

B. M/s NATPAC has submitted final draft report on feasibility of extension of NW-3 in North and South sides. Final report of this study is expected to be submitted by 31st July, 2014

C. M/s RITES have completed the Phase-I report on Integrated National Waterways Transportation Grid at macro level. The stage-I of Phase-II study at micro level is expected to be completed by June, 2014.

D. M/s WAPCOS has been entrusted the EIA/EMP studies of National Waterway-4&5 and are in progress.

12. SURVEY ACTIVITIES DURING THE YEAR 2013-14

Hydrographic survey is the science of measurement and descriptions of features which affect navigation, marine construction, dredging, sand char submerged wrecks and other feature demarcation and related activities. Strong emphasis is placed on soundings, shorelines, tides, currents, sea floor and submerged obstructions that relate to the previously mentioned activities. The final stages of the hydrographic process uses the raw data collected through hydrographic survey into information usable by the end user for analysis and safe navigation. The hydrographic wing also publishes Navigation Atlas & Pilots providing supplementary information to the mariners.

12.1 NATIONAL WATERWAY -1

THALWEG SURVEYS

Thalweg surveys were conducted departmentally on fortnightly basis and River Notices issued (both in English & Hindi) to the IWT users. Total 27657 line Km of Thalweg surveys were undertaken during the year. Stretch-wise details of surveys undertaken are shown below:-

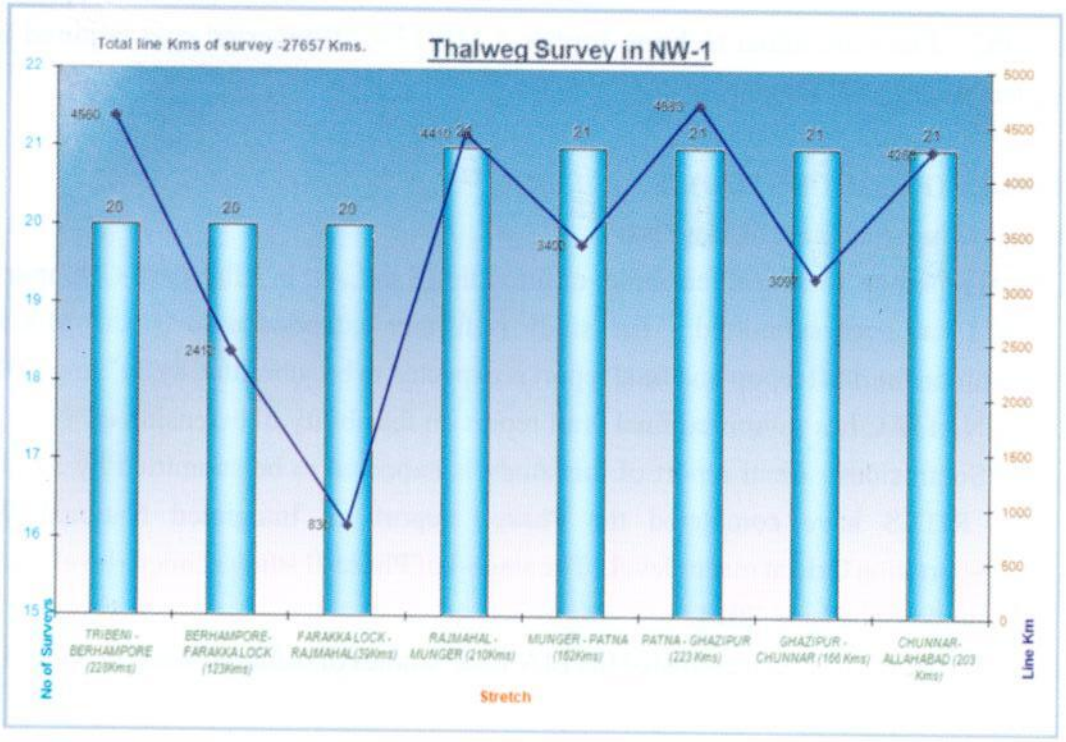

DETAILED SURVEYS

Pre / Post Bandalling and Dredging surveys were conducted departmentally at 217 shoal locations, details are given below:-

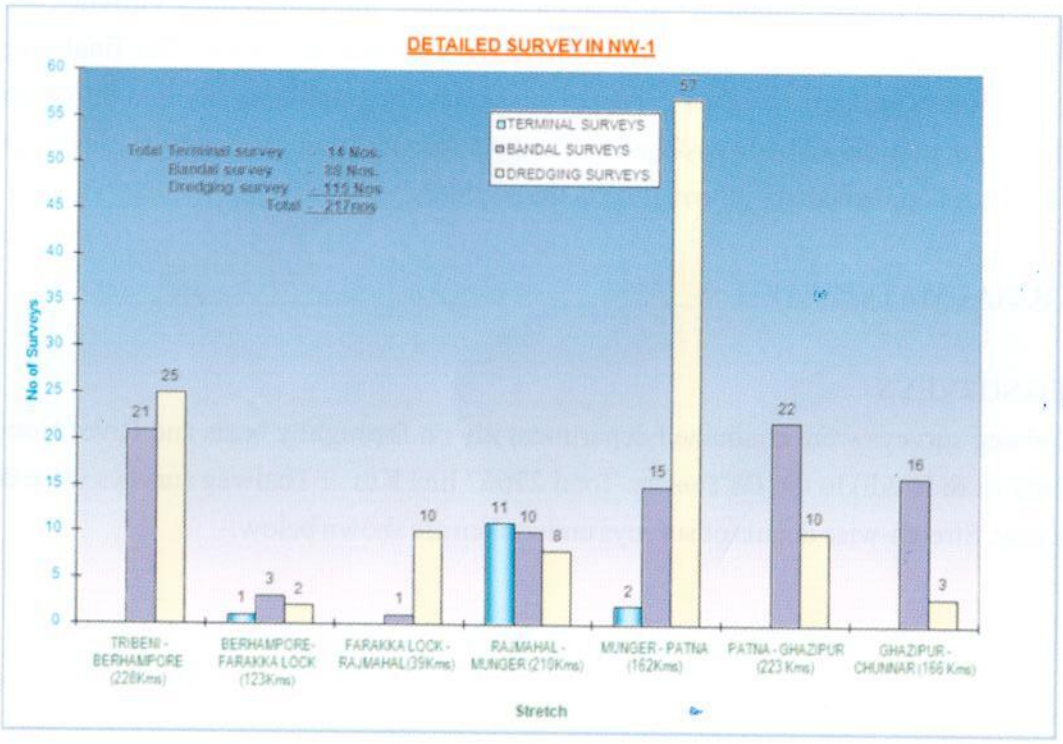

TERMINAL SURVEYS

Terminal Surveys were carried out at NTPC COAL JETTY (540.0Kms) in TRIBENI-FARAKKA stretch, Samada Ghat (618.0), Bateswar (683.0), Monglahat (589.0), Bhagalpur (715.0), Munger (793.0) in RAJMAHAL - MUNGER stretch at Semeria (851.0) and Gaighat (955.0) in MUNGHER – PATNA stretches.

OTHER SURVEYS

In the Tribeni–Farakka stretch Bank to Bank survey was conducted at BagmariSyphone(529.0Kms) ,D/s. Dasturihat Ferry (444.5Kms) and Udhua(552 Kms). Cross sectional survey were carried out at Kelabari and Raghopur over a length of 9 Kms for Government of Bihar.

In addition bank to bank survey was also conducted between Kahalgaon to Sultanganj during lean season and Barh to Ghazipur were also conducted during flood season for updating the data base for preparation of River Navigation Charts and Electronic Navigation Charts.

OTHER ACTIVITIES BY SURVEY TEAM

IWAI survey vessels fitted with Automatic Hydrographic Survey system had escorted 1st and 2nd coal barge convey movement of M/s.JITF vessels comprising of 4 nos and 7 nos barges in Tribeni-Farakka stretch successfully.

Indo-Bangladesh Protocol Route (Sunderbans)

Monthly Thalweg survey was carried out in Indo-Bangladesh Protocol route from Silver Tree point to Beharikhal (Bangladesh border). Total 1,872 line Kms of Thalweg survey were conducted and River Notices published in the IWAI web site.

NATIONAL WATERWAY -2

THALWEG SURVEYS

Thalweg surveys conducted departmentally on fortnightly basis during lean season, monthly basis during flood season and River Notices issued (both in English & Hindi). Total 15480 line Km of Thalweg surveys were undertaken during the year, the stretch-wise details are shown below:-

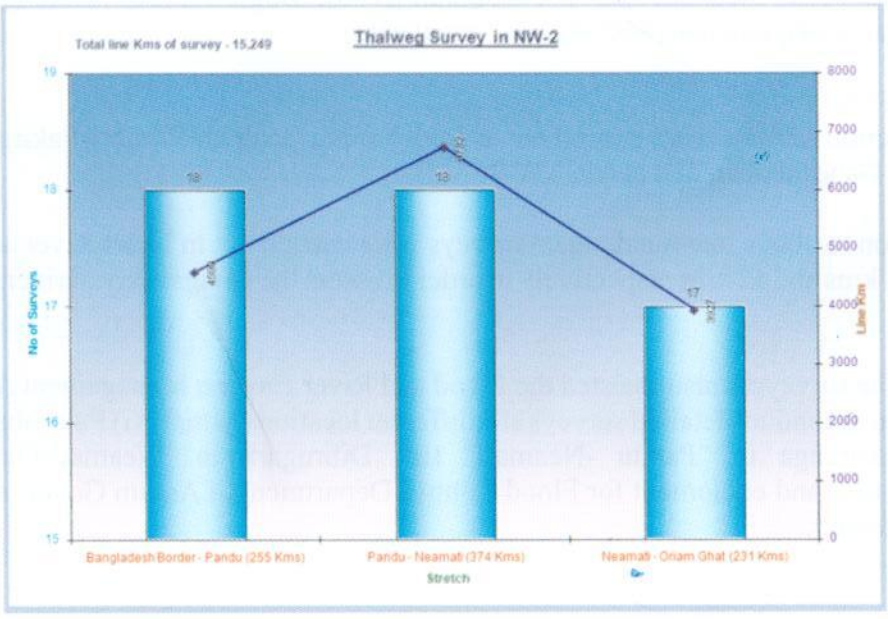

DETAILED SURVEYS

Pre & Post Bandalling , Dredging surveys, terminals and cross section survey were conducted departmentally at 140 shoal locations, details are given below:-

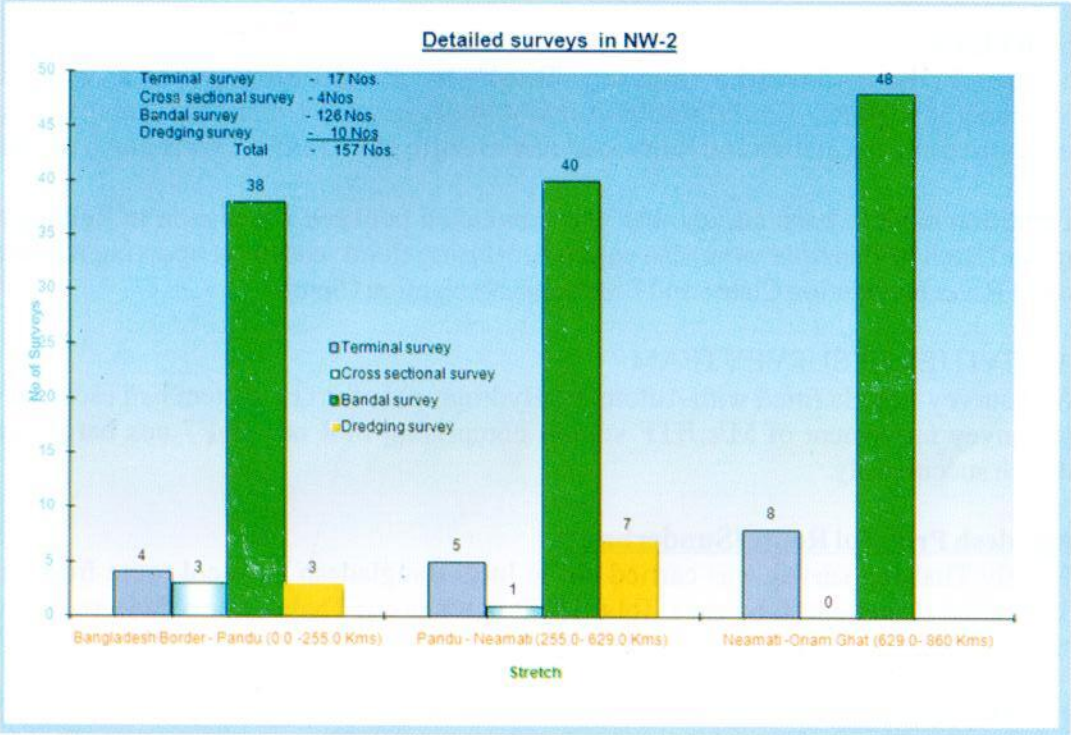

TERMINAL SURVEYS

Terminal Surveys were carried out at Dhubri (32), Jogighoppa (108), Pandu (255.0) Silghat (441), Viswanath (470) Neamati (629), Nagaghuli (788), Bogibil (738), KarengChappori (740.) Sengajan (775) and, OriyamGhat (860) during current year.

OTHER SURVEYS

Cross section surveys were carried out at Jogighoppa, Goalpara,Dhubri-Fakirganj(20Kms) and Chandrapur-U/s GaneshPahar(22Kms) in NW-2.

In addition to above, reconnaissance surveys were carried out in Lohit River and Dibang River for a length of 81 kms and 42 kms respectively in order to assess the navigability of river for movement of ODC.

Beside, the surveyors also assisted the Flood and River Erosion Management Agency of Assam (FREMAA) team to conduct detailed surveys at 3 different locations namely (i) Palashbari in "B Border-Pandu", (ii) Kaziranga in "Pandu -Neamati" (iii) Dibrugarh in "Neamati-OiramGhat" using departmental vessels and equipment for Flood Control Department of Assam Government under ADB assistance programme.

Detailed Hydrographic Survey in River Karnaphuli Tuichwang River in Mizoram.

Ministry of Shipping had given assurance to State Government of Mizoram for conducting hydrographic survey in Tuichawang and Karnaphuli rivers for preparation of project proposal for development of IWT under Central Sector Scheme. IWAI survey team from NW-2 was deployed for survey during the period 11.11.2013 to 30.11.2013. Detailed survey has been conducted over a distance of 19 Kms in Karnaphuli River and 57Kms in Tuichwang River in Mizoram. The charts and report have been submitted to technical wing for onward submission to Ministry of Shipping.

DGPS Based Navigation systems:-

In order to make safe and efficient voyage of vessels plying in National Waterway-1 (the Ganga Bhagirathi - Hooghly river system between Haldia and Allahabad) and National Waterway -2 (the Brahmaputra river between Sadiya and Dhubri), projects were sanctioned for setting up of Differential Global Positioning System (DGPS) reference stations in NW-1 at a cost of Rs. 9.71 crand that in NW-2 at a cost of Rs 7.91cr. As per this, DGPS stations were envisaged at Swaroopganj, Bhagalpur, Patna and Varanasi in NW-1 and Jogighopa, Slighat and Dibrugarh in NW-2. Besides, project for setting up of an additional station at Dhubri has been sanctioned at a cost of Rs.2.2 cr for facilitating safe and effective navigation in the Indo-Bangladesh Protocol routes. These stations are planned in such a manner so as to get a radial coverage of 150 Km (approx) with sub-meter accuracy in position. The stations at Swaroopganj, Bhagalpur and Patna have been commissioned and are operational in NW-1. Similarly stations at Jogighopa and Dibrugarh were commissioned and are under operation in NW-2. In the network, DGPS stations at Silghat and Dhubri were commissioned on 22nd May 2013 and 11th February 2014 respectively. Thus ensuring complete converge in the entire stretch of NW-2.

DGPS station -Dhubri

NATIONAL WATERWAY -3

THALWEG SURVEYS

Thalweg surveys were conducted departmentally in Kottappuram – Kochi - Kollam stretch (West Coast Canal along with Udyogamandal&Champakkara Canals) on monthly basis and River Notices were issued (both in English & Hindi). Total 2,706 line Km of Thalweg surveys were undertaken during the year, the stretch-wise details are shown below:-

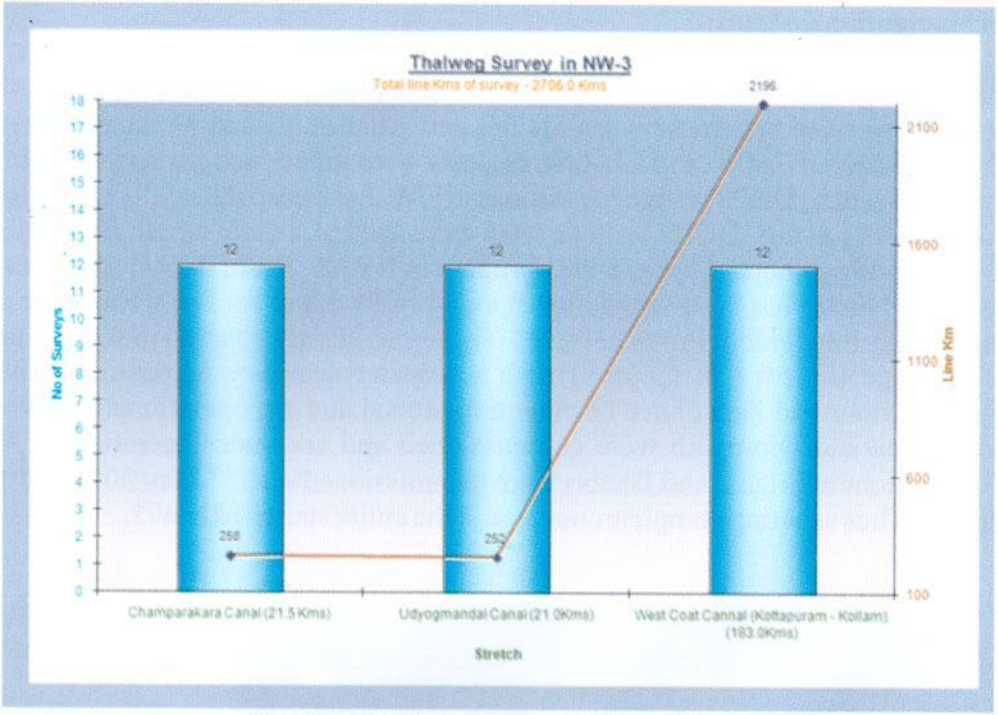

DETAILED SURVEYS

Pre & Post dredging Surveys were carried out in the following location:-

	Particulars/ location	Pre/Post D sur.	Chainage
1.	KMML-Kovilthottam	Pre dredging survey	166.5km
2.	Chavara	Pre dredging survey	169.5km
3.	Thanthonithuruthu	Detailed survey	6.3km
4.	Thevara	Pre dredging survey	9.0km
5.	South of Chavara	Pre dredging survey	169.70-170.9km
6.	North of Chavara	Post dredging survey	169.0-169.28km
7.	IRE site	Post dredging survey	167.1-169.0km
8.	Kannittathuruthu	Pre dredging survey.	164.5km
9.	Willington Ro-Ro-Jetty	Pre dredging survey.	3.5km
10.	Bolghatty Ro-Ro-Jetty	Pre dredging survey.	3.0-4.9km

11. Willington Ro-Ro-Jetty	Post dredging survey	3.5km
12. Kovilthottam	Post dredging survey	167.0km
13. Chavara	Post dredging survey	169.5km
14. Thevara	Post dredging survey	9.5km
15. Dalawapuram-S,Kodi	Pre dredging survey	170.8-177.4km
16. Kirikad Jetty	Pre dredging survey	142.3-143.6km
17. Kayamkulams.mouth	Pre dredging survey	146.5-149.5km
18. FACT, Ambalamugal	Pre dredging survey	23.8km
19. Thevara	Pre dredging survey	9.2km
20. FACT, Ambalamugal	Post dredging survey	23.8km
21. KMML-Kovilthottam	Post dredging survey	165.65-166.62km

A total quantity of 27831.2 m^3 was dredged out during 2013-14.

Preparation of Electronic Navigation Chart for NW-3:-

Tender was invited for conducting Bank to Bank hydrographic survey including topographical survey in NW-3 for data collection & updation for preparation of Electronic Navigation Chart of NW-3. Work has been awarded to M/s. Global Marine Infratech (P) Ltd. Bhubaneshwar (Odisha) for an amount Rs.21.23 Lakhs on 8.1.14 and the agency has completed 50% of bathymetric survey work.

Inspection by Hydrographic Chief during Bank to Bank Hydrographic survey in NW-3

NATIONAL WATERWAY NO. 4 & 5

In order to assess the current status of navigable route through Godavari River & Canals, the detailed hydrographic surveys in the priority stretches of NW-4, i.e. Godavari River (171Kms), Kakinada Canal (50Kms), Eluru Canal (88kms), North Buckingham canal (137Kms) & South Buckingham Canal (40kms) have been completed. Similarly in NW-5 - "Talcher to Dhamra' (265 kms), Matai River (39Kms), Mahanadi Delta River (67Kms) and "Padanipal to Sujanpur (50Kms) (NW-5) have been completed. Compilation of data & the finalization of draft / final reports and survey charts are in progress.

SURVEY VESSELS

All the Survey vessels are fitted with the state-of-the art survey equipment like Automated Hydrographic Survey System integrated with Digital echo sounder, DGPS receivers, laptop/desk top and current meter sets for data collection, processing and printing.

The following survey vessels in different waterways are operational and deployed for survey work:-

NW.1		NW.2	NW.3
1.S.L.Koel	7.S.L.Mandakini	1.S.L Lohit	1.S.L. Pamba
2.S.L.Dwarkeswar	8.S.L.Gandak	2.S.L.Subansiri	
3.SL Megna	9.SL Punpun	3.S.L Barak	
4.SL Anupallav	10.SL Kosi	4.S.L.Burhi Dihing	
5.SL Kamla	11.SL Rihand	5.S.L.Dibang	
6.SL.Ghaghra	12.SL Dihang		

SURVEY EQUIPMENT UPGRADATION

Work for supply, installation and training of survey equipment was entrusted to six no. Suppliers and following survey equipment were supplied & commissioned:-

Equipments	Total supply	Place of supply
1. Digital Echo sounder with built-in GPS Receiver	10nos.	Swaroopganj, Bhagalpur, Dhubri, Guwahati, Dibrugarh, Kochi, Farakka and Patna
2. DGPS Beacon Receiver	2nos.	Kochi
3. Laptop	4nos.	Farakka, Swaroopganj& Bhagalpur
4. A1 size Plotters	4nos.	Swaroopganj ,Bhagalpur, Patna and Kochi
5. Transducer for EchoSounder	10nos.	Patna,Guwahati,Kolkata& Kochi
6. Autodesk Map 3D Software	5nos.	Noida, Kolkata,Patna,Guwahati& Kochi

Setting up of River Information Services (RIS) system in Haldia-Farakka stretch:-

The revised scheme for an amount of Rs.23.5 Cr (including civil work) was approved by the Board during its 149th Meeting held on 22.1.2014. The work order for supply, installation, operation and maintenance of equipment has been awarded on 27.3.2014 to L-1 bidder M/s. Elcome Integrated System Pvt Ltd, Navi Mumbai. The project includes supply, installation, commissioning of equipmentfor RIS system in 30 nos floating vessels, 7 base stations and 2 control stations. Post warranty period, the agency would provide services for operation & maintenance and Comprehensive Annual Maintenance Contract for 3 years.

Schematic drawing showing function of River Information system

Land has been acquired for construction of base stations/control stations at 7 location at Haldia, GR Jetty(Kolkata), Tribeni, Swaroopganj, Kumarapur, Shyampur and Farakka. The work has been awarded for civil works to be undertaken in all 7 base station sites.

CARTOGRAPHIC CELL/SEMINARS/TRAINING

The cartographic cell in IWAI Head Office Noida is equipped with modern equipment & software for preparation of Digital Charts using Geographic Information System (GIS)& Image processing softwares like CARIS, ERDAS Imagine, Auto CAD, etc. The cartographers of IWAI have been trained in using GIS software & image processing software etc.

River Atlas & River Pilot of Sunderban waterways were published in 2013. A new edition catalogue of nautical products prepared by IWAI was published. IWAI has appointed 3 Agencies as authorized agents for Sale of Raster Navigation Charts (RNC), River Atlases and River pilots to IWT operators , users & Govt. Department.

During the year 2013-14, Satellite data from National Remote Sensing Centre, Hyderabad for all Waterways and the same has been processed, digitized using Caris GIS software. The land marks, topographical features of Survey of India (SOI) digital data were compiled with field Hypack survey data as well as latest NRSC data for preparation of electronic Charts.

IWAI had participated the in Indian National Cartographic Association (INCA) International Congress held during 19th – 21st September 2013 at Jodhpur Rajasthan, India. A stall was set up by IWAI in which various brochures, sample of RNC River Atlas and River Pilot etc were displayed. Participants who visited the stall showed keen interest in the field of IWT and also got awareness about various publications and facilities being provided by IWAI in National Waterways.

IWAI has also participated in "User International Meet" organized by Remote Sensing Centre, ISRO, Hyderabad during 20th&21st January 2014. The objective of the conference was to generate and provide satellite imageries of different resolution for planning and execution of various works.

India Maritime Week

IWAI has also participated in the India Maritime Week organized by Gateway Media Pvt Ltd during 29th January to 1st February 2014 at JW Marriott, Aerocity, New Delhi. IWAI participated in the Conference session on IWT on the topic "Waiting in the Wings: The Way forward".

NATIONAL INLAND NAVIGATIONAL INSTITUTE (NINI), PATNA.

The management and administration of NINI, Patna is under M/s. ARI Pvt. Ltd, New Delhi in consultation with Program Advisory Committee of IWAI. The major achievements during the year 2013-14 were as follows:-

A. The following activities were carried out with regards to conducting of courses:

Induction Training GP Rating Course (19th& 20th Batch)

- Conducted internal final examinations (written and oral) for General Purpose Rating Induction courses in months of July 2013 and January 2014.
- The GP Rating (IV) trainees were imparted practical training on board training ship Survekshak and Inland Vessel Training Simulator.
- Swimming training carried out at swimming pool facility of the Bihar JalaKrida, Patna
- Practical Training also provided to trainees en route of training vessel Survekshak from Patna to Kolkata dry dock and also in dry dock.
- Training in the following four DG Approved Basic Courses provided:
- Elementary First Aid (EFA)
- Fire prevention and Fire Fighting (FPFF)
- Personal Survival Technique (PST)
- Personal Safety and Social Responsibility (PSSR)
- Passing out function arranged for 19th and 20th batch

Preparatory Course for Inland Vessel Certificate of Competency

- Conducted the following Preparatory Courses for Inland Vessel Examinations:
  - Serang
  - Master Class II
  - Second Class Engine Driver
  - First Class Engine Driver

Conducting Inland Vessel Examination on behalf of Govt. of Bihar

- The examination process as per Inland Vessel Rules, Govt. of Bihar was formulated and approved by Transport Secretary Govt. of Bihar

- Commenced Examination for candidates desiring to obtain Certificate of Competency as Inland Vessel Rules, Govt. of Bihar for the following categories:
  - Serang
  - Master Class II
  - Master Class I
  - Second Class Engine Driver
  - First Class Engine Driver
  - Inland Engineer

B. TRAINING

NINI conducts training on regular basis and advertises its course schedule in maritime magazines and national newspapers.

- Database of all the civilian trainees passed out from NINI updated including their present status
- Placement of trainees of rating Induction course Deck and Engine arranged with IWAI and private barge operators. About 70% placed for training on vessels owned by IWAI and 30% on barges/vessels owned by private operators.
- The Training record books issued to trainees placed on various vessels as on board trainees.
- NINI keeping a record of all the trainees on vessels with respect to their leaves, payments and the trainings by operating a separate placement cell.
- Mess committee formed where students manage the day today running of mess including purchases, assistance in cooking on rotation basis under guidance of faculty and ARI Rep.
- Trainees participated in National Maritime Celebration week taking out awareness campaigns, blood donation camps and cultural program.
- Database of COC examination and certificates being maintained.

C. HUMAN RESOURCE

The institute has developed a pool of faculty members and instructors for management of the institute. The institute deploys faculty in three categories namely regular consulting faculty, regular visiting faculty and need based visiting faculty.

D. IWAI Staff and Training for Outside Candidates

- Advance Dredging Practical Course for IWAI floating staff and staff of Dredging Contractor Chinnar Shipping was arranged at Kollam, Kerala. Cutter Suction Dredger based at Chhavara and Amphibian dredger at Kollam was used for training.
- Boat Surveyor's Course was conducted for Motor Vehicle Inspectors nominated by Govt. of Bihar
- Basic Safety training for IWAI staff organized at NINI
- Repair and Maintenance course for TA and dredge masters of IWAI conducted at Institute of Shipbuilding & technology at Goa.

E. Co-Curricular Activities at NINI

- Celebrated NINI Founders day on 6th February
- Participated in Republic day Parade organized by Govt. of Bihar and NINI Contingent was adjudged the best contingent
- Participated in Independence day Celebration organized by Govt. of Bihar at Patna
  Organized Blood Donation Camp
- Organised road show to spread awareness about Inland Water Transport in Patna and different cities of Bihar
- Conducted inter institute sports activity at NINI

F. Academic Resource Matters:

- Procured over 43 books for the Library along with Training CD's and Training Materials.
- Dredger Buxar, a condemned vessel lying idle for 10 years at Farakka was handed over to NINI. The necessary repairs and refurbishing of Cutter Suction Dredger Buxar has been completed and is being used for practical training in advance dredging practical Course.
- Procured books, equipment and teaching aids required for conducting Basic STCW courses.
- Procured material necessary for conducting practical training on seamanship and in navigation.
- A separate computer Lab has been furnished and the computers have been installed in the Lab for training candidates in use of computers.
- The newly constructed Girls' Hostel has been furnished for staying, indoor sports and studying.

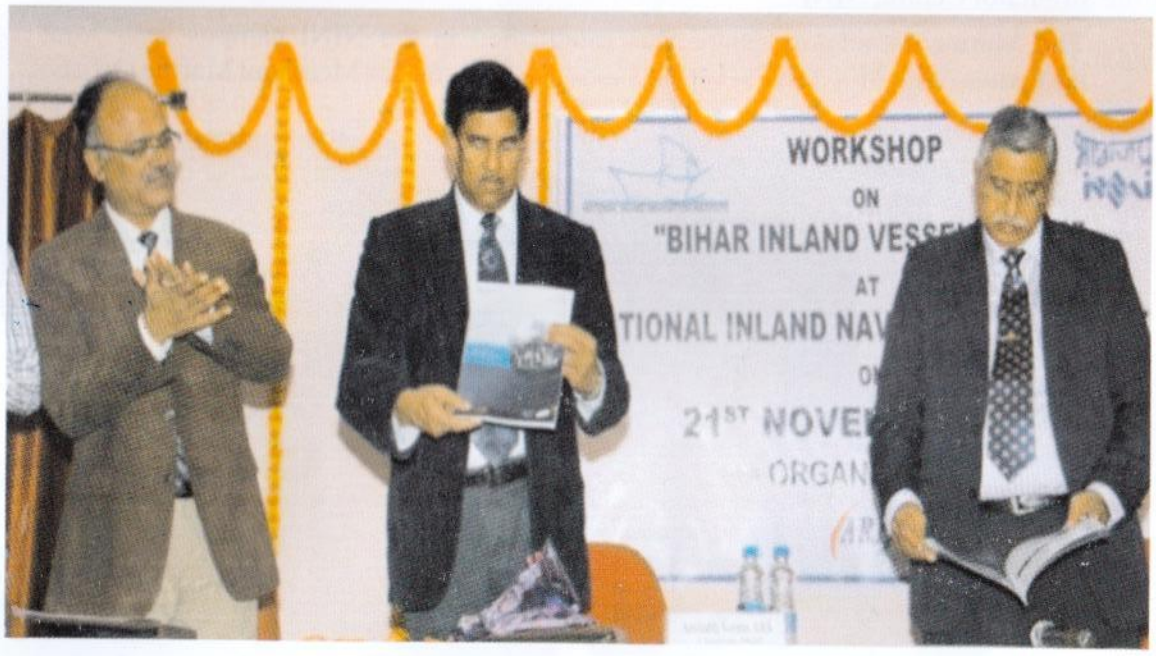

Workshop on Bihar Inland Vessel Rules

Affiliations and Associations:

- The ISO 9001:2008 certificate by ABS renewed subsequent to their inspection of the institute.
- NINI commenced conducting the COC (certificate of competency) exams in NINI Campus for IWT Bihar Govt.

G. Seminars and Conferences

- Arranged Interactive session cum workshop for discussing the draft Model Rules on Inland vessels as per the provision of I.V Act of 1917 at India Habitat Center, New Delhi on 18th April 2013.
- Participated in a workshop on shipbuilding and repair of dredgers held at IMU Vizag on 29th July 2013.
- Participated in a seminar on Maritime Education & Training including Inland Water Transport held at Kochi on 6th August 2013.
- Arranged a workshop on Bihar Inland Vessel Rules, Govt. of Bihar at NINI, Patna on 21st November 2013.
- Participated in the exhibition and discussion on Inland Water transport Sector during the India Maritime Week held at New Delhi on 30th and 31st January 2014.
- Arranged, Conducted and participated in the workshop cum interactive session on the Model Inland Vessel Rules at Port Blair on 28th February 2014 at Port Blair, Andaman and Nicobar.

H. Marine Simulator Centre, NINI

The Marine Simulator Centre was established in the NINI campus with Joint Venture agreement with M/s.ARIPvt Ltd and conducted course for Merchant Marine Officers.

Simulator Block (NINI)

Training for Merchant Marine Officers

- The following courses carried out as per schedule:
  - Radar Observer Simulator Course (ROSC)
  - Automatic Radar Plotting Aid (ARPA)
  - Ship maneuvering Simulator (SMS)
  - Liquid Cargo Handling Simulator (LCHS)
  - Electronic Chart Display & Information System (ECDIS)
  - Bridge Team management

Students Trained at MSC NINI during 2013-14

Sl. No	Month	ECDIS	BTM	SHS	RMI	LSHS	LCHS	ROC	ARPA	SMS
1	April	28	2					1	5	4
2	May	18						3	3	
3	June	8	3				1	6	5	4
4	July	21	5			1		7	6	
5	August	21	5				1	2	2	1
6	September	20	1					2	4	
7	October	23	2	1				2		9
8	November	17	1					6	2	
9	December	12							6	
10	January	14	2					2	2	3
11	February	8	1	1						5
12	March	12	3	2						2
	Total	202	25	4	0	1	2	31	35	28
	Grand Total									328

Statement of earnings and expenses during the year 2013-14.

Month	EARNING	EXPENSES
April'13	**674,600.00**	**396,373.00**
May	**351,000.00**	**258,557.00**
June	**368,020.00**	**267,474.00**
July	**497,000.00**	**403,834.00**
August	**480,900.00**	**431,877.00**
September	**417,000.00**	**376,113.00**
October	**705,100.00**	**428,285.00**
November	**367,000.00**	**333,984.00**
December	**238,466.00**	**241,377.00**
January'14	**379,700.00**	**625,921.00**
February	**302,500.00**	**238,462.00**
March	**243,890.00**	**436,812.00**
	5,025,176.00	**4,439,069.00**

14. INDO-MYANMAR KALADAN MULTIMODAL TRANSIT TRANSPORT PROJECT

IWAI is the Project Development Consultant (PDC) appointed by Ministry of External Affairs (MEA), Govt. of India for implementation of Port & IWT components of Kaladan Multimodal Transit Transport Project in Myanmar. The project is piloted and funded by MEA. An agreement between MEA and IWAI in this regard was signed on 19th March 2009.

M/s ESSAR Projects (India) Ltd. is the main Contractor appointed by MEA for the Works being implemented in Myanmar under IWAI's supervision. During the year 2013-14, the construction activities at Sittwe progressed without interruption. M/s URS Scott Wilson India Pvt. Ltd, New Delhi continued to assist IWAI as Supervision Consultant during the year.

The overall physical progress of the works for the project is approximately 78% and financial progress is approximately 65% as on 31st March 2014. The detailed breakup of physical progress of the works is as follows;

Sittwe

- Reclamation of land for backup facilities – 96% completed
- Construction of Rubble mounted Dyke -85% completed.
- The Approach Jetty for both the Port & IWT Jetty – 100% completed.
- Main Jetty piling work for both the Port & IWT – 100% completed
- Pre-cast concrete works for IWT & Port Jetty at Sittwe - 100% completed.
- Quantity of 10.6 Lakhs Cu.m.(Total quantity 12.0 lakhs Cu.m), which is about 90% of the dredging at Sittwe port area has been completed.
- Construction of backup facilities structures (Port Office, IWT Office, Covered Storage, Electrical & Generator room, Canteen/rest room etc.) is in progress.
- Construction of 6 Nos. of Barges 300 T capacities each has started in March 2013 and is in progress at Yangon through IWT, Govt. of Myanmar, who is the sub- contractor for this component.
- Construction of Drain (additional item) is completed.

Paletwa

- Construction work of IWT terminal has started in April 2013
- Major part of earthwork & excavation work is completed.
- The Approach Jetty pile work – 100% completed
- Main Jetty piling work – 100 % completed
- Backup facility works like IWT Office, Covered Storage, Electrical & Generator room, Canteen/rest room etc. is in progress.
- CSD Dredgers of M/s. DWIR, Govt. of Myanmar (Sub-contractor for River dredging work) is mobilized. Dredging work for 2 Nos. of Shoal area is almost completed (Total 6 Nos. of Shoals).

IWAI in its role of PDC maintained regular coordination with all relevant stake holders like MEA, Embassy of India-Yangon, Ministry of Shipping, Ministry of DoNER, Govt. of Myanmar, Contractors and Consultants for smooth implementation of the project. The PDC functions and the construction works progressed satisfactorily during the year.

Construction of Port & backup facilities at Sittwe

15. CARGO MOVEMENT DURING 2013-2014

Substantial cargo movement by IWT mode can be expected only after providing essential infrastructural facilities required for economical navigation i.e. required navigation depth, night navigational facilities, DGPS, mechanized terminals and vessels. At present sufficient inland vessels are not available to ply even in the developed stretches of the waterway. Only 77 cargo vessels (28 CIWTC vessels & 49 private vessels) are available in NW-1 and almost all are deployed in lighterage operations between Haldia& Kolkata. IWT Directorate, Govt. of Assam is operating only 12 vessels in NW-2. There is acute shortage of cargo vessels. This year M/s Jindal ITF have procured and deployed 19 vessels this year for dedicated movement of imported coal for NTPC, Farakka by IWT mode. These vessels are plying in the stretch sand heads/Haldia and Farakka.

IWAI has only 7 cargo vessels of which 4 vessels viz. MV Rajgopalachari, MV Rabindranath Tagore, MV Lal Bahadur Shastri and MV V.V. Giri are year marked for voyage charter on NW-1, NW-2 and Indo-Bangladesh Protocol route. In addition, 3 vessels namely MV HomiBhabha, MV ZakirHussain and MV Vishweshsariyya are allotted to private operators on bareboat charter basis through open tender for operation in NW-1, NW-2 and Indo-Bangladesh, Protocol route.

During the year, 18.81 lakh MT cargoMTcargo was exported from India to Bangladesh by IWT mode, out of which 18.69 lakhs MT was fly ash. Cranes and other mechanical handling equipment were deployed for cargo handling at Patna, Haldia, Kolkata and Pandu Jetties.

Over Dimensional Cargo (ODC) movement is being transported requlary on National Waterways. These mainly pertain to power projects coming up in the vicinity of NW-1 and NW-2. Four consignments of ODC from Kolkata to Zamania, Ballia, Fatua on NW-1 and four consignments of ODC from Kolkata to Assam have moved during the year.

IWAI has facilitated the movement of Inland Water Cruise Vessel MV Bengal Pandaw of M/s Heritage (formerly Pandaw Cruises India Pvt. Ltd., New Delhi), MV Sukapa of M/s. Assam Bengal Navigation Company Pvt. Ltd. and MV ParamhamsaofVivada Cruises on NW-1 during the year 2013-14. The cruise vessels have completed 14 trips between Kolkata - Semaria/Rajmahal/Patna/Buxar-Kolkata during the year carrying foreign tourists. M/s Assam Bengal Navigation Co. and Brahmaputra Cruises Pvt. Ltd., operate river cruises on NW-2. Two cruise vessels namely MV Charaidew and MV Mahabaahu have been put in service on NW-2 by M/s Assam Bengal Navigation Co. and M/s Far Horizon Tours. Various house boats and tourist boats are plying in NW-3.

After construction of infrastructure at Farakka, placement of transhipper for mid-sea operation and acquisition of inland barges, M/s Jindal ITF commenced movement of coal in NW-1 in October-November 2013. Movement of imported coal on NW-1 was inaugurated by the Hon'ble Minister for shipping on 25th November, 2013. So far, 2.64 lakh metric ton of imported coal has been transported by M/s Jindal ITF to NTPC's thermal power plant at Farakka on NW-1.

IWAI is preparing cargo specific projects entailing private investment in IWT. These projects are being monitored by the Prime Minister's Office.

A project is envisaged for movement of 3 MMTPA imported coal for 10 years for NTPC's Super Thermal Power Station at Barh. The project envisages leasing/acquisition of a transhipper, about 70 barges of 1500 MT capacity, procurement of about 5 acre land at Barh by NTPC, barges of 1500 MT

capacity, procurement of about 5 acre land at Barh by NTPC, construction of berthing and cargo handling infrastructure at Barh and construction of about 3.5 km conveyor connecting river front and NTPC coal stack yard in 3 years. The work is expected to be allotted to successful bidder after RFP is floated on behalf of NTPC Ltd. in 2014-15.

Apart from the above, a few other feasible projects for private sector investment have been identified. These projects include movement of 0.5 MMTPA imported coal for NTPC's Power plant at Bongaigaon, Assam; Transportation of food grains by FCI to Tripura by IWT mode; transportation of other cargo like foodgrains, LPG, bitumen, fertilizers by IWT mode and Operation & Maintenance of IWAI's terminals on NW-3.

O & M of terminals at Vaikom and Thanneermukkom has been given to the kerala Shipping and Inland Navigation Corporation (KSINC).

16. FINANCIAL PERFORMANCE

A. INCOME & EXPENDITURE

During the financial year 2013-14 a sum of Rs.15100.00 lakh was received from the Government of India, Ministry of Shipping and a sum of Rs.801.86 lakh was earned by the Authority by way of interest on short term deposits, sale of tender forms, over dimension Cargo/general Cargo movement, berthing/Pilotage chargers etc. The major scheme-wise expenditure is indicated below:

(Rs. in Lakh)

Sl. No.	Name of the scheme	Expenditure	
		Previous Year 2012-13	Current Year 2013-14
1	Technical Studies	100.00	100.00
2	Loan Interest Subsidy / IVBBS	90.16	-
3	**National Waterway No**		
a	River Conservancy Works	3687.59	4165.72
b	Construction of Cargo berth	810.34	446.63
c	Construction of Dredgers & allied vessels	1561.25	75.99
d	Procurement of Cargo Vessel	65.93	-
e	Procurement of steel Pontoon	15.19	-
f	Construction of office Building at Patna	-	110.87
g	Procurement of Survey Equipment	16.26	27.16
h	Installation of DGPS Station	-	-
i	Office Building at Patna	435.84	921.29
j	Installation of RIS System	-	36.30
k	NINI	1144.54	315.29
4	**National Waterway No – 2**		
a	River Conservancy Works	1637.35	1207.24
b	Construction of Terminal	2029.50	3581.30
c	Construction of Dredgers & allied vessels	659.80	69.92
d	Procurement of DGPS	56.52	-
e	Construction of steel Pontoon	62.37	-
f	Acquisition of multi purpose Tug	101.38	
g	Construction of office Building	-	-
h	Procurement of survey equipment	-	5.71
5	**National Waterway No. – 3**		
a	River Conservancy Works	1378.43	1912.97
b	Construction of Terminals	773.65	41.74
c	Procurement of Dredging unit	100.84	-
d	Procurement of survey equipment	-	8.66
6	**National Waterway No. – 4**		
a	Development works	-	85.30
7	**National Waterway No. – 5**		
a	Development works	-	76.00
8	I.T. activities expenses	73.89	22.15
9	IWT Promotion activities	164.79	287.13
10	Establishment (including I. Tax)	1775	4763.64
	Total	**16740.62**	**18261.01**

B. Source and Application of Funds:-

(Rs. in Lakh)

Sl. No.	Name of the scheme	Expenditure	
		Previous year 2012-13	Current year 2013-14
	SOURCE		
1	Increase in Capital grant	8294.56	5965.43
2	Decrease in working capital	-	
3	Excess of income over expenditure for the year	-	
4	Decrease in capital working progress	3818.83	
	Total	**12113.39**	**5965.43**
	APPLICATION		
1	Increase in fixed assets	11727.59	3369.98
2	Increase in capital work in progress	-	850.62
3	Increase in working capital	385.80	1744.83
	Total	**12113.39**	**5965.43**

C. CASH FLOW STATEMENT

(Rs. in lakh)

	F. Y. 2012 -13	F. Y. 2013 -14
CASH FLOW FROM OPERATING ACTIVITY		
Excess of expenditure over Income	(8,173.64)	(1,316.16)
Capital Reserve	(2.34)	(6.04)
Deprecation	2,599.60	2,598.75
Replacement Reserve	(2,599.60)	(2,598.75)
Interest Paid	-	-
Less: Interest Income	(189.82)	(261.40)
Add.: Writeoff/Loss on sale of Fixed assets/Less: Profit on sale	(1.23)	3.64
Provision for Obsolesce of stock	-	-
Provision for employee benefits charged to opening reserves	-	-
Operating Profit	**(8,367.03)**	**(1,579.96)**
Adjustment for working capital changes		
Decrease/Increase in stocks	80.75	1.60
Decrease/Increase in loans & Advances	(421.48)	(2,274.32)
Increase/Decrease in Deposits on A/c of others	(149.95)	(201.79)
Increase/Decrease in current liabilities	(724.05)	220.11
Decrease/Increase in other liabilities and provisions	1.86	2,630.95
Cash generated from operations	**(9,579.90)**	**(1,203.41)**
Income Tax (Net)	-	
Net Cash from Operating Activities	**(9,579.90)**	**(1,203.41)**
CASH FLOW FROM INVESTING ACTIVITY (a)		
Purchase of Fixed Assets and Decrease in CWIP / increase in CWIP	(11,980.05)	(3,426.94)
Sale of Fixed Assets	252.46	56.96
Profit on sale of Assets/Loss on sale od Assets	1.23	(3.64)
On account of Replacement Reserve	12.40	6.53
Increase in CWIP	3,818.82	(850.62)
Govt. Grant Received	17,101.25	17,337.21
Interest Income	189.82	261.40
CASH FLOW FROM INVESTING ACTIVITY (b)	**9,395.93**	**13,380.90**
CASH FLOW FROM FINANCING ACTIVITY		
Increase/Decrease in bank overdraft	-	-
Dividend & Corporate Dividend Tax	-	-
Net Cash from Financing Activities (c)		
Total Increase / Decrease in cash and cash equivalents during the year	(183.97)	261.97
Cash & Cash equivalents at the beginning of the year	3,326.33	3,142.36
Cash & Cash equivalents at the end of the year	**3,142.36**	**3,404.33**

17. Implementation of Official Language Policy of Union in the Authority : 2013-14

The Authority is committed to implement official language policy of the union in all its activities in a progressive manner. Hindi workshops and other related activities were periodically organized at the head office and regional offices. Hindi fortnight/week/day was organized at the Head Office and Regional Offices. On this occasion different types of Hindi competitions were organized in all the offices.

The Authority has been entrusted with the additional responsibility of implementing the official language policy of the Union in all the member offices of the Town Official Language Implementation Committee (T.O.L.I.C.), Noida by the Department of Official Language of the Ministry of Home Affairs. The Chairman of the Authority is the Chairman of T.O.L.I.C., Noida. A half-yearly meeting was organized regularly to discuss problems and difficulties being faced by the different member offices of the T.O.L.I.C., Noida. In order to encourage personnel of the member offices to work more and more in Official Language Hindi different types of Hindi Competitions, Workshops and other related activities were organized from time to time under the auspices of T.O.L.I.C., Noida. Also, the children of the personnel of member offices who secure outstanding marks in 10th and 12th examinations are awarded each year with 'Hindi Pratibha Award".

18. Personnel and Administration

As on 31-03-2014, 35 Officers & 65 staff at the head office and 44 Officers & 173 staff in the field offices were in position. The Authority has approved a restructuring proposal and the same is under active consideration of the Govt.

ACKNOWLEDGMENT

IWAI places on record its appreciation of the sincere efforts and contribution made by the employees at all levels.

IWAI also acknowledges the assistance and support given by the Ministry of Shipping, Comptroller & Auditor General of India and other Government departments and other agencies.

FOR AND ON BEHALF OF
INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA

(AMITABH VERMA)
CHAIRMAN

INLAND WATERWAYS

BALANCE SHEET AS

PREVIOUS YEAR (RUPEES)	CAPITAL & LIABILITIES	SCHEDULE NO.	CURRENT YEAR (RUPEES)	
1	2	3	4	5
	CAPITAL			
9,437,244	Capital u/s 11(i)(c)		9,437,244	
7,664,387,398	Capital Grant u/s 18		8,260,930,832	
(1,383,232,813)	Less replacement reserve		(1,640,352,209)	
(7,566,865)	Lease rent written off		(7,838,520)	6,622,177,347
	RESERVES & SURPLUS			
14,945,955	**Capital Reserves**		**14,995,367**	
(5,512,022)	**Deduction**		**(6,165,472)**	**8,829,895**
	General Reserves			
	Deduction			
	BORROWINGS			
	CURRENT LIABILITIES & PROVISIONS.			
			-	
291,536,084	**Current Liabilities**	I	**313,546,878**	
17,663,069	**Provisions**		**280,758,382**	
	Deposits held on		-	
118,042,635	**account of others**		**97,864,398**	**692,169,658**
6,719,700,685	**TOTAL**			**7,323,176,900**

Schedule I to VIII form an integral part of accounts.

(AJAY KUMAR GUPTA)
CAO(I/C)

(PRAVIR PANDEY)
Member (Finance)

AUTHORITY OF INDIA

ON 31ST MARCH 2014

PREVIOUS YEAR (RUPEES)	PROPERTY & ASSETS	SCHEDULE NO.	CURRENT YEAR (RUPEES)	
6	7	8	9	10
	FIXED ASSETS	II		
5,498,255,974	Gross Block		5,835,253,912	
1,388,744,835	Less Depreciation		1,646,517,681	
4,109,511,139	Net Block		-	4,188,736,231
26,582,684	Lease land		26,582,684	
(7,566,865)	Less written off		(7,838,520)	18,744,164
1,205,021,620	Capital work-in-progress			1,290,083,699
-	**INVESTMENTS (AT COST)**		-	-
-	Govt.Securities		-	54,375,213
5,300,000	other than Govt.Securities		-	5,300,000
	CURRENT ASSETS, LOANS & ADVANCES	III		
39,034,434	Stores, Spares & Tools		38,874,160	
-	Sundry Debtors		-	
1,027,581,990	Deposits, Loans & Advances		1,255,014,199	
314,235,683	Cash & Bank Balances		340,433,081	1,634,321,440
	MISC. EXPENDITURE			
-	Income & Expenditure Account (Debit Balance)			131,616,153
6,719,700,685	TOTAL			7,323,176,900

For and on behalf of the Authority

(JAYASHREE MUKHERJEE)
Vice-Chairperson

(AMITABH VERMA)
Chairman

INLAND WATERWAYS
INCOME & EXPENDITURE

PREVIOUS YEAR (RUPEES)	EXPENDITURE	SCHEDULE NO.	CURRENT YEAR (RUPEES)	
1	2	3	4	5
	OPERATIONAL & MAINTENANCE EXPENSES	IV		
110,426,937	Pay & Allowances & other staff costs		292,630,427	
79,704,461	Surveying		73,790,829	
286,829,029	Dredging		316,251,450	
35,103,205	Bandalling		44,624,619	
-	Aids to Navigation &			
14,057,134	Channel Marking		12,880,358	
	Barging			
36,007,003	Terminal Facilities		58,645,166	
32,103,579	Repairs of Vessels		37,098,794	
26,072,050	Training Institute NINI		30,417,097	
65,378,404	Night Navigation		68,080,517	
-	Maintenance of lock		-	
683,000	Bank Protection		-	
-	River Training Work		-	
12,599,543	Protocol		12,038,833	
34,940,415	Other Administrative & Misc. Expenses		47,551,849	994,009,939
	ADMINISTRATIVE EXPENSES			
73,583,396	Pay & Allowances & Other Staff Costs	V		158,520,512
23,858,416	General & Other Expenses	VI	-	22,182,104
	Financing Charges			
			-	-
59,987	Bank Commission/Charges		-	118,298
	Interest			
7,388,640	I.T.Expenses			2,215,387
	Bad debts written off			
	Foreign Exchange			
	Technical Studies &			
14,291,358	Consultancy Charges		-	11,908,443
-			-	
259,959,807	Depreciation		-	259,875,183
9,016,000	Subsidy		-	-
-	Loss on sale/ valuation/		-	363,694
-	written off of assets			
16,478,687	IWT Promotional Activities		-	28,712,739
-	Prior Period Adjustment account			1,049,559
1,138,541,051	**TOTAL**			**1,478,955,858**

(AJAY KUMAR GUPTA)
CAO (I/C)

(PRAVIR PANDEY)
Member (Finance)

AUTHORITY OF INDIA

FOR THE YEAR ENDED 31st MARCH, 2014

PREVIOUS YEAR (RUPEES)	INCOME	SCHEDULE NO.	CURRENT YEAR (RUPEES)	
6	7	8	9	10
817,364,436	Revenue Grant from Govt			1,137,176,551
18,981,771	Interest/ Income			26,140,436
	Consultancy fees			-
-	Storage & Handling Charges			-
-	Wharfage			-
	Demurrage			-
222,278	Pilotage Charges			362,553
2,288,216	Berthing Charge			2,611,242
17,628,039	Others			24,989,603
17,502,600	Misc. Receipts			27,122,619
-	Rent terminal			677,671
	Capital reserve as per Contra			
259,959,807	Replacement reserve as per Contra			259,875,183
123,490	Profit on sale of fixed assets			-
				-
-				-
4,470,414	Prior Period Adjustment			-
	Excess of expenditure over income carried over to Balance Sheet			
1,138,541,051	TOTAL		-	1,478,955,858

For and on behalf of the Authority

(JAYASHREE MUKHERJEE)
Vice-Chairperson

(AMITABH VERMA)
Chairman

OTHER SCHEDULES

&

AUDIT REPORT

SCHEDULE - I

CURRENT LIABILITIES & PROVISIONS AS ON 31.03.2014

Previous year (Rupees)	Particulars	Current Year (Figure in rupees)	
	(A) CURRENT LIABILITIES		
-		-	
203,169	(i) Liability for sundry Creditors	594,216	
135,897,378	(ii) Liability for Expenses	142,843,488	
63,304,957	(iii) Grant Received in surplus		
92,130,580	(iv) Others	170,109,174	313,546,878
	(B) PROVISIONS		
1,086,039	(i) Provision for Gratuity	13,789,783	
1,099,633	(ii) Provision for Leave Salary& pension contribution (Deputation)	1,216,208	
1,021,684	(iii) Provision for Bonus	1,029,792	
14,400,455	(iv) Provision for pension contribution	254,219,638	
-	(v) Provision for leave encashment.	10,502,961	-
55,258	(vi) Provision for new pension	-	280,758,382
	(C) DEPOSITS HELD ON ACCOUNT OF OTHER		
118,042,635	Sundry parties	97,864,398	97,864,398
427,241,788	**TOTAL**		**692,169,658**

For and on behalf of the Authority

(AJAY KUMAR GUPTA)	(PRAVIR PANDEY)	(JAYASHREE MUKHERJEE)	(AMITABH VERMA)
CAO(I/C)	Member (Finance)	Vice-Chairperson	Chairman

INLAND WATERWAYS

SCHEDULE OF FIXED ASSETS AS

	PARTICULARS	GROSS BLOCK AS ON 31.03.2013	ADDITIONS DURING THE YEAR	ADJUSTMENT/ DEDUCTIONS	GROSS BLOCK AS ON 31.03.2014
					(3+4+5)
1	2	3	4	5	6
NOIDA	Survey Equipment	4,490,899	-		4,490,899
	Vehicles	1,913,013	772,030	(372,670)	2,312,373
	Furniture & Fixture	4,493,118	642,828	-	5,135,946
	Office Equipment	3,176,880	1,578,786	-	4,755,666
	Electric Installation	1,128,526	9,056,519		10,185,045
	Air Conditioners	3,377,527	17,179,369	(1,499,345)	19,057,551
	Water Coolers & Refrigerators	182,751	-		182,751
	Fans & Air-Coolers	1,172,673	10,350		1,183,023
	Generator Set	1,148,720	5,785,898		6,934,618
	Cycle	27,711	-		27,711
	Temporary Structure	539,260			539,260
	Library Books	943,882	51,319		995,201
	Computer	14,598,719	1,391,697	-	15,990,416
	Communication equip.	778,471	-		778,471
	Building	24,937,527	78,807,313		103,744,840
	Computer Software	1,297,561	217,450		1,515,011
	Residence Quarter	30,732,753			30,732,753
	Car Parking		23,392,491		23,392,491
	Passenger Lift		4,612,400		4,612,400
	TOTAL (A)	**94,939,991**	**143,498,450**	**(1,872,015)**	**236,566,426**
KOLKATA	Terminal	57,121,071	697,370		57,818,441
	Vehicles	1,213,641			1,213,641
	Furniture & Fixture	1,362,855	86,611		1,449,466
	Office Equipment	543,174	-	-	543,174
	Electric Installation	67,889	-	-	67,889
	Survey Instruments	24,083,941	1,236,424		25,320,365
	Library Books	124,445	520		124,965
	Speed Boats	2,961,016	-		2,961,016
	Vessels Ordinary	206,125,218	-		206,125,218
	Fans & Air Coolers	76,323	-		76,323
	Communication Network	450,413	-		450,413
	Barges	120,209,101	-		120,209,101
	Cycles	5,975	-		5,975
	Vessel Dredging Unit	484,790,878	7,599,029		492,389,907
	Computers	2,340,622	231,360		2,571,982
	Computers Software	1,104,784	575,000		1,679,784
	Night Nav. Equipment	30,044,472	9,759,499	(444,948)	39,359,023
	Air Conditioner	658,854	-	-	658,854
	Generator Set	1,185,869	-		1,185,869
	DGPStation	14,215,359	-		14,215,359
	TOTAL (B)	**948,685,900**	**20,185,813**	**(444,948)**	**968,426,765**

(AJAY KUMAR GUPTA)
CAO(I/C)

(PRAVIR PANDEY)
Member (Finance)

AUTHORITY OF INDIA
ON 31ST MARCH 2014

SCHEDULE - II
(FIGURES IN RUPEES)

DEPRECIATION		ADJUSTMENT ON ACCOUNT OF ASSETS SOLD/TRANSFERRED	TOTAL DEPRECIATION AS ON 31.03.2014	NET BLOCK AS ON 31.03.2014
AS ON 31.3.2013	FOR THE YEAR		(7 + 8 + 9)	(6 - 10)
7	8	9	10	11
2,858,835	213,318		3,072,153	1,418,746
1,646,966	182,838	(606,962)	1,222,842	1,089,531
3,297,233	184,051	(241,324)	3,239,960	1,895,986
1,289,069	201,510	181,422	1,672,001	3,083,665
759,915	480,986	(1,363)	1,239,538	8,945,507
2,049,637	905,234	(711,427)	2,243,444	16,814,107
	-		-	
67,792	8,681	(1,397)	75,076	107,675
782,058	56,195	(6,789)	831,464	351,559
670,845	329,395	11	1,000,251	5,934,367
23,259	1,960	(1,888)	23,331	4,380
539,260	-	-	539,260	-
943,882	51,319	-	995,201	-
11,134,510	929,261	59,175	12,122,946	3,867,470
378,183	29,519	(22,373)	385,329	393,142
5,690,748	1,691,041		7,381,789	96,363,051
1,102,038	139,019	(199,822)	1,041,235	473,776
5,510,384	500,944		6,011,328	24,721,425
-	1,111,143		1,111,143	22,281,348
-	219,089		219,089	4,393,311
38,744,614	**7,235,503**	**(1,552,737)**	**44,427,380**	**192,139,046**
19,485,387	2,746,377		22,231,764	35,586,677
1,154,735	-		1,154,735	58,906
523,768	74,492		598,260	851,206
218,664	21,092		239,756	303,418
15,088	3,226	-	18,314	49,575
11,905,092	897,561	-	12,802,653	12,517,712
124,445	520		124,965	-
2,398,063	92,930		2,490,993	470,023
67,673,536	6,882,929		74,556,465	131,568,753
30,433	3,471		33,904	42,419
268,880	12,719		281,599	168,814
21,141,561	4,014,984		25,156,545	95,052,556
3,170	331		3,501	2,474
109,364,789	29,650,073		139,014,862	353,375,045
1,845,288	151,283		1,996,571	575,411
1,052,313	112,323		1,164,636	515,148
8,954,676	1,987,661	(206,375)	10,735,962	28,623,061
55,603	31,297	-	86,900	571,954
91,526	56,329	-	147,855	1,038,014
1,350,460	675,230		2,025,690	12,189,669
247,657,477	**47,414,828**	**(206,375)**	**294,865,930**	**673,560,835**

For and on behalf of the Authority

(JAYASHREE MUKHERJEE)
Vice-Chairperson

(AMITABH VERMA)
Chairman

INLAND WATERWAYS
SCHEDULE OF FIXED ASSETS AS

	PARTICULARS	GROSS BLOCK AS ON 31.03.2013	ADDITIONS DURING THE YEAR	ADJUSTMENT/ DEDUCTIONS	GROSS BLOCK AS ON 31.03.2014
					(3+4+5)
1	2	3	4	5	6
PATNA	Land	35,051,542	-		35,051,542
	Vehicle	886,075		-	886,075
	Furniture & Fixture	508,394	-	-	508,394
	Office Equipment	363,661	48,213	-	411,874
	Electric Installation	37,801	-		37,801
	Air Conditioners	133,348	-	-	133,348
	Fans & Air Coolers	32,925			32,925
	Water Coolers &	-			-
	Refrigerators	41,699	-	-	41,699
	Generator Set	61,962		-	61,962
	Survey Instruments	21,414,006	752,274	1,803,731	23,970,011
	Vessels: Dredging Unit	342,348,611	-	-	342,348,611
	Vessels: Ordinary	137,428,270	-		137,428,270
	Speed Boat	2,745,901			2,745,901
	Barges	84,062,200	-		84,062,200
	Temporary Structure	1,018,158	-		1,018,158
	Cycle	2,672			2,672
	Computer	3,552,607	195,500	(72,828)	3,675,279
	Library Books	69,792	5,995		75,787
	Survey Equip(compu)	5,050,724	266,450	58,000	5,375,174
	Survey Pillars	649,995			649,995
	Communication Equip.	1,052,901	-	65,957	1,118,858
	Building	-	-	-	-
	Terminals-	580,916,758	21,993,000	-	602,909,758
	Night Navigation BOUYS	9,277,200			9,277,200
	DGPS STATION	32,245,501	-	-	32,245,501
	BEACON Tower	15,895,321	-		15,895,321
	CRANE	46,326,824	-		46,326,824
	TOTAL (C)	**1,321,174,848**	**23,261,432**	**1,854,860**	**1,346,291,140**
GUWAHATI	Communication Equipment	1,673,126	-		1,673,126
	Vehicles	590,523	-		590,523
	Furniture & Fixture	919,772	-		919,772
	Office Equipment	495,972	-	-	495,972
	Electric Installation	46,979	-		46,979
	Fans & Air-Coolers	39,580	-		39,580
	Survey Instruments	16,747,903	570,815	-	17,318,718
	Cycle	680			680
	Library Books	35,550	4,320		39,870
	Vessel Speed Boat	3,155,336	-		3,155,336
	Generator Set	36,100			36,100
	Computer	4,156,804	283,100		4,439,904
	Terminals- Pandu	507,333,127	34,130,120	-	541,463,247
	Night Navigation Equip.	12,460,554	-	-	12,460,554
	Barges	133,745,241	-		133,745,241
	Vessels - Ordinary	184,159,998	-	-	184,159,998
	Pandu Terminal	35,853,889	3,603,920		39,457,809
	Vessels Dredging Unit	945,204,595	7,531,988	-	952,736,583
	CRANE	44,969,796			44,969,796
	Air Conditioner	103,450	142,900		246,350
	Building	-		-	-
	TOTAL (D)	**1,891,728,975**	**46,267,163**	**-**	**1,937,996,138**

(AJAY KUMAR GUPTA)
CAO(I/C)

(PRAVIR PANDEY)
Member (Finance)

AUTHORITY OF INDIA

ON 31ST MARCH 2014

SCHEDULE - I I
(FIGURES IN RUPEES)

DEPRECIATION		ADJUSTMENT ON ACCOUNT OF ASSETS SOLD/TRANSFERRED	TOTAL DEPRECIATION AS ON 31.03.2014	NET BLOCK AS ON 31.03.2014
AS ON 31.3.2013	FOR THE YEAR		(7 + 8 + 9)	(6 - 10)
7	8	9	10	11
-			-	35,051,542
841,769	-	-	841,769	44,306
445,404	2,834	-	448,238	60,156
265,302	7,062	-	272,364	139,510
31,663	327		31,990	5,811
73,413	4,132	-	77,545	55,803
31,279	-		31,279	1,646
-			-	-
11,718	1,494	-	13,212	28,487
60,649	-	-	60,649	1,313
14,094,332	567,317	1,418,145	16,079,794	7,890,217
231,273,449	13,933,615	-	245,207,064	97,141,547
37,003,255	4,589,953		41,593,208	95,835,062
2,169,125	111,382		2,280,507	465,394
29,082,089	2,788,934		31,871,023	52,191,177
1,018,158	-		1,018,158	-
2,538			2,538	134
3,124,234	81,529	(69,186)	3,136,577	538,702
69,792	5,995		75,787	-
4,699,819	63,430	55,100	4,818,349	556,825
237,931	21,905		259,836	390,159
900,837	15,852	31,134	947,823	171,035
-	-	-	-	-
98,301,439	28,638,214	-	126,939,653	475,970,105
2,203,335	440,667		2,644,002	6,633,198
4,407,493	1,531,662	-	5,939,155	26,306,346
2,265,081	755,028		3,020,109	12,875,212
13,790,305	1,547,317		15,337,622	30,989,202
446,404,409	**55,108,649**	**1,435,193**	**502,948,251**	**843,342,889**
1,073,984	39,703		1,113,687	559,439
560,997	-		560,997	29,526
493,614	38,044		531,658	388,114
158,278	22,023	-	180,301	315,671
22,435	1,429		23,864	23,115
17,783	1,289		19,072	20,508
7,362,457	806,582	-	8,169,039	9,149,679
646	-		646	34
35,550	4,320		39,870	-
1,907,317	207,346		2,114,663	1,040,673
25,725	1,715		27,440	8,660
3,599,049	175,768		3,774,817	665,087
111,632,369	25,719,508	-	137,351,877	404,111,370
4,489,685	591,876	-	5,081,561	7,378,993
33,354,586	4,467,092		37,821,678	95,923,563
51,724,509	6,150,943	-	57,875,452	126,284,546
-			-	39,457,809
244,799,389	66,691,560		311,490,949	641,245,634
12,015,928	1,501,991		13,517,919	31,451,877
20,925	11,702		32,627	213,723
-	-	-	-	-
473,295,226	**106,432,891**	**-**	**579,728,117**	**1,358,268,021**

For and on behalf of the Authority

(JAYASHREE MUKHERJEE)
Vice-Chairperson

(AMITABH VERMA)
Chairman

INLAND WATERWAYS
SCHEDULE OF FIXED ASSETS AS

	PARTICULARS	GROSS BLOCK AS ON 31.03.2013	ADDITIONS DURING THE YEAR	ADJUSTMENT/ DEDUCTIONS	GROSS BLOCK AS ON 31.03.2014
					(3+4+5)
1	2	3	4	5	6
BHAGALPUR	Buoys	54,467			54,467
	Vehicle	152,658			152,658
	Furniture & Fixtures	182,158	-	-	182,158
	Office Equipment	52,290	13,800		66,090
	Electric Installation	3,227			3,227
	Fans & Air Coolers	5,899	10,000		15,899
	Survey Instruments	2,210,143	321,350		2,531,493
	Barges	561,255			561,255
	Cycle	701			701
	Library Books	22,014	3,791		25,805
	Communication Equipment	157,026			157,026
	Land	36,734			36,734
	Computers	211,197	26,000		237,197
	DGPS STATION	18,320,308	-	-	18,320,308
	Terminals-	2,706,463	-	-	2,706,463
	Air-Conditioner	-	20,000		20,000
	TOTAL (E)	**24,676,540**	**394,941**	**-**	**25,071,481**
KOCHI	Vehicle	383,614	-		383,614
	Furniture & Fixtures	680,014	14,370		694,384
	Office Equipment	311,981	-		311,981
	Fans & Air Coolers	49,925	6,960		56,885
	Air-Conditioner	67,595	-		67,595
	Survey Instruments	9,267,030	866,049	-	10,133,079
	Communication Equipment	734,727	-		734,727
	Generator	354,969	-		354,969
	Computer	3,709,117	7,770		3,716,887
	Survey Launch	4,983,591	-		4,983,591
	SPEED BOATS	1,120,418	-	-	1,120,418
	Land (Terminals)	105,561,700	11,063,522		116,625,222
	Land Widening	210,147,427	-		210,147,427
	Library Books	19,847	-		19,847
	Building	3,968,162	3,900,000		7,868,162
	Terminal	271,082,016	55,472,956		326,554,972
	Dredger	185,515,771	644,646	(3,239,417)	182,921,000
	Night Navigation	29,928,342	3,210,711	(58,317)	33,080,736
	Foot Over Bridge Thottappally	2,188,615	-		2,188,615
	Fork Lifts	6,370,925	-		6,370,925
	Hydraulic Cranes	68,945,177			68,945,177
	Tempory Terminal	1,196,370	-		1,196,370
	TOTAL (F)	**906,587,333**	**75,186,984**	**(3,297,734)**	**978,476,583**
ALLAHABAD	Computer	300,984	72,828	(58,000)	315,812
	Furniture & Fixtures	154,341		-	154,341
	Office Equipment	63,554			63,554
	Fans & Air Coolers	12,155			12,155
	Library Books	26,425	4,425		30,850
	Electrical Installation	24,950			24,950
	Land	2,405,763			2,405,763
	TERMINAL	5,882,942	-		5,882,942
	Survey Instruments	4,072,378	-	(1,787,931)	2,284,447
	TOTAL (G)	**12,943,492**	**77,253**	**(1,845,931)**	**11,174,814**

(AJAY KUMAR GUPTA)
CAO(I/C)

(PRAVIR PANDEY)
Member (Finance)

AUTHORITY OF INDIA

ON 31ST MARCH 2014

SCHEDULE - I I

(FIGURES IN RUPEES)

DEPRECIATION		ADJUSTMENT ON ACCOUNT OF ASSETS SOLD/TRANSFERRED	TOTAL DEPRECIATION AS ON 31.03.2014	NET BLOCK AS ON 31.03.2014
AS ON	FOR THE			
31.3.2013	YEAR		(7 + 8 + 9)	(6 - 10)
7	8	9	10	11
52,612	-		52,612	1,855
151,776			151,776	882
137,630	8,653	-	146,283	35,875
42,478	3,139		45,617	20,473
2,045	153		2,198	1,029
5,899	475		6,374	9,525
1,463,643	120,246		1,583,889	947,604
554,410	-		554,410	6,845
666	16	-	682	19
22,014	3,791	-	25,805	-
157,026	-		157,026	-
			-	36,734
211,197	4,215		215,412	21,785
3,397,381	870,215	-	4,267,596	14,052,712
157,506	128,557	-	286,063	2,420,400
-	950		950	19,050
6,356,283	**1,140,410**	-	**7,496,693**	**17,574,788**
360,293	-		360,293	23,321
471,026	29,554		500,580	193,804
158,758	10,874		169,632	142,349
20,447	2,553		23,000	33,885
40,847	3,211		44,058	23,537
4,714,792	431,920	-	5,146,712	4,986,367
325,791	34,900		360,691	374,036
116,957	16,861		133,818	221,151
3,402,832	77,985		3,480,817	236,070
2,451,775	166,452		2,618,227	2,365,364
633,712	79,214		712,926	407,492
-	-		-	116,625,222
-	-		-	210,147,427
19,847	-		19,847	-
690,566	64,681		755,247	7,112,915
63,418,100	15,511,361		78,929,461	247,625,511
31,520,840	12,820,343	(226,759)	44,114,424	138,806,576
10,492,813	1,571,389	(32,653)	12,031,549	21,049,187
712,589	103,959		816,548	1,372,067
2,702,548	450,424		3,152,972	3,217,953
28,038,260	4,874,421		32,912,681	36,032,496
1,196,370	-		1,196,370	-
151,489,163	**36,250,102**	**(259,412)**	**187,479,853**	**790,996,730**
237,992	80,798	(55,100)	263,690	52,122
119,251	9,769	-	129,020	25,321
36,088	2,765		38,853	24,701
6,208	578		6,786	5,369
26,425	4,425		30,850	-
14,220	1,185		15,405	9,545
-			-	2,405,763
279,440	279,440		558,880	5,324,062
2,365,144	110,821	(1,416,845)	1,059,120	1,225,327
3,084,768	**489,781**	**(1,471,945)**	**2,102,604**	**9,072,210**

For and on behalf of the Authority

(JAYASHREE MUKHERJEE)
Vice-Chairperson

(AMITABH VERMA)
Chairman

INLAND WATERWAYS

SCHEDULE OF FIXED ASSETS AS

	PARTICULARS	GROSS BLOCK AS ON 31.03.2013	ADDITIONS DURING THE YEAR	ADJUSTMENT/ DEDUCTIONS	GROSS BLOCK AS ON 31.03.2014
					(3+4+5)
1	2	3	4	5	6
VARANASI	Furniture & Fixtures	129,719	-		129,719
	Computer	308,505	-		308,505
	Office Equipment	53,297	-		53,297
	Fans & Air Coolers	5,875			5,875
	Vehicle	243,069			243,069
	Communication Equipment	65,957	-	(65,957)	-
	Library book	1,225	-		1,225
	Survey Instruments	2,484,913		(23,937)	2,460,976
	LAND	29,662,024	-		29,662,024
	TOTAL (H)	**32,954,584**	**-**	**(89,894)**	**32,864,690**
NINI	Furniture & Fixtures	3,544,642	1,438,019	-	4,982,661
	Generator Set	657,371	-	-	657,371
	Computer	1,362,502	114,500	-	1,477,002
	Office Equipment	1,183,609	-	-	1,183,609
	Air Conditioner	1,237,281	-	-	1,237,281
	Building/Workshop	59,965,546	31,379,000	-	91,344,546
	Hostel & kitchen	606,957	-		606,957
	Work SHOP WQUIPMENT	331,832			331,832
	Fire Mock up Equipments	5,231,866	5,278		5,237,144
	FRP Boat with OBM	528,962	-		528,962
	Water Cooler& Refigerator	367,573	-	-	367,573
	Temporay Structure	887,301	522,961		1,410,262
	Course Material & Equipments	444,583	-		444,583
	SIMULATOR	31,731,375	-	-	31,731,375
	Library book	498,179	361,806		859,985
	Software	3,108,400	-		3,108,400
	Electric Installation	101,676	-		101,676
	Fans & Air Coolers	1,895	-		1,895
	LAND	152,450,100	-		152,450,100
	TOTAL (I)	**264,241,650**	**33,821,564**	**-**	**298,063,214**
KALADAN	Furniture & Fixtures	63,845	-		63,845
	Temporay Structure	15,364	-		15,364
	Computer	243,452	-		243,452
	TOTAL (J)	**322,661**	**-**	**-**	**322,661**
	GRAND TOTAL (A+B+C+D+E+F+G+H+I+J)	**5,498,255,974**	**342,693,600**	**(5,695,662)**	**5,835,253,912**
	PREVIOUS YEAR	**4,325,496,709**	**1,198,005,434**	**(25,246,169)**	**5,498,255,974**

(AJAY KUMAR GUPTA)
CAO(I/C)

(PRAVIR PANDEY)
Member (Finance)

AUTHORITY OF INDIA

ON 31ST MARCH 2014

SCHEDULE - I I

(FIGURES IN RUPEES)

DEPRECIATION		ADJUSTMENT ON ACCOUNT OF ASSETS SOLD/TRANSFERRED	TOTAL DEPRECIATION AS ON 31.03.2014	NET BLOCK AS ON 31.03.2014
AS ON	FOR THE			
31.3.2013	YEAR		(7 + 8 + 9)	(6 - 10)
7	8	9	10	11
81,219	8,211	-	89,430	40,289
177,192	37,516	-	214,708	93,797
26,076	2,532		28,608	24,689
2,790	279		3,069	2,806
230,919	-		230,919	12,150
31,135	-	(31,135)	-	-
1,225	-		1,225	-
761,786	111,896	(9,427)	864,255	1,596,721
			-	29,662,024
1,312,342	**160,434**	**(40,562)**	**1,432,214**	**31,432,476**
2,145,690	315,403	-	2,461,093	2,521,568
281,025	31,225	-	312,250	345,121
858,307	129,809	-	988,116	488,886
352,855	56,221	-	409,076	774,533
339,379	58,774	(6,499)	391,654	845,627
8,207,290	1,488,916	-	9,696,206	81,648,340
89,208	28,831		118,039	488,918
63,049	15,763		78,812	253,020
531,400	248,763		780,163	4,456,981
37,398	37,398		74,796	454,166
147,110	17,461	-	164,571	203,002
887,301	522,961		1,410,262	-
444,583	-		444,583	-
4,331,624	1,776,958	-	6,108,582	25,622,793
498,179	361,806		859,985	-
993,917	503,872		1,497,789	1,610,611
9,660	4,830		14,490	87,186
180	90		270	1,625
			-	152,450,100
20,218,155	**5,599,081**	**(6,499)**	**25,810,737**	**272,252,477**
16,164	4,041		20,205	43,640
15,364	-		15,364	-
150,870	39,463		190,333	53,119
182,398	**43,504**	**-**	**225,902**	**96,759**
1,388,744,835	**259,875,183**	**(2,102,337)**	**1,646,517,681**	**4,188,736,231**
1,137,006,102	**259,959,807**	**(8,221,074)**	**1,388,744,835**	**4,109,511,139**

For and on behalf of the Authority

(JAYASHREE MUKHERJEE)
Vice-Chairperson

(AMITABH VERMA)
Chairman

SCHEDULE - III

CURRENT ASSETS, LOANS & ADVANCES AS ON 31.3.2014

PREVIOUS YEAR (RUPEES)	PARTICULARS		CURRENT YEAR (Figures in rupees)
	a) STORES, SPARES & TOOLS (AT COST)		
28,687,365	1) Marine Spare Parts	28,242,240	
456,505	2) Permanent Stores	697,645	
	3) Consumables & Marking Material		
259,778	4) Stationary	239,987	
9,360,397	5) POL Stock	9,649,279	
270,389	6) Others	45,009	38,874,160
	b) SUNDRY DEBTORS		
	1) Secured		
	2) Unsecured		
	-- Considered Good		
	1) more than 6 months		
	2) less than 6 months		
	-- Considered Doubtful		
	c) DEPOSITS, LOANS & ADVANCES		
5,412,385	1) Advance to staff	5,475,335	
98,339	2) Departmental Advance	83,720	
947,708,145	3) Advance to Contractors & Suppliers	1,114,126,420	
13,842,260	4) Deposits	41,336,075	
55,381,930	5) Claims Recoverable	70,013,676	
2,410,212	6) Prepaid Expenses	22,238,756	
2,728,719	7) Others	1,740,217	1,255,014,199
	d) CASH & BANK BALANCES		
42,018	1) Cash/Stamps in-hand	58,290	-
161,667,844	2) Cash with Scheduled Banks	(58,134,281)	-
	3) Remittance in transit		
152,525,821	4) Short term deposit	398,509,072	340,433,081
1,380,852,107	TOTAL		1,634,321,440

For and on behalf of the Authority

(AJAY KUMAR GUPTA)	(PRAVIR PANDEY)	(JAYASHREE MUKHERJEE)	(AMITABH VERMA)
CAO(I/C)	Member (Finance)	Vice-Chairperson	Chairman

SCHEDULE - IV

OPERATIONAL AND MAINTENANCE EXPENSES FOR THE YEAR ENDED 31-03-2014

Previous Year (Rupees)	Particulars		Current Year (Figures in Rupees)
	NATIONAL WATERWAY NO.1		
	1. Pay & Allowances & Other		
80,636,602	Staff Costs	215,629,787	
	2. Works Expenses		
58,637,651	(i) Surveying	48,793,910	
173,862,601	(ii) Dredging	168,834,588	
15,332,239	(iii) Bandalling	22,714,606	
8,670,849	(iv) Aids to navigation & Channel marking	6,671,746	
22,299,835	(v) Terminal Facilities	48,123,358	
27,036,863	(vi) Repairs of Vessels	21,910,318	
32,463,956	(vii) Night Navigation	35,609,156	
	(viii) River Training Work		
	3. Other Administrative & Misc.		
4,657,085	Expenses	7,573,917	**575,861,386**
	NATIONAL WATERWAY NO.2		
	1. Pay & Allowances & Other		
18,358,069	Staff Costs	46,747,612	
	2. Works Expenses		
16,315,927	(i) Surveying	7,228,620	
19,770,966	(ii) Bandalling	21,910,013	
5,386,285	(iii) Aids to navigation & Channel marking	6,208,612	
8,217,380	(iv) Terminals	6,104,708	
25,422,996	(v) Dredging	49,595,213	
5,066,716	(vi) Repairs of Vessels	13,657,529	
25,277,098	(vii) Night Navigation	26,260,589	
12,599,543	(viii) Protocol	12,038,833	
-	(ix) River Training Work	-	
26,072,050	(x) Training Expenses(NINI)	30,417,097	
683,000	(xi) Bank Protection	-	
	3. Other Administrative & Misc.		
1,600,318	Expenses	1,047,485	**221,216,311**

Cont.....

SCHEDULE - IV

OPERATIONAL AND MAINTENANCE EXPENSES FOR THE YEAR ENDED 31-03-2014

Previous Year (Rupees)	Particulars		Current Year (Figures in Rupees)
	NATIONAL WATERWAY NO.3		
	1. Pay & Allowances & Other		
11,203,266	Staff Costs	30,145,093	
	2. Works Expenses		
1,465,297	(i) Surveying	1,638,364	
87,543,432	(ii) Dredging	97,821,649	
	(iii) Channel marking		
7,637,350	(iv) Night Navigation	6,210,772	
5,489,788	(v) Terminal Facilities	4,417,100	
	(vi) Repair of vessel	1,530,947	-
	(vii) Maintenance of lock gate		
	(viii) Bank Protection		-
	3. Other Administrative & Misc.		
695,418	Expenses	867,478	**142,631,403**
	NATIONAL WATERWAY NO.4 & 5		
	1. Works Expenses		
993,638	(i) Surveying	16,129,935	**16,129,935**
	(ii) Dredging		
	KALADAN PROJECT		
-	**1. Pay & Allowances & Other**	-	
229,000	staff Costs	107,935	
	2. Works Expenses		
2,291,948	(i) Surveying	-	
	(ii) Dredging		
	(iii) Terminal Facilites		
24,803,055	(iv) Other Consultancy	35,958,158	
	3. Other Administrative & Misc.		
3,184,539	Expenses	2,104,811	**38,170,904**
733,904,760	**TOTAL**		**994,009,939**

For and behalf of the Authority

(AJAY KUMAR GUPTA)	(PRAVIR PANDEY)	(JAYASHREE MUKHERJEE)	(AMITABH VERMA)
CAO(I/C)	Member (Finance)	Vice-Chairperson	Chairman

SCHEDULE - V

PAY & ALLOWANCES & OTHER STAFF COSTS FOR THE YEAR ENDED 31.03.2014

PREVIOUS YEAR (RUPEES)	PARTICULARS	CURRENT YEAR (FIGURES IN RUPEES)
	PAY & ALLOWANCES & OTHER STAFF COSTS	
57,628,209	i) Pay & Allowances	60,497,515
63,300	ii) Honorarium	42,500
2,941,809	iii) Medical Reimbursement	3,959,072
242,045	iv) Daily Wages	167,675
126,457	v) OTA	88,252
255,596	vi) Bonus	251,278
-	vii) Leave Salary & Pension	-
1,099,633	Contribution (Dep.)	1,084,271
1,112,279	viii) Rent for Residence	588,266
39,604	ix) Liveries	80,059
837,388	x) Staff welfare Expenses	843,349
1,327,440	xi) Tuition fees	1,009,263
5,054,620	xii) Pension & Gratuity Contribution	84,407,962
625,463	xiii) Leave Encashment	3,661,862
273,270	xiv) New Employees Cont. to NPS	176,845
1,956,283	xv) LTC Exp.	1,662,343
73,583,396	**TOTAL**	**158,520,512**

For and on behalf of the Authority

(AJAY KUMAR GUPTA)	(PRAVIR PANDEY)	(JAYASHREE MUKHERJEE)	(AMITABH VERMA)
CAO(I/C)	Member (Finance)	Vice-Chairperson	Chairman

SCHEDULE - VI

GENERAL & OTHER EXPENSES FOR THE YEAR ENDED 31.03.2014

PREVIOUS YEAR (FIGURES IN RUPEES)	PARTICULARS	CURRENT YEAR (FIGURES IN RUPEES)
3,024,764	i) Repairs & Maintenance	3,617,852
589,546	ii) Staff Recruitment Expenses	963,591
1,290,026	iii) Postage, Telephone & Telegram	1,328,325
1,621,593	iv) Printing & Stationery	1,660,519
2,443,473	v) Vehicle Running & Maintenance	2,321,973
117,152	vi) Advertisement & Publicity	109,389
221,600	vii) Conveyance Reimbursement	246,173
7,644,786	viii) Travelling Expenses ---Inland	5,061,553
2,606,660	---Abroad	2,172,063
147,303	ix) Newspaper & Periodicals	126,460
242,354	x) Misc. Expenses	61,485
128,701	xi) Consumables	155,214
1,827,124	xii) Electricity & Water Charges	2,354,160
925,087	xiii) Audit Fees & expenses	1,036,289
358,350	xiv) Legal Charges	180,705
263,623	xv)Seminar & Workshop/Conference	226,023
349,866	xvi) Hindi Promotion	419,917
56,408	xvii) Authority meeting expenses	140,413
23,858,416	**TOTAL**	**22,182,104**

For and on behalf of the Authority

(AJAY KUMAR GUPTA)	(PRAVIR PANDEY)	(JAYASHREE MUKHERJEE)	(AMITABH VERMA)
CAO(I/C)	Member (Finance)	Vice-Chairperson	Chairman

For and on behalf of the Authority

Schedule - VII

NOTES FORMING PART OF ACCOUNTS AS ON 31.03.2014

1) Capital works in progress amounting to Rs.**12900.84** lakh (previous year Rs.12050.21 lakh) consist of the following:

(in Lakh)

Sl. No.	Name of Party	Purpose	Amount
1.	Neptune Marine (P) Ltd.	Construction of Work Boats	71.97
2.	CPWD - Guwahati	Construction of high level jetty at Pandu	4154.65
3.	STUP Consultant Pvt. Ltd.	Consultancy charges for construction of high level jetty at Pandu	4.41
4.	CPWD - Kerala	Construction of terminals in NW-3 & Office	557.08
5.	CPWD - Patna	Construction of Office Building	478.63
6.	HDPE-Guwahati	Construction of Work Boat	1301.00
7.	HDPE - Kolkata	Construction of Work Boat	649.09
8.	NF-Railway	Construction of BG siding at Pandu	1155.00
9.	CPWD - Kolkata	Construction of GR Jetty - II	3466.56
10.	M/s A.C.Roy& Co. Kolkata	Construction of 4 Work Boats	4.57
11.	M/s ARI	Supply of Simulator	19.63
12.	M/s Bittu Enterprises	Electrical work at NINI	3.93
13.	N. F. Railway	Demolition of quarters at Pandu	224.00
14.	M/s D. P. Sharma	Boundary Wall at NINI	39.70
15.	M/s R.K. Engineering Works	Construction of RIS Stations	33.34
16.	M/s Parvati Construction	Construction of RIS Station, Farakka	2.96
17.	CPWD - Patna	Construction of Annexe Building at NINI	4.58
18.	CPWD - Patna	Construction of Swimming Pool at NINI	59.19
19.	CPWD - Guwahati	Construction of Office Building	257.89
20.	CPWD - Guwahati	Development of Pandu Port, Drains etc.	412.66
		Grand Total	**12,900.84**

2) During the F.Y. 2013-14, the Authority incurred the following expenditure in respect of Chairman and full time Members:

(in rupees)

Salary	House Rent	Leave Salary & Pension Contribution	Medical Reimburse-ment	Travelling Expenses		Total
				Foreign	Inland	
5390720	441516	721159	82675	568745	745740	**7950555**
Previous Year (2012 -13) -						
6565978	701336	763330	122298	671857	3278955	**12103754**

During the year, Chairman visited Vietnam with an Indian delegation for signing of Maritime Shipping Agreement between India and Vietnam from 23rd to 27th May, 2013; Vice-Chairperson visited Bangladesh from 28th to 30th Sept, 2013 to attend the 16th Standing Committee meeting at Dhaka and Manila to attend the high level workshop on Inland Waterways Transport on 15th & 16th July, 2013.

3. Land costing Rs. 244.49 lakh (previous year Rs. 244.49 lakh) was acquired in March, 1994 for construction of R&D-cum-Office complex at Noida on lease hold basis for 90 years. Rs.2.72 lakh is being written off every year. Land acquired on lease hold basis from Kolkata Port Trust (KOPT) in March, 1994 for Rs.21.34 lakh has been written off fully.

4. (I) ITAT, New Delhi for the assessment years 1988-89 to 1997-98 (excluding Assessment Year 1990 91) ruled in July, 2006 that the grants to the Authority is not revenue in nature and hence not taxable. While giving effect to the ITAT order, ACIT, Noida issued fresh assessment order in November, 2010 wherein the miscellaneous receipts of authority has been treated as income. Thereafter, Authority continuously pursued the matter through appeals and counter appeals in ITAT, New Delhi, CIT (Appeals), Ghaziabad and ACIT, Noida to get the order of ACIT, Noida regarding treatment of miscellaneous receipts as income of the Authority dismissed. The matter is pending with ITAT, New Delhi at present.

(ii) ACIT, Noida also imposed penalty in the fresh assessment order of November, 2010 and raised demand of Rs.11.80 crore. Thereafter, Authority continuously pursued the matter through appeals and counter appeals in ITAT, New Delhi, CIT (Appeals), Ghaziabad and ACIT, Noida to get the order of ACIT, Noida dismissed.

Subsequently, ACIT, Noida issued an order with the contention that no fresh adjudication of penalty u/s 271(1) (C) in view of ITAT direction is required. Against the said order of ACIT, Noida, Authority has filed an application with ACIT, Noida u/s 154 to review the matter in accordance with the directions of ITAT, New Delhi. The matter is pending with ACIT, Noida at present.

(iii) The Income Tax department has also filed an appeal in High Court of Allahabad against the order of ITAT, New Delhi for the assessment years 1988-89 to 1997-98.

5. A sum of Rs.5137.31 lakh (previous year Rs.4676.61 lakh) towards cost of land for 11 terminals and land for widening of narrow canal was made as advance to Government of Kerala. Out of above, land measuring 12.3809 hectares was capitalized for Rs.3267.73 lakh till March, 2014. Meanwhile, petitions were filed in lower courts and Hon'ble High Court of Government of Kerala seeking higher compensation and interest on the acquired land. The matter is pending in various courts of Kerala.

6. A sum of Rs.3428.24 lakh (previous year Rs.3113.82 lakh) has been paid as advance to CPWD. Out of this, a sum of Rs.1746.33 lakh has been capitalized till date. The expenditure of Rs.557.09 lakh incurred till date for the construction of Alapuzha terminal (Rs.477.43 lakh), Kakkanadu terminal (Rs.49.88 lakh) and Kottapuram approach road (Rs.0.32 lakh), Kayamkulam terminal and approach road (Rs.4.91 lakh) and Chavara approach road and compound wall (Rs.24.54 lakh) have been shown as capital work in progress. In addition, an amount of Rs.43 lakh was paid for the construction of Maradu Office Complex extension. Out of this, Rs.39 lakh has been capitalized.

7. A sum of Rs.1660 lakh (previous year Rs.1660 lakh) was paid as deposit to Cochin Port Trust for construction of jetty at Bolghatty and Willington Island. Out of this, Rs1519.22 lakh (previous year Rs.1519.28 lakh) has been capitalized till date.

8. A sum of Rs.3063 lakh (previous year Rs.2862 lakh) has been released as deposit to Executive Engineer, Patna Central Division-II, CPWD in connection with construction of high level general cargo berth at Gaighat, Patna. Out of this, a sum of Rs.3050.24 lakh (previous year Rs.2830.31 lakh) has been capitalized.

9. A sum of Rs.4385 lakh (previous year Rs.3332 lakh) has been released as deposit to CPWD, Guwahati in connection with construction of high level general cargo berth at Pandu, Guwahati. Out of this, a sum of Rs.4154.65 lakh (previous year Rs.3196.97 lakh) has been charged to capital works in progress.

10. A sum of Rs.1254 lakh (previous year Rs.1254 lakh) has been released as deposit to NF Railway, Guwahati in connection with construction of Broad Gauge Siding at Pandu Terminal (Rs.1030 lakh) and the work of replacement of 28 units Type - II quarters (Rs.224 lakh) at Guwahati. Out of this, a sum of Rs.1379 lakh has been shown as capital works in progress (previous year Rs.1379 lakh) which includes Rs.1155 lakh for construction of Broad Gauge Siding at Pandu and Rs.224 lakh for replacement of 28 units of quarter. It is to mention that the additional cost of Rs.124.99 lakh was claimed by NF Railway which was provided in the F.Y. 2012-13. The same is yet to be released.

11. A sum of Rs 577.64 lakh has been deposited with CPWD, Patna for construction of office building and boundary wall at Gaighat, Patna. Out of this, as per financial progress of work, an amount of Rs.467.41 lakh and Rs.11.22 lakh has been charged to capital works in progress and towards construction of office building & boundary wall respectively.

12. A sum of Rs 2226 lakh (provision year Rs 966 lakh) has been deposited with CPWD, Guwahati for construction of RO-RO Jetty, Dhubri including administrative block, roads, electricity etc. The work on the terminal is in progress.

13. 53 flats at Sector-34, Noida were taken over on December, 2002 from Director General of Light Houses & Light Ships (DGLL), Ministry of Shipping for the staff of IWAI at a total transfer price of Rs.225.28 lakh plus transfer fee, stamp duty etc.

A sum of Rs.307.33 lakh (previous year Rs.307.33 lakh) has been capitalized. However, transfer in the name of IWAI could not be registered since the flats have not yet been registered in the name of the first owner DGLL. After persuasion with DGLL for making payment of land rent, etc. to Noida, the initial registration will be taken-up with Noida.

14. Two vessels namely MOT TUG III and Flat Turni had been declared condemned in November, 2004 and March, 1995 respectively. Their scrap value has been assessed as Rs.18.75 lakh and Rs. 7.05 lakh respectively. An open tender had been called for disposal of both the vessels. However, the matter went into litigation before conclusion of the tender process. In F. Y. 2013-14, the petition of tenderer has been dismissed by the Hon'ble Court, GautamBudh Nagar, U.P..

15. A claim was lodged with M/s Oriental Insurance Co. for Rs.34.47 lakh towards loss of Buoys and Lights in October 2006. The Insurance Company has agreed for payment of Rs. 23.93 lakh only on completion of certain formalities and documentation. The option of writing-off the remaining amount is under consideration of the Authority.

16. 47 buoys with chain, anchor and accessories and 7 day marks had been lost in the Kolkata region during 2002-03. Authority had lodged an insurance claim of Rs.28.91 lakh and a sum of Rs.5.92 lakh had been received from the Insurance Company. Authority had recovered an amount of Rs.11.05 lakh from the contractor in June, 2013. The Balance of Rs.11.94 lakh has been shown in claim recoverable.

17. The Authority signed an agreement with M/s HDPEL, Kolkata in March, 2005 for construction and delivery of Floating Dry Dock at a cost of Rs. 873 lakh excluding taxes and cost of spare parts. As M/s HDPEL, Kolkata were unable to deliver the Floating Dry Dock, the Authority cancelled the contract and an amount of Rs.190.42 lakh released to HDPEL, Kolkata after adjusting amount payable of Rs.71.48 lakh due for Liquidated Damages (LD) and repair of vessels for oil tanker and container vessels has been shown as claim recoverable. In the mean time, Authority has asked HDPEL to refund money to the Authority vide letter no. IWAI/MD/2170/2001-vol.-III dt. 01.01.2014.

18. A work was awarded to M/s Neptune Marine Pvt. Ltd. in 2003 for construction of three work boats at the cost of Rs.359.85 lakh. As per the contract, Rs.161.93 lakh has been released including Rs.53.98 lakh against Bank Guarantee. In the F.Y. 2008-09, Bank Guarantee of Rs.53.98 lakh had been invoked. Due to non-compliance of the contract, the contract was terminated on 29.7.2009 and an arbitrator had been appointed. One work boat is in possession of Authority from 11.12.2008. The Work Boat was not found fit for operations as per requirement of IRS and IWT, Directorate of Government of West Bengal. Necessary repair/modification had been taken over by the Authority and the same capitalized for Rs.122.90 lakh during the F. Y. 2012-13. Balance Rs.71.97 lakh has been shown as capital work in progress.

19. Authority appointed M/s IL&FS Infrastructure Development Corporation Ltd. as Project Development Organization for identification and development of IWT projects on PPP mode. The Authority contributed Rs. 50 lakh towards 50% share in the initial corpus of the Project Development Fund for undertaking development of Projects. The contributed amount has been

shown as investment.

20. A work was awarded to M/s ZF Marine Middle East L.L.C, Sharjah, United Arab Emirates for supply of one HRP unit for workboat in NW-1 at the cost of Euro 145000 against on sight letter of credit (LC). The LC has been issued by Syndicate Bank, Sector-18, Noida on 15.01.2014 in favour of Emirates NBD Bank PJSC (Head Office), Dubai, AE. The LC is valid till 30.10.2014.

21. Ministry of External Affairs (MEA), Govt. of India in March, 2009 through an agreement appointed the Authority as Project Development Consultant for implementation of multi modal transit transport facility on Kaladan river connecting Sittwe port in Myanmar with the State of Mizoram in India. This is known as "Kaladan Project". During the year an amount of Rs.381.74 lakh (previous year Rs.305.10 lakh) has been incurred as expenditure and an amount of Rs.17.18 lakh (previous year Rs.34.73 lakh) has been received as interest from the Bank on the project.

22. Authority has taken three policies from LIC for pension, gratuity and leave encashment for IWAI employees. LIC has provided actuarial valuation for all the three policies. As per actuarial valuation as on 31.03.2014, an amount of Rs.6640 lakh for Pension (previous year Rs.5006 lakh), Rs.882.13 lakh for Gratuity (previous year Rs.377.83 lakh) and Rs.648.78 lakh for leave encashment (previous year Rs.245.66 lakh) is required.

Authority has established a trust in the name of "IWAI-Employees Pension fund" with effect from 25.03.2003 for administering and managing the pension/gratuity fund in respect of employees of the Authority. IWAI-Employees Pension Fund and leave encashment is managed by LIC of India. As per IWAI-Employees Pension Fund account, a fund of Rs.4842.04 lakh is available with trust for pension and gratuity fund and Rs.543.75 lakh is available with LIC for Leave encashment fund. During the financial year 2013-14, a provision of Rs.2542.20 lakh and Rs.137.90 lakh has been provided towards pension and gratuity respectively after considering Actuarial Valuation and fund available. A provision of Rs.105.03 lakh is provided after considering Actuarial Valuation and fund available with LIC for leave encashment.

For Actuarial Valuation, the assumptions are:

Mortality Rate	:	LIC (1994-96) ultimate.
Withdrawal Rate	:	1% to 3% depending on age.
Discount Rate	:	8% p.a.
Salary Escalation	:	6% p.a.

23. Authority entered into shareholders agreement in three JV projects with three companies namely (i) M/s Royal Logistics (Ship) Ltd., Kolkata (ii) M/s SKS Waterways Ltd., Kolkata and (iii) M/s Vivada Logistics Pvt. Ltd. Kolkata. As per the share holders agreement with M/s Royal Logistics (Ship) Ltd, Kolkata and M/s SKS Waterways Ltd, Kolkata the initial authorized share capital of each company is Rs.5 lakh and same is required to be contributed in the ratio of 70% by the J.V. partners and 30% by IWAI. Accordingly, Authority has contributed its share of Rs. 1.50 lakh each as initial authorized share capital in M/s Royal Logistics (Ship) Ltd., Kolkata and M/s SKS Waterways Ltd. Kolkata.

24. There are 3 arbitration cases pending before the Arbitrators; two cases relate to capital dredging works in NW-3 having a contingent liability of Rs.2047 lakh and one case relates to construction of vessel involving Rs.1600 lakh as damages (approximately). Further, there are 2 services and 1 patent related case pending in the Hon'ble High Court of Delhi; 15 cases in Hon'ble High Court of Kerala; and, 26 cases in the Hon'ble High Court of Patna, Allahabad, Kolkata and Guwahati. 2 cases of interest subsidy are pending in the Hon'ble High Courts of Delhi and Indore.

In addition, 34 LAR cases and 2 LAA cases are pending in various sub-courts and Hon'ble High Court of Kerala respectively for payment of higher compensation for land acquisition involving an amount of Rs.515 lakh (approximately).

25. A MOU was entered with M/s ARI, Delhi for setting up maritime simulator centre at NINI, Patna. As per the MOU, the capital cost of simulator is to be shared between IWAI and ARI in the ratio of 50:50 and the net revenue after running expenses shall also be shared. The cost of simulator unit has been capitalized and the cost of Rs.115.32 lakh (previous year Rs.114.83 lakh) incurred by M/s ARI shown as capital reserve and depreciation has been deducted on the same.

26. Authority agreed to rent out 3rd Floor of the IWAI Office building at Noida to Directorate General of Shipping, Mumbai, 4th Floor to Energy Efficiency Services Ltd (EESL) and 6th Floor to Container Corporation of India Ltd. (CONCOR) @ Rs.78 per sq. ft. of covered area. The covered area of each floor is 8378.60 sq. ft. A sum of Rs.240 lakh, Rs.58.82 lakh and Rs.117.64 lakh has been received from D.G. Shipping, EESL and CONCOR respectively as advance rent. The Authority has incurred an expenditure of Rs.1355.10 lakh towards construction of vertical expansion of building, electrical installation, HVAC system, passenger lift, multi-level multi-grid over-ground car parking and D. G. set upto 31.03.2014 and the same are capitalized. The Authority has also released secured advance of Rs.18.53 lakh to the contractor against material available at site. Authority has handed over the 6th floor to CONCOR on 20.12.2013 and 4th floor to EESL on 16.09.2013.

27. Authority received Rs.156.57 crore as Grant under different budget heads in Plan and Non-Plan during the F.Y. 2013-14 includes surplus fund of Rs.6.33 crore. Internal Receipts of the Authority during the year was Rs.8.02 crore. During the year, capital expenditure of Rs.59.66 crore and revenue expenditure of Rs.118.09 crore was incurred by the Authority which includes a provision of Rs.25.42 crore for pension, Rs.1.37 crore for gratuity and Rs.1.05 crore for leave encashment.

28. Bank guarantees valued at Rs.1020.78 lakh (previous year Rs.2181.69 lakh) have been received from contractors / suppliers towards security deposit, earnest money and mobilization advance against the works/ contracts awarded to them till 31st March 2014.

29. To develop Pandu Port as Multi Modal Transport Hub with proper road and rail connectivity, a sum of Rs.6.11 crore was paid to PWD, Assam, Guwahati as advance for construction of alternate road connectivity of Pandu Port with NH-31. But despite persistent effort by the Authority, NF Railway was not able to provide the land free from encroachment.

Since, IWAI exhausted all options to get the land encroachment free, IWAI Board, in its meeting held on 24.10.2013 decided to close the project and requested PWD Assam to refund the amount deposited with them during November, 2013 and February, 2014.

PWD, Assam has refunded the amount of Rs.6.11 crore to IWAI in August, 2014.

30. Annual Accounts of the Authority has been prepared on the format approved by the Ministry of Shipping in consultation with Comptroller & Auditor General of India.

31. As per Schedule-XIV of the Indian Company Act 1956, depreciation rate for some of the fixed assets used for inland waterways has not been prescribed; rate for depreciation has been drawn from the schedule of similar equipment. Authority has been charging depreciation on barges @ 3.34%, terminals @ 4.75%, night navigation equipment @ 4.75%, crane @ 3.34%, dredgers @ 7%, car parking @ 4.75% and passenger lift @ 4.75%.

32. Re-grouping and re-classification has been done where considered necessary.

33. All the figures are rounded off to the nearest rupee and figures in ( ) indicate negative figures.

For and on behalf of the Authority

(A. K. Gupta)	(PravirPandey)	(Jayashree Mukherjee)	(Amitabh Verma)
Chief Accounts Officer (I/c)	Member (Finance)	Vice-Chairperson	Chairman

INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA

ACCOUNTING POLICIES

1. **TREATMENT OF EXPENSES**

Expenditure on hydrographic survey, techno-economic study, bandalling, bottom-panelling, dredging, temporary structure in channel marking and maintenance of vessels, etc. is treated as revenue expenditure whereas expenditure on permanent structures in channel marking, cost of vessels, survey launches, tugs, barges, dredgers, etc. is treated as capital expenditure..

2. **DEPRECIATION**

Depreciation has been provided on straight line method on the basis of rates in Schedule XIV of the Companies Act 1956 as per Notification No. 1/12/92-CL, V; Circular No. 14/93 dated 20.12.1993. Depreciation on library books has been charged @ 100 % on straight line method. Figures shown in brackets ( ) in column 5 and 9 of Schedule II indicate deduction from Gross Block and Depreciation respectively. Depreciation is charged for the whole year in the year of purchase and no depreciation is charged in the year of disposal/sale.

3. **CAPITAL WORK IN PROGRESS**

The work in progress is accounted on actual cost basis and includes payments made to contractors for work done and certified.

4. **STORES, SPARES AND TOOLS**

Stores, spares and tools are valued at lower of cost and net realizable value.

5. **PRIOR PERIOD ADJUSTMENTS**

Income and expenditure in excess of Rs. 1000/- each for item relating to previous year/years is credited/debited as the case may be to this account.

6. **PROVISIONS**

(i) Provision for known liability is created in respect of any expenditure if the value exceeds Rs. 1000/-.
(ii) Provision for leave encashment on retirement in respect of regular employees is created as per Accounting Standard 15 issued by Institute of Chartered Accountant of India.
(iii) Provision for bonus is created on adhoc basis as declared by Central Government in previous year in respect of autonomous bodies.
(iv) Provision for pension contribution/gratuity has been made as per IWAI Employees Pension Fund Regulations, 1993.

7. **TREATMENT OF GRANTS**

The Authority will have no revenue generation except for grant from the Govt. till such time National Waterways become fully operational for public use and tariff rates, levies and fees are fixed. As such, out of grants received from the Government, expenditure incurred on revenue account is classified as revenue grant, payments towards assets are classified as capital grant and balance, if any, are treated as grants received in surplus (under current liabilities).

For and on behalf of the Authority

(A. K. Gupta)	(PravirPandey)	(Jayashree Mukherjee)	(Amitabh Verma)
Chief Accounts Officer (I/c)	Member (Finance)	Vice-Chairperson	Chairman

AUDIT REPORT OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA ON THE ACCOUNTS OF INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA FOR THE YEAR ENDED 31 MARCH 2014

We have audited the attached Balance Sheet of Inland Waterways Authority of India (Authority) as at 31 March 2014 and the Income and Expenditure Account for the year ended on that date under section 23 of the Inland Waterways Authority of India Act, 1985 (IWAI Act, 1985) and Rule 28(3) of the Inland Waterways Authority of India Rules, 1986 (IWAI Rules, 1986) as amended in 2002 vide Notification No. GSR 449 dated 10 October 2002. These financial statements include the accounts of units/branches of the Authority. These financial statements are the responsibility of the Authority's management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. These standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatements. An audit includes examining, on a test basis, evidence supporting the amounts and disclosures in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by managements as well as evaluating the overall presentation of financial statements. We believe that our audit provides reasonable basis for our opinion.

Based on our audit, we report that;

i. We have obtained all the information and explanations, which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit;

ii. The Balance Sheet and Income and Expenditure Account dealt with by this report have been drawn up in the format approved by the Government of India under Section 34(2)(g) of the IWAI Act, 1985 and Rule 28(2) of the IWAI Rules, 1986;

iii. In our opinion, proper books of accounts and other relevant records have been maintained by the Authority as required under Section 34(2)(g) of the IWAI Act, 1985 in so far as it appears from our examination of such books except that:

(A) Balance Sheet
Current Assets, Loans & Advances
Deposits, Loans & Advances (Schedule-III)
Advances to Contractors & Suppliers - ₹ 111.41 crore

The above is overstated by ₹ 6.25 crore due to non-adjustment of the advances given to Government Departments as detailed below :

(₹ in crore)

Advances remained unutilized with the Government Departments – (Kochi)	0.14
Advance given to PWD for construction of alternate road to Pandu Port but the work was withdrawn in October 2013 – (Guwahati)	6.11
TOTAL	**6.25**

This has also resulted in understatement of 'Claims Recoverable' by ₹6.25 crore.

B) General

Corrections carried out at the instance of Audit

On the basis of observations of Audit, the Management carried out corrections in the accounts to the extent of ₹ 28.94 crore as detailed below:

(₹ in crore)

Head Of Accounts	Increase	Decrease
Assets	13.14	11.64
Liabilities	--	--
Expenditure	0.44	1.94
Classification mistake	0.53	
Amendments to Notes to accounts	1.25	

iv. Subject to our observations in the preceding paragraphs, we report that the Balance Sheet and Income and Expenditure Account dealt with by this report are in agreement with the books of accounts.

v. In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said financial statements read together with the Accounting Policies and Notes on Accounts and subject to the significant matters stated above and other matters mentioned in Annexure-I to this Audit Report give a true and fair view in conformity with accounting principles generally accepted in India.

a) In so far as it relates to the Balance Sheet, of the state of affairs of IWAI as at 31 March 2014; and

b) In so far as it relates to the Income and Expenditure Account, of the income / expenditure for the year ended on 31 March 2014.

Place : New Delhi
Dated: 11November 2014

(Vimalendra Patwardhan)
Principal Director of Commercial Audit
& Ex-Officio Member, Audit Board I
New Delhi

Annexure-I

1. **Internal Audit System**

The Internal Audit is conducted periodically by a Chartered Accountancy firm and audit reports are submitted to the management on quarterly basis. The scope of the work and periodicity of the Internal Audit is commensurate with the size and nature of the organization. However, the compliance of internal audit reports needs to be monitored more effectively.

2. **Internal Control System**

In view of the following deficiencies observed during the test check, the internal controls needs to be strengthened further:

a) As on 31 March 2014, the Authority has given ₹116.65 crore as advances to contractors, which includes an amount of ₹4.08 crores ageing more than 5 years. The system to review the old outstanding advances needs to be strengthened.

b) The supporting documents in respect of payments made were not attached with the vouchers at RO-Kolkata.

c) Non-reconciliation between the statement prepared by the accounts section and technical division regarding advance given to CPWD in RO-Kochi.

d) Confirmation of outstanding balances of Advance given to Contractors and Claim Recoverable were not obtained at the Guwahati unit.

3. **System of Physical verification of Fixed Assets**

Test check of records revealed that physical verification of fixed assets was not conducted at Head Office, Noida. Further, Fixed Assets Register were not maintained in proper format in RO-Kolkata & Guwahati.

4. **System of Physical verification of Inventory**

Physical verification of inventories was conducted periodically.

5. **Regularity in payment of Statutory Dues**

There were delays ranging from 6 days to 62 days in depositing TDS at RO-Kolkata.

Management Reply on Comments contained in CAG's Audit report on the Annual Accounts for the year ended 31st March 2014

A. Balance Sheet

Advance to Contractor & Suppliers – Rs.111.41 crore

Advance to contractors and suppliers of Rs.6.25 crore included an advance of Rs.6.11 crore to PWD, Government of Assam for construction of alternate road to Pandu Port has been received back during F. Y. 2014-15.R.O. Kochi has been advised to undertake necessary efforts for adjustment/ recovery Rs.0.14 crore lying with Government Department (Kochi). Necessary entry will be passed in current F. Y. 2014-15.

B. General

Annex – 1

1. Internal Audit System :

Internal Audit reports will be monitored more effectively.

2. Internal Control System :

In view of the following deficiencies observed during the test check, the Internal control needs will be strengthened further:

a) Advance to contractors and suppliers included an advance of Rs.4.08 crore given to different firms which are outstanding for more than five years. Administration/ Technical Wing has been advised to obtain certified bills for adjustment in due course.
b) Directions will be issued to R.O.Kolkata for disbursement of payment after attaching all required supporting documents.
c) Directions will be issued to R.O.Kochi to reconcile the statement of advance given to CPWD.
d) Confirmation of outstanding balances under the head advance to contractors and claims recoverable will be ensured in F.Y. 2014-15 in R.O.Guwahati Office.

3. System of Physical verification of fixed assets :

Updation of fixed assets register and physical verification of fixed assets will be ensured as on 31.03.2015 at Head Office, Noida. Action is being taken at R.O. Kolkata and Guwahati for maintenance of Fixed Asset Register in the proper format.

4. System of Physical verification of Inventory :

Need no comments.

5. Regularity in payment of statutory dues :

R.O. Kolkata have been instructed to ensure timely remittance of statutory dues.